RNI NO. HARHIN/2018/75109
वर्ष 4 अंक 297
फरीदाबाद, बुधवार, 08 दिसंबर, 2021
पृष्ठ 12, मूल्य 3 रुपये
नगर संस्करण

फरीदाबाद, नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

ई-पेपर www.pioneerhindi.com पर पढ़िए YouTube सब्सक्राइब करें Pioneer Haryana

क्षमा और शांति
पेज - 11

एचसीएस नागर नौकरी से बर्खास्त

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

प्रदेश सरकार की सिफारिश पर राज्यपाल ने दी मंजूरी

बर्खास्तगी पत्र में सरकार ने माना पैसा लेता था नागर

हरियाणा सरकार ने एचपीएससी रिश्वत कांड के आरोप में जांच का सामना कर रहे एचसीएस अनिल नागर को नौकरी से बर्खास्त कर दिया है। सरकार की सिफारिश पर राज्यपाल ने इस संबंध में तुरंत मंजूरी प्रदान कर दी है। अनिल हरियाणा लोक सेवा आयोग में उपसचिव के पद पर कार्यरत था। स्टेट विजिलेंस ब्यूरो द्वारा गिरफ्तार करने के बाद सरकार ने नागर को निलंबित कर दिया था।

मुख्य सचिव संजीव कौशल द्वारा जारी पांच पेज के बर्खास्तगी आदेश में सरकार ने मान लिया कि अनिल नौकरियों के लिए पैसे लेता था, लेकिन साथ ही मुख्यमंत्री ने कहा कि यह काम बरसों से चल रहा था और हमारी सरकार ने इस बरसों पुराने कोढ़ को जड़ से खत्म करने की पहल की है। एचसीएस और डेंटल सर्जन की नौकरियां लगवाने के लिए पैसे लेने के आरोपित एचसीएस अधिकारी अनिल को हरियाणा सरकार ने मंगलवार को बर्खास्त किया है। हरियाणा विधानसभा का शीतकालीन सत्र 17 दिसंबर से शुरू होने जा रहा है। ऐसे में विपक्षी राजनीतिक दल कांग्रेस इस मुद्दे पर सरकार को घेरने का ऐलान कर चुका है। इससे पहले ही सरकार ने बुधवार को यह बड़ा फैसला ले लिया। मुख्यमंत्री मनोहर लाल के आदेश के बाद मुख्य सचिव संजीव कौशल ने एचसीएस अनिल नागर को सरकारी सेवाओं से बर्खास्त करने के आदेश जारी किए। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कर दिया है कि सरकारी नौकरियों में पारदर्शिता से किसी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा।

एचपीएससी रिश्वत कांड

सेलजा, सुरजेवाला समेत कई कांग्रेसी गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

एचपीएससी का घेराव करने निकले थे सभी

हरियाणा लोक सेवा आयोग में हुए रिश्वत प्रकरण के खिलाफ प्रदर्शन करने पहुंचे हरियाणा कांग्रेस प्रभारी और अध्यक्ष समेत कई नेताओं को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। भारी संख्या में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने थाने में हंगामा किया, लेकिन उन्हें एचपीएससी कार्यालय तक जाने नहीं दिया गया।

प्रदेश की सत्तारूढ़ भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार को घेरने के नाम पर अलग-थलक पड़ चुकी कांग्रेस में हुड्डा गुट के बाद कुमारी सेलजा के नेतृत्व वाले गुट के आह्वान पर मंगलवार को एचपीएससी कार्यालय का घेराव किया गया। प्रदर्शन में हरियाणा प्रभारी विवेक बंसल, अखिल भारतीय कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला भी शामिल हुए। कांग्रेस नेता जब भर्ती घोटाले के विरोध में एचपीएससी का घेराव करने जा रहे थे, तो पंचकूला पुलिस प्रशासन ने उन्हें हिरासत में ले लिया। पुलिस ने कांग्रेस के तमाम नेताओं को पंचकूला पुलिस लाइन में बैठाया। घेराव से पहले बैठक को संबोधित करते हुए विवेक बंसल ने कहा कि हरियाणा की भाजपा-जजपा सरकार के नीचे भ्रष्टाचार पनप रहा है। इतना बड़ा भर्ती घोटाला करके न केवल बेरोजगार युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया गया है, बल्कि उनका मखौल उड़ाया गया है। उन्होंने कहा कि यह बिल्कुल स्पष्ट है कि इस भर्ती घोटाले में शासनतंत्र पूरी तरह से लिप्त है। उन्होंने जजपा और निर्दलीय विधायकों को चेताते हुए कहा कि भ्रष्टाचारी का साथ देने वाला भी उतना ही गुनहगार होता है जितना भ्रष्टाचार करने वाला।

बाजार

सेंसेक्स	57,663	▲ 887
निफ्टी	17,176	▲ 264
सोना	47,039	▲ 58 /10 gm
चांदी	60,362	▲ 175 /kg

मौसम फरीदाबाद

अधिकतम 23.01°C
न्यूनतम 10.01°C

क्विक न्यूज

सुनील अरोड़ा आईडीईए के सलाहकार बोर्ड में शामिल

नई दिल्ली। भारत के पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त सुनील अरोड़ा इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एंड इलेक्टोरल एसिस्टेंस (आईडीईए) के सलाहकार बोर्ड में शामिल हो गए हैं। यह एक अंतर-सरकारी संगठन है, जो स्टॉकहोम में स्थित है। निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को एक बयान में बताया कि अरोड़ा को आईडीईए के सलाहकार बोर्ड में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया था।

यूएईः सप्ताह में साढ़े चार दिन करना होगा काम

दुबई। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने सप्ताह में काम के अपने आधिकारिक समय में कटौती करने का फैसला लिया है। अब यहां कर्मचारियों को पांच की जगह साढ़े चार दिन काम करना होगा। सप्ताहांत का अवकाश शुक्रवार की दोपहर से शुरू होगा और शनिवार व रविवार तक रहेगा। यह जानकारी सरकारी अधिकारियों ने मंगलवार को दी। एक जनवरी 2022 से देश में सरकारी निकायों के लिए नेशनल वर्किंग वीक व्यवस्था का पालन करना अनिवार्य हो जाएगा। यूएई ने इसे दुनिया में सबसे छोटे काम करने के सप्ताह की व्यवस्था बताया है।

जमीन से हवा में मार करने वाली मिसाइल का परीक्षण

नई दिल्ली। भारत ने कम रेंज की जमीन से हवा में मार करने वाली वर्टिकली (जमीन से लंबवत) लॉन्च मिसाइल (वीएल-एसआरएसएएम) का ओडिशा के तट से सफल परीक्षण किया है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि डीआरडीओ की ओर से नौसेना के युद्धपोतों के लिए एक ऐसी हवाई रक्षा प्रणाली (एयर डिफेंस सिस्टम) विकसित किया जा रहा है जो लगभग 15 किमी की दूरी तक निशाना लगा सकेगा।

संसदीय दल की बैठक आज सोनिया करेंगी संबोधित

नई दिल्ली। कांग्रेस के संसदीय दल की बैठक बुधवार को संसद में आयोजित होगी। पार्टी सूत्रों ने बताया कि पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी बैठक को संबोधित करेंगी। बैठक की शुरुआत संसद के सेंट्रल हॉल में सुबह 9.30 बजे शुरू होगी। इसमें कांग्रेस पार्टी के सभी लोकसभा और राज्यसभा के सांसद हिस्सा लेंगे। सूत्रों ने बताया कि पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी भी बैठक में मौजूद रहेंगे। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल 12 सांसदों को संसद के वर्तमान में चल रहे शीतकालीन सत्र के लिए निलंबित करने के आदेश को रद्द करने की मांग कर रही है। इन सांसदों पर अनुशासनहीनता के लिए कार्रवाई की गई है।

700 किसानों की शहादत और लंबे संघर्ष के बाद आंदोलन समाप्ति की ओर

पहले आंदोलन खत्म करो फिर होगी केस वापसी : सरकार

एजेंसी। नई दिल्ली

700 किसानों की शहादत और करीब एक वर्ष के लंबे संघर्ष के बाद किसान आंदोलन लगभग समाप्ति की ओर है। सिंघु बॉर्डर पर मंगलवार को हुई संयुक्त किसान मोर्चा की बैठक भी इसी मुद्दे पर हुई थी। अब केस वापसी को लेकर एक पेंच फंस गया है। सरकार का कहना है कि आंदोलन खत्म करने के बाद केस वापसी का ऐलान करेंगे। दूसरी ओर, किसान चाहते हैं कि सरकार अभी इस पर ठोस आश्वासन दे।

दिल्ली बॉर्डर पर पिछले एक साल से जारी किसान आंदोलन को समाप्त कराने के लिए केंद्र सरकार ने नए सिरे से पहल की है। मंगलवार को केंद्र सरकार ने संयुक्त किसान मोर्चा के समक्ष पांच प्रस्ताव भेजे। इसके बाद मोर्चे ने बैठक कर इन पर विचार किया। केंद्र की कुछ शर्तों पर मोर्चे ने सवाल उठाए हैं। मोर्चा बुधवार को केंद्र के प्रस्ताव पर मंथन कर अंतिम फैसला लेगा। किसान नेता हरिंदर सिंह लक्खोवाल ने कहा कि किसान आंदोलन पर मंगलवार को ही घोषणा की तैयारी थी, लेकिन सरकार ने बीच में पेंच फंसा दिया। अगर सरकार संशोधित प्रस्ताव भेजेगी तो आंदोलन पर फैसला हो जाएगा। मोर्चे ने मंगलवार को सिंघु बॉर्डर पर बैठक के बाद कहा कि सरकार के प्रस्ताव पर चर्चा हुई। गृह मंत्रालय से हमारे पास प्रस्ताव आया है। सरकार का लिखित प्रस्ताव देना अच्छा है। एमएसपी पर कमेटी को लेकर कुछ आपत्ति है। आंदोलन वापसी की शर्त पर भी एतराज है। आंदोलन वापसी पर ही केस वापस लेने की बात की गई है। हम सरकार की शर्त मानने को तैयार नहीं हैं। कमेटी को लेकर भी हमारे कुछ सवाल हैं। आंदोलन की वापसी पर किसान नेता कुलवंत सिंह संधू ने कहा कि इस बारे में बुधवार को दोपहर दो बजे होने वाली बैठक में फैसला लिया जाएगा। केंद्र की तरफ से भेजे गए प्रस्ताव के मसौदे पर पूरी तरह सहमति नहीं बनी है।

मोर्चे ने कहा कि केंद्र सरकार के प्रस्ताव में कहा गया है कि जब हम आंदोलन खत्म करेंगे तभी किसानों पर केस वापसी होगी। इसे लेकर हमें आशंका है। सरकार को तत्काल केस वापस लेना शुरू करना चाहिए।

ये हैं किसानों की मांगें

- एमएसपी की गारंटी का कानून बनाया जाए।
- किसानों पर दर्ज मुकदमे वापस लिए जाएं।
- आंदोलन के दौरान मृत किसानों के परिवारों को मुआवजा मिले।
- बिजली बिल और पराली बिल को निरस्त किया जाए।
- लखीमपुर खीरी हिंसा मामले में आरोपी आशीष मिश्रा के पिता और केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा को बर्खास्त किया जाए।

700 मृत किसानों के आश्रितों को मिले नौकरी और मुआवजा

राकेश टिकैत ने कहा कि सरकार ने प्रस्ताव दिया कि वे हमारी मांगों पर सहमत होने के बाद हमें अपना विरोध समाप्त करना होगा, लेकिन प्रस्ताव स्पष्ट नहीं है। हमें कुछ आशंकाएं हैं जिन पर बुधवार दोपहर दो बजे चर्चा होगी। हमारा आंदोलन कहीं नहीं जा रहा है, यहीं रहेगा। भारतीय किसान यूनियन के गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने कहा कि आंदोलन के दौरान मृत 700 से ज्यादा किसानों के आश्रितों को केंद्र की ओर से 5-5 लाख रुपये मुआवजा और सरकार नौकरी दी जाना चाहिए, जैसी की घोषणा पंजाब सरकार ने की है। पंजाब की तरह केंद्र को भी ऐसा ही मुआवजा देना चाहिए।

बिजली बिल को लेकर भी सरकार का रुख लचीला

केंद्र सरकार के समझौते के मसौदे के अनुसार, संयुक्त किसान मोर्चा के पांच सदस्य एमएसपी पर बनने वाली कमेटी में शामिल किए जाएंगे। वहीं, सरकार ने एक साल के भीतर किसानों के खिलाफ दर्ज किए गए मामलों को भी वापस लेने का प्रस्ताव रखा है। इसके अलावा इस मसौदे में पंजाब मॉडल पर मुआवजा देने की बात भी है। खबरों के मुताबिक केस वापसी पर हरियाणा, यूपी राजी हैं। वहीं बिजली बिल को लेकर भी सरकार का रुख लचीला है। पराली जलाने पर आपराधिक धाराएं खत्म करने का प्रस्ताव किया गया है।

शेयर बाजार में लौटी रौनक, सेंसेक्स में 886 अंक का उछाल, निफ्टी में भी तेजी

एजेंसी। नई दिल्ली

बढ़त के बाद 57,633 पर बंद हुआ सेंसेक्स

कारोबार के दौरान 1060 अंकों से ज्यादा का उछाल दर्ज किया गया

कारोबारी सप्ताह के दूसरे दिन शेयर बाजार में वापस रौनक लौटी और हरे निशान पर शुरुआत करने के बाद सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों में तेजी का सिलसिला दिनभर जारी रहा। कारोबार खत्म होने पर सेंसेक्स 886.51 अंक की उछाल के साथ 57,633.65 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर निफ्टी भी हरे निशान पर कारोबार करते हुए 264.45 अंक की तेजी लेकर 17,176 के स्तर पर बंद हुआ।

दिनभर के कारोबार के दौरान बीएसई के सेंसेक्स में 1060 अंकों से ज्यादा उछाल भी दर्ज किया गया। इसके साथ ही एनएसई के निफ्टी ने भी तेजी से कारोबार करते हुए 310 अंकों की बढ़त के दिन के उच्च स्तर को छुआ था। इससे पहले मंगलवार को बाजार ने हरे निशान पर कारोबार की शुरुआत की। सेंसेक्स 455.48 अंक या 0.80 फीसदी की बढ़त के साथ 57,202.62 के स्तर पर खुला था, जबकि एनएसई का निफ्टी 106.70 अंक या 0.63 फीसदी की तेजी के साथ 17,019 के स्तर पर खुला। वहीं सोमवार को शेयर बाजार पर फिर कोरोना के नए ओमिक्रॉन वैरिएंट की दहशत देखने को मिली थी। इसके चलते बाजार शुरुआती तेजी को अंत तक बरकरार नहीं रख पाया और कारोबार खत्म होने पर भारी गिरावट के साथ बंद हुआ था। बंबई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स करीब 949.32 अंक गिरकर 57,000 से नीचे आ गया था। यह टूटकर 56,747.14 के स्तर पर बंद हुआ था। इसी तरह एनएसई के निफ्टी में भी करीब 284.45 अंक की गिरावट आई और यह 17000 के स्तर से नीचे पहुंचकर 16,912.25 के स्तर पर बंद हुआ था।

निवेशकों की संपत्ति 3.45 लाख करोड़ बढ़ी

नई दिल्ली। शेयर बाजार में मंगलवार को आई तेजी के साथ निवेशकों की संपत्ति 3,45,719.55 करोड़ रुपये बढ़ी। इससे पहले, दो कारोबारी सत्रों में बाजार में गिरावट रही थी। मंगलवार को बीएसई सेंसेक्स 886.51 अंक यानी 1.56 प्रतिशत की तेजी के साथ 57,633.65 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में आई तेजी के साथ बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 3,45,719.55 करोड़ रुपये उछलकर 2,60,18,494.21 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

अब बिना सीट का आरक्षण कराए कर सकेंगे अनारक्षित कोच में यात्रा

नई दिल्ली। अब एक्सप्रेस ट्रेन के अनारक्षित कोच में यात्री बिना सीट का आरक्षण कराए यात्रा कर सकेंगे। कोविड पूर्व वाली स्थिति फिर से बहाल करने का निर्णय रेलवे ने लिया है। लंबी दूरी की ट्रेनों में लगे अनारक्षित कोच में अनारक्षित टिकट की बिक्री भी शुरू की जाएगी।

उत्तर रेलवे ने इस तरह की 31 ट्रेनों की सूची जारी की है, जिसमें कोविड पूर्व की स्थिति बहाल होगी। इस पहल से यात्रियों का सफर भी सस्ता होगा। सीट की बुकिंग के लिए लगने वाला अतिरिक्त चार्ज यात्रियों से नहीं वसूला जाएगा। रेलवे ने लंबी दूरी की एक्सप्रेस ट्रेन के अनारक्षित कोचों में 10 दिसंबर से अनारक्षित टिकट पर यात्रा करने की अनुमति दे दी है। लिहाजा अब द्वितीय श्रेणी व दिव्यांग अनुकूल द्वतीय श्रेणी वाले सभी वर्तमान कोच अनारक्षित श्रेणी में संचालित किया जा जाएगा। इनमें मुख्य रूप से प्रतिदिन चलने वाली चंडीगढ़-लखनऊ-चंडीगढ़ एक्सप्रेस जो आठ अनारक्षित कोच के साथ चलेगी।

फरीदाबाद : आठ विदेशियों ने ली भारतीय नागरिकता की शपथ

फरीदाबाद। हरियाणा में फरीदाबाद के जिलाधीश ने मंगलवार को आठ विदेशी नागरिकों को भारतीय नागरिकता की शपथ दिलाकर भारतीय नागरिकता प्रदान की। इन आठ लोगों में दो अफगानिस्तान जबकि बाकी छह पाकिस्तान से हैं।

जिलाधीश जितेंद्र यादव ने अफगानिस्तान के हर्षिल एवं पूर्वी और पाकिस्तान के सुमन देवी, महीष, जूली, फूलां, मुस्कान और सपना को भारतीय नागरिकता की शपथ दिलाई। जानकारी के मुताबिक, चार लोगों ने वर्ष 2017 में और तीन ने वर्ष 2018 में और एक ने वर्ष 2019 में भारतीय नागरिकता प्राप्त करने के लिए जिलाधीश को आवेदन दिए थे।

विस्तृत खबर पेज-02

चांद पर चमकेगा भारतः नासा का मून मिशन

भारतीय मूल के अनिल मेनन समेत 10 एस्ट्रोनेट का चयन

एजेंसी। वाशिंगटन

अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने अपने मून मिशन के लिए 10 ट्रेनी एस्ट्रोनॉट (अंतरिक्ष यात्री) को चुना है। इनमें भारतीय मूल के अनिल मेनन भी शामिल हैं। 45 साल के अनिल नासा की क्लास 2021 का हिस्सा बनेंगे।

अनिल अमेरिकी एयरफोर्स में लेफ्टिनेंट कर्नल हैं और स्पेसएक्स में फ्लाइट सर्जन भी रहे। इस क्लास के लिए चुने गए 10 लोगों में 6 पुरुष और 4 महिलाएं हैं। नासा 50 साल बाद चांद पर इंसान भेजने के प्रोजेक्ट पर काम कर रही है। अनिल भारत में भी करीब एक साल गुजार चुके हैं। तब वे यहां पोलियो अभियान की स्टडी और उसके सपोर्ट के लिए भेजे गए थे। चंद्रमा पर अब तक भारत का कोई अंतरिक्ष यात्री नहीं गया है। हालांकि अब तक भारत के 4 लोग अंतरिक्ष में जा चुके हैं। भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा थे। उनके अलावा भारतीय मूल की कल्पना चावला, सुनीता विलियम्स और राजा चारी अंतरिक्ष में गए हैं।

सीएम दरबार में आमने-सामने हो सकता है पुलिस और माइनिंग विभाग

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

अवैध खनन रोकने के लिए माइनिंग विभाग ने चार महीने पहले मांगा था पुलिस स्टाफ

मंत्री मूलचंद शर्मा के आदेशों पर भी ध्यान नहीं

अवैध खनन रोकने के लिए सीएम की अध्यक्षता में निर्णय के बावजूद पुलिस विभाग द्वारा स्टाफ नहीं सौंपे जाने से माइनिंग विभाग के उच्च अधिकारी खासे नाराज हैं। पिछले चार महीने में माइनिंग विभाग पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को तीन बार पत्र लिख चुका है, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। पता चला है कि विभाग एक आखिरी पत्र बतौर रिमाइंडर डीजीपी को भेजेगा, यदि इस पर भी एक्शन नहीं हुआ, तो पूरा मामला मुख्यमंत्री मनोहरलाल के दरबार में रखा जाएगा।

बता दें कि प्रदेश विभिन्न जिलों में अवैध खनन माफिया सरकारी सिस्टम पर हावी है। रोजाना करोड़ों रुपये का चूना सरकार को लगाया जा रहा है। खनन माफिया की जड़े इतनी गहरी और प्रभावी हैं कि माइनिंग विभाग के अधिकारी-कर्मचारी अकसर बेबस साबित हो जाते हैं। माइनिंग विभाग द्वारा कार्रवाई अमल में लाने पर अधिकारियों को धमकी और कर्मचारियों पर हमला किए जाने की घटनाएं भी सामने आ चुकी है। इस स्थिति से निपटने के लिए करीब चार माह पहले सुरक्षा के लिए माइनिंग विभाग के उच्च अधिकारियों की पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक हुई थी। जिसमें पुलिस ने 78 अधिकारियों और जवानों की ड्यूटी खनन एवं भूविज्ञान विभाग को सौंपे जाने की हामी भरी थी, लेकिन चार महीने बाद भी जवानों का दस्ता माइनिंग विभाग को नहीं मिला है, जिस कारण माइनिंग विभाग को फील्ड में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। माइनिंग विभाग के महानिदेशक की ओर से इस बाबत तीन बार पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पीके अग्रवाल को चिट्ठी लिखी जा चुकी है। अब तीसरा रिमांडर भेजने की तैयारी है। अगर अब भी पुलिस की ओर से स्टॉफ उपलब्ध नहीं करवाया जाता है, तो यह पूरा मामला मुख्यमंत्री के सामने रखा जाएगा।

पुलिस जवानों की प्रतिनियुक्ति का हुआ था फैसला

विभाग में अवैध माइनिंग व ओवरलोडिंग रोकने के लिए पुलिस का सहयोग लेने का फैसला हुआ था। डीएसपी सहित पुलिस विभाग से 78 जवानों की प्रतिनियुक्ति माइनिंग डिपार्टमेंट में करने की सहमति बनी थी। इतना ही नहीं, यह पूरा मामला मुख्यमंत्री मनोहरलाल के नोटिस में भी है। सीएमओ (मुख्यमंत्री कार्यालय) की मुहर के बाद ही इस स्टाफ की प्रतिनियुक्ति को मंजूरी मिली थी। मगर माइनिंग डिपार्टमेंट की ओर से भेजी गई स्टाफ की डिमांड पर पुलिस विभाग ने काई गंभीरता नहीं दिखाई।

सीएम की अध्यक्षता में हुआ था प्रतिनियुक्ति का निर्णयः सीएम की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह तय हुआ था कि पुलिस से स्टाफ को प्रतिनियुक्ति पर लिया जाएगा। पुलिस के इन जवानों का वेतन और सभी प्रकार के भत्तों का भुगतान माइनिंग डिपार्टमेंट को ही करना होगा। मुख्यालय स्तर पर डीएसपी का एक पद सृजित किया गया है। वहीं एक इंस्पेक्टर, 14 सब-इंस्पेक्टर, 14 हेड कांस्टेबल और 48 कांस्टेबल के पदों को मंजूरी दी गई। अवैध माइनिंग रोकने के लिए जाने वाली विभाग की टीमों पर कई बार हमला भी हो चुका है। इसीलिए स्थाई तौर पर पुलिस जवानों को तैनात करने का निर्णय लिया था।

अहम बात यह है कि स्टाफ के लिए माइनिंग डिपार्टमेंट की ओर से जहां डीजीपी को पत्र लिखे जा चुके हैं, वहीं माइनिंग विभाग के मंत्री मूलचंद शर्मा भी इस बाबत गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजीव अरोड़ा को नोट भेजकर स्टाफ उपलब्ध करवाने के आदेश दे चुके हैं। मगर अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। मंत्री शर्मा ने 30 सितंबर को गृह सचिव को नोट भेजा था। सरकार ने माइनिंग डिपार्टमेंट में पुलिस जवानों के लिए 78 नये पदों का सृजन किया था। बाकायदा इनके लिए बजट भी मंजूर हुआ था, पर नतीजा शून्य है।

मुख्यालय से लेकर जिले तक नियुक्त होगा स्टाफ

प्रदेश मुख्यालय पर एक डीएसपी, एक इंस्पेक्टर के अलावा 2 कांस्टेबल की नियुक्ति होनी है। यमुनानगर में 2 सब-इंस्पेक्टर, 2 हेड कांस्टेबल और 4 कांस्टेबल, सोनीपत में 1 सब-इंस्पेक्टर, 1 हेड कांस्टेबल और 3 कांस्टेबल, भिवानी व दादरी में 2 सब-इंस्पेक्टर, 2 हेड कांस्टेबल और 3 कांस्टेबल, महेंद्रगढ़-नारनौल में 1 सब-इंस्पेक्टर, 2 हेड कांस्टेबल और 3 कांस्टेबल, गुरुग्राम व नूंह में 2 सब-इंस्पेक्टर, 2 हेड कांस्टेबल और 3 कांस्टेबल, फरीदाबाद-पलवल में 2 सब-इंस्पेक्टर, 1 हेड कांस्टेबल और 3 कांस्टेबल, पानीपत-करनाल में 2 सब-इंस्पेक्टर, 1 हेड कांस्टेबल और 3 कांस्टेबल, कुरुक्षेत्र व कैथल में 1 हेड कांस्टेबल व 4 कांस्टेबल तथा पंचकूला में 1 सब-इंस्पेक्टर, 1 हेड कांस्टेबल और 3 कांस्टेबल की नियुक्ति होनी है। इसी तरह से अंबाला में 1 सब-इंस्पेक्टर, 1 हेड कांस्टेबल और 3 कांस्टेबल, हिसार-फतेहाबाद में 4 कांस्टेबल, रोहतक व झज्जर में 4 कांस्टेबल तथा जींद, सिरसा व रेवाड़ी में 2-2 कांस्टेबल माइनिंग डिपार्टमेंट में तैनात होने हैं।

Good Morning!

फरीदाबाद पायनियर

हरियाणा, बुधवार, 08 दिसंबर, 2021 | ग्रेटर फरीदाबाद • सराय • एनआईटी इंडस्ट्रियल एरिया • बल्लभगढ़ • तिगांव • पलवल | ई-पेपर www.pioneerhindi.com

शहर का तापमान

- अधिकतम 23.00 डिग्री सेल्सियस
- न्यूनतम 10.00 डिग्री सेल्सियस

शहर में आज

- बीके अस्पताल की ओपीडी शुरू: सुबह 9 बजे
- शहर में जगह-जगह वैक्सीनेश कैम्प: सुबह 10 बजे
- कोरोना जांच प्रयोगशाला में जांच शुरू: सुबह 9 बजे
- वुमेंस पावर की तरफ से सेक्टर-23 में आर्ट एंड क्राफ्ट कक्षा: दोपहर 2 बजे

निवेश गुरु

हाइब्रिड फंड एक म्यूचुअल फंड स्कीम है जो इक्विटी और डेब्ट दोनों में निवेश करती है। यदि आप निश्चित नहीं हैं और बाजार में जोखिम नहीं लेना चाहते हैं तो हाइब्रिड फंड आपके लिए हैं, क्योंकि यह कम जोखिम और अधिक रिटर्न प्रदान करता है। म्यूचुअल फंड मार्केट में सबसे सुरक्षित निवेश साधनों में से एक है जो सुरक्षित रिटर्न की गारंटी देता है। म्यूचुअल फंड के अलावा, जो लोग निवेश करना पसंद करते हैं, वे भी हाइब्रिड फंड में निवेश करने का विकल्प चुन सकते हैं।

यूटीलिटी न्यूज

इकोग्रीन लेगी डेरियों से गोबर

फरीदाबाद। नगर निगम क्षेत्र में स्थित विभिन्न डेयरियों द्वारा गाय-भैंस के गोबर का सार्वजनिक स्थानों पर फैंकने का मुद्दा आयुक्त, नगर निगम, फरीदाबाद के संज्ञान में आने के बाद निगमायुक्त ने नगर निगम द्वारा घर-घर से कूड़ा एकत्रित करने वाली ऐजेंसी- इकोग्रीन के विक्रेताओं को अधिकृत किया है कि वे ऐसी सभी डेयरियों से गोबर 250 रुपये प्रति पशु प्रति माह की दर से एकत्र करेंगे और उसको निगम द्वारा जहां पर प्लांट लगाये जा रहे हैं वहां पर इस गोबर को ब्रिक्स आदि बनाने के लिये सुपुर्द करेगा। अत: आयुक्त नगर निगम फरीदाबाद ने सभी डेयरी मालिकों से अपील की है कि वे अपनी-अपनी डेयरी के पशुओं का गोबर 250 रुपये प्रति पशु प्रति माह की दर से इकोग्रीन के विक्रेताओं को सुपुर्द करें। आयुक्त, नगर निगम, फरीदाबाद ने सभी डेयरी मालिकों को चेतावनी दी है कि यदि कोई व्यक्ति किसी सार्वजनिक स्थान पर गोबर का ढेर लगाते हुए पाया जाता है, तो उसपर भारी भरकम जुर्माना किया जाएगा।

क्विक न्यूज

तैराकी के लिए ट्रायल आज

फरीदाबाद। जिला खेल एवं युवा कार्यक्रम अधिकारी, जगबीर सिंह ने बताया कि केन्द्रीय सिविल सेवा सांस्कृतिक एंव क्रीड़ा बोर्ड द्वारा अखिल भारतीय सिविल सेवा तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन 21 से 23 दिसंबर तक गांधी नगर गुजरात में किया जा रहा है। प्रतियोगिता में हरियाणा राज्य की ओर से भाग लेने वाले तैराकी खेल के अधिकारी, कर्मचारियों के चयन आठ दिसंबर को खेल परिसर सेक्टर-12 में किया जाना है। उन्होंने कहा कि सभी विभागाध्यक्ष से अनुरोध है कि तैराकी खेल के ट्रायल देने के इच्छुक अधिकारी, कर्मचारियों को आठ दिसंबर को प्रात: नौ बजे खेल परिसर सेक्टर-12 फरीदाबाद में भेजने का कष्ट करें। जगबीर सिंह जिला खेल एवं युवा कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि संबंधित विभाग यह प्रमाण पत्र दे की वे अमुक विभाग के अधिकारी है। प्रतियोगिता में भाग के लिए लेने-जाने का किराया संबंधित विभाग द्वारा वहन किया जाएगा।

यह कैसा अभियान : शहर की ज्यादातर ग्रीनबेल्ट अवैध कब्जों का शिकार

निगम आयुक्त के अतिक्रमण हटाओ अभियान को अधिकारी लगा रहे पलीता

राजेश दास। फरीदाबाद

शहर में लगने वाले जाम और अन्य कई तरह की समस्याओं को देखते हुए नगर निगम आयुक्त यशपाल यादव द्वारा शहर के बाजारों के साथ साथ रिहायशी इलाकों से अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया जा रहा है। लेकिन नगर निगम के अधिकारी और कर्मचारी निगमायुक्त के अभियान को पलीता लगाने पर तुले हुए हैं। शहर से अतिक्रमण कम हटाया जा रहा है और लीपापोती ज्यादा की जा रही है। एनएच एक दो चौक के निकट अतिक्रमण हटाने के नाम पर पक्के रैम्प तो तोड़ दिये। लेकिन जगह को दुरूस्त करने का प्रयास नहीं किया। इसी तरह मंगलवार को भी निगम द्वारा एनएच पांच में अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया गया। इस दौरान निगम द्वारा दो तीन दिन में खुद तोड़ने की अंडरटेकिंग देने वालों के अतिक्रमण छोड़े जा रहे थे। इस बात का फायदा निगम द्वारा पहुंच वाले लोगों को भी जमकर दिया जा रहा था। वहीं दूसरी तरफ शहर की ग्रीनबेल्टों की ओर नगर निगम का ध्यान ही नहीं है। शहर की ज्यादातर ग्रीनबेल्टों पर लोगों ने कब्जे किये हुए हैं। कई जगह तो ग्रीनबेल्टों पर व्यवसायिक गतिविधियां भी चलाई जा रही है। जबकि शहर में बढ़ते प्रदूषण को ध्यान में रखते हुए एनजीटी ने करीब ढाई साल पहले ग्रीनबेल्टों से कब्जे हटाने के आदेश दिये थे।

एनएच तीन की ग्रीनबेल्ट पर कब्जा कर कबाड़ियों ने बनाया गोदाम।

एनएच पांच फ्रूट गार्डन में ग्रीनबेल्ट पर किए गए अवैध कब्जे।

अतिक्रमण हटाने का ड्रामा

पिछले दिनों नगर निगम आयुक्त ने शहर के सभी बाजारों और अन्य स्थानों से अतिक्रमण हटाने के लिए नगर निगम के अधिकारियों को आदेश दिया था। इस कार्रवाई को सफल बनाने के लिए नगर निगम द्वारा पिछले करीब तीन दिनों से शहर में अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया हुआ है। शनिवार को एनएच एक दो चौक के निकट निगम द्वारा दुकानों के बाहर बने पक्के रैम्पों को तोड़ दिया था। यहां से निगम द्वारा मलवा तो हटवा लिया। लेकिन जगह को दुरूस्त नहीं किया। इसी तरह एनएच तीन में भी निगम द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। जबकि एनएच तीन के मस्जिद चौक से मेट्रो मोड़ तक आने वाली सड़क पर लोगों ने बड़े पैमाने पर कब्जे किये हुए हैं। निगम द्वारा एक तरफ से कार्रवाई करने की बजाए छोड़े छोड़ कर अतिक्रमण हटाया जा रहा है। एनएच पांच और शहर के अन्य इलाकों में भी मंगलवार को निगम द्वारा अतिक्रमण हटाने के नाम सिर्फ दिखावा ही किया गया। जिससे शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने की निगमायुक्त योजना को पलीता लग रहा है।

एनजीटी के आदेशों की परवाह नहीं

नगर निगम और एचएसवीपी की लापरवाही से शहर का ऐसा कोई हिस्सा नहीं बचा जहां ग्रीनबेल्ट पर कब्जा न हो। ग्रीनबेल्टों पर अतिक्रमण से शहर की सूरत लगातार बिगड़ रही है। इससे प्रदूषण तो बढ़ ही रहा है, साथ ही सड़क दुर्घटनाओं का भी खतरा बना रहता है। ग्रीनबेल्ट पर कब्जा करने वाले अस्पताल, क्लीनिक, शोरूम और अन्य संस्थानों में आने वाले लोग ग्रीनबेल्ट या सड़क किनारे अपने वाहनों की पार्किंग करते हैं। जिससे रोड जाम और दुर्घटनाएं भी होती रहती है। कई स्थानों पर ग्रीनबेल्टों पर कबाड़े के गोदाम और पक्के शैड बनाकर व्यवसायिक गतिविधियां चलाई जा रही है। एक याचिका की सुनवाई के दौरान एनजीटी ने 27 मार्च 2019 को ग्रीनबेल्ट से अतिक्रमण हटाने का निगम को दस दिन का समय देते हुए 13 मई की तारीख लगाई थी। 13 मई 2019 को निगम ने अखबार में जारी किया नोटिस पेश किया था। एनजीटी ने निगम को ग्रीनबेल्ट से अतिक्रमण हटा कर घास और पांच फुट तक के पौधे लगाने के आदेश दिए थे। पौधों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ट्रि गार्ड लगाने के आदेश भी दिये गए थे।

सेक्टर 25 की ग्रीनबेल्टों पर निर्माण सामग्री रखकर किया कब्जा।

प्रशासन की लापरवाही

समाजसेवी गुरमीत सिंह देओल का कहना है कि संबंधित विभागों की लापरवाही से शहर में प्रदूषण बढ़ रहा है। शहर की आबोहवा में सुधार लाने के लिए जिला प्रशासन को ठोस कदम उठाते हुए ग्रीनबेल्टों से अवैध कब्जे हर हाल में हटवाने होंगे। साथ ही इन ग्रीनबेल्टों में हरियाली कर नियमित रख रखाव सुनश्चित करना होगा। जिससे शहर का वातावरण शुद्ध हो सकेगा और शहर के लोगों को विभिन्न बीमारियों से नहीं जूझना पड़ेगा।

ढाई साल में नहीं मिली फुर्सत

ग्रीनबेल्टों से कब्जे हटाने के एनजीटी के आदेश जारी हुए करीब ढाई साल से ज्यादा समय गुजर चुका है। लेकिन इन आदेशों की परवाह न करते हुए नगर निगम ने शहर की ग्रीनबेल्टों से कहीं भी कब्जे हटाने का प्रयास नहीं किया। जिसके कारण शहर के प्रत्येक हिस्से पर ग्रीनबेल्टों पर कब्जे बरकरार हैं। ग्रीनबेल्टों पर अतिक्रमण शहर के पॉश इलाकों में भी कम नहीं हैं। शहर के पॉश इलाकों में शामिल विभिन्न सेक्टर समेत अन्य इलाकों की डिवाइडिंग रोड पर शहर के नागरिकों द्वारा कब्जे किए गए है। इन सेक्टरों में नागरिकों ने न केवल ग्रीनबेल्टों पर कब्जा किया हुआ है बल्कि अवैध तरीके से अपने संस्थान का दरवाजा भी ग्रीनबेल्ट की तरफ से निकाला हुआ है। जबकि दूसरी तरफ इन सेक्टरों की आरडब्ल्युए जगह जगह बोर्ड लगाकर ग्रीनबेल्टों पर रेहड़ी न लगाने की नसीहत दे रहे हैं। लेकिन इन संस्थानों के खिलाफ आरडब्ल्युए की तरफ से कभी कोई कार्रवाई नहीं की जाती। इसी तरह एनएच एक, दो तीन और औद्योगिक क्षेत्रों की ग्रीनबेल्टों की हालत तो और ज्यादा बदतर है। यहां ग्रीनबेल्टों पर कब्जों के साथ कूड़े के ढेर लगे रहते हैं।

अभाविप ने मनाया सामाजिक समरसता दिवस

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद फरीदाबाद के आयाम एसएफएस द्वारा समाजिक समरसता दिवस पर चलाया वस्त्रदान अभियान। जिला मीडिया संयोजक रवि पांडे ने बताया भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर जी के महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर जिले में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

जिसके तहत सेवा बस्ती में वस्त्र दान एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर के प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित और पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। जिससे मुख्य रूप से अभाविप हरियाणा प्रांत सह सगठन मंत्री श्याम कुशवाहा, हरियाणा अभाविप प्रांत उपाध्यक्ष अजाद वीरसिंह भड़ाना, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य माधव रावत उपस्थित रहे। श्याम कुशवाहा ने कहा भारतीय संविधान के शिल्पकार, भारत रत्न बाबासाहेब डॉ. भीमराव आम्बेडकर अद्भुत प्रतिभा के छात्र थे उन्होंने उन्होंने अर्थशास्त्र और राजनीतिक विज्ञान में शोध कार्य भी किए। आजीवन सामाजिक समरसता के लिए संघर्षरत रहे बाबासाहेब का संपूर्ण जीवन चरित्र समस्त मानव जाति के लिए प्रेरणास्रोत है। अभाविप जिला एसएफएस द्वारा जो सेवा बस्ती में वस्त्रदान अभियान चलाया गया है। उसमे सभी को अपनी भागीदारी सुनिश्चित करना चाहिए। राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य माधव रावत ने कहा कड़कड़ाती ठंढ के इस मौसम में ऐसे कई जरूरत मंद लोग हैं, जिन्हें गर्म कपड़ों की बहुत अधिक आवश्कता है। इसी पवित्र उद्देश्य के साथ वस्त्रदान अभियान को बडे स्तर पर चलाया जा रहा हैं। जिला सह संयोजक एसएफएस दीपक भारद्वाज कड़कड़ाती ठंढ के इस मौसम में ऐसे कई जरूरत मंद लोग हैं, जिन्हें गर्म कपड़ों की बहुत अधिक आवश्कता है। जूते, कम्बल, शॉल, स्वेटर, जैकेट, कैप, दस्ताने, मोजे आदि हैं जो वे यूज नहीं कर रहे हैं तो उन कपड़ों, जूतों, कम्बलों को वे इस अभियान में दे सकते हैं। प्राप्त गर्म कपड़े, कंबल आदि जरूरतमंदों तक पहुंचाए जाएंगे। नीपूर्ण, राधे, प्यूष, रवि सैनी, अंशुल, यश यादव, अमन दुबे, गौतम भडाना, उपस्थित रहे।

डॉ. भीम राव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर जरूरत मंद को गर्म कपड़े वितरित करते अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सदस्य।

आठ विदेशी नागरिकों को मिली भारतीय नागरिकता

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिलाधीश जितेंद्र यादव ने मंगलवार को दोपहर बाद आठ विदेशी नागरिकों को भारतीय नागरिकता की शपथ दिला कर भारतीय नागरिकता प्रदान की। इन 08 विदेशी नागरिकों में दो अफगानिस्तान के हर्षील एवं पूर्वी और छह पाकिस्तान के इनमें सुमन देवी, महीष, जूली, फूलां, मुस्कान और सपना शामिल है।

इन लोगों में से चार लोगों ने वर्ष 2017 में और तीन लोगों ने वर्ष 2018 में और एक ने वर्ष 2019 में भारतीय नागरिकता प्राप्त करने के लिए जिलाधीश को आवेदन दिए थे। आपको बता दें पूरे देश में 13 जिलाधीशों को ही भारत सरकार ने यह विदेशी नागरिकों को भारतीय नागरिकता प्रदान करने की पावर प्रदान की गई है। इनमें फरीदाबाद का जिलाधीश भी शामिल है।

केंद्र सरकार ने नागरिकता अधिनियम 1955 की धारा 16 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अफगानिस्तान, बांग्लादेश, पाकिस्तान देश के अल्पसंख्यक समुदायों के किसी भी व्यक्ति इनमें हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई को भारतीय नागरिकता देने का अधिकार जिलाधीश को भारतीय नागरिकता अधिकार देने का अधिकार प्रदान किया गया है। नागरिकता अधिनियम 1955 की धारा 5 के अधीन भारत के नागरिक के रूप में रजिस्ट्री कृत करने अथवा धारा 6 के अधीन उसे देशीकरण संबंधी प्रमाण पत्र प्रदान करने के लिए उसके द्वारा प्रयोग की जाने वाली शक्तियों के तहत यह नागरिकता जिलाधीश जितेंद्र यादव ने प्रदान की है।

सेक्टर 12 में विदेशी नागरिकों को शपथ दिलाकर भारतीय नागरिकता प्रदान कराते उपायुक्त जितेंद्र यादव।

जिलास्तरीय गीता महोत्सव को बेहतरीन बनाने के निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के महानिदेशक डॉ. अमित अग्रवाल ने जिला उपायुक्त के साथ की वीसी करके जिला स्तरीय गीता महोत्सव के बेहतरीन क्रियान्वयन के दिशा निर्देश दिए। आपको बता दें कि प्रदेश के सभी जिलों में सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार 12-14 दिसंबर को गीता होत्सव मनाया जाएगा।

गीता जयंती महोत्सव पर प्रदेश में एक साथ 48 कोस तीर्थ पर और 164 स्थानों पर 14 दिसंबर को शाम साढ़े 5 बजे दीप उत्सव भी मनाया जाएगा। जबकि कुरुक्षेत्र में आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में 75वें स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मानित भी किया जाएगा। उपायुक्त जितेन्द्र यादव ने बताया कि गीता जयंती महोत्सव में सभी से जनसहयोग की अपील भी की जा रही है। जिला भर में गीता जयंती महोत्सव जनसहभागिता के सिद्धांत पर आयोजित हो रहा है। गीता जयंती महोत्सव पर जिला में प्रदर्शनी, नगर शोभा यात्रा, सांस्कृतिक कार्यक्रम, गीता श्लोक उच्चारण, गीता हवन एवं पाठ का आयोजन भी होगा। जिला प्रशासन और पुलिस विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्युटियां जबाब देही के साथ सुनिश्चित की जाएगी। वीडियो कॉन्फ्रेंस में अतिरिक्त उपायुक्त सतबीर मान, एसडीएम परमजीत चहल, एसडीएम पंकज सेतिया, सीटीएम पुलकित मल्हौत्रा, डीआईपीआरओ राकेश गौतम आदि अधिकारी उपस्थित रहे।

महानिदेशक डॉ. अमित अग्रवाल के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस से मीटिंग करते उपायुक्त जितेंद्र यादव।

अमृत पाठशाला के बच्चों को ड्रेस व गर्म वस्त्र दिए

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

गौरव, आनंद, उत्साह, आशीर्वाद उपलब्धि व उमंग एक साथ अमृता पाठशाला के नन्हे मुन्नों को स्वामी द्वारा ड्रेस व गर्म वस्त्र दिए गए। बच्चों के साथ संवाद में स्वामी जी ने जीवन में प्रगति के सूत्र दिए, उन्होंने कहा कि कठोर यथार्थ का साहस से साथ सामना करने से स्वर्णिम लक्ष्य मिलता है।

देश के पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम, लाल बहादुर शास्त्री, देश के वर्तमान राष्ट्रपति व प्रधान मंत्री इसके जीवंत उदाहरण हैं। हर स्थिति में प्रसन्न रह व लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर ही सफलता मिलती है। सेवा, समर्पण, त्याग व करुणा के क्षेत्र में अम्मा माता अमृतनंद मयी देवी विश्व में अनुपम उदाहरण हैं। जिनके प्रेम में सारा विश्व बंधा है व वे सारे संसार की सेवा हेतु समर्पित हैं। यह अमृता पाठशाला व फरीदाबाद का अमृता हॉस्पिटल इसका छोटा व विशाल प्रतीक हैं। बच्चों के माता पिता से उन्होंने वच्चों की पढ़ाई निरंतर जारी रखने को कहा।

बच्चों को नये कपड़े देते समय स्वामी जी ने उनकी खुशी में आनंद लिया। सभी बच्चे व उनके माता, पिता आनंद से भरे थे क्योंकि उनके बच्चे फ्री में शिक्षा, भोजन, वस्त्र व मार्गदर्शन अम्मा की कृपा से यहां पा रहे हैं। बच्चों को स्वादिष्ट भोजन पूनम दीदी, सौरभ भैया ने परोसा। इस प्रस्तुत कार्य में अमृता हॉस्पिटल के ईडी मिश्रा, कर्नल गोपाल कृष्णन, वालसन, सुनील गुप्ता, अशोक नायर, कमलेश्वर शुक्ला, कर्नल हरेंद्र सिंह, सतपाल सिंह व अन्य सभी सदस्यों के समर्पित योगदान मिल रहे हैं। यह सुखद व विरला संयोग है कि पाठशाला में देश के अधिकांश परदेशों के बच्चे हैं। बच्चों के माता, पिता ने माता अमृता नन्द मयी देवी मठ और स्वामी के प्रति कर्तज्ञता, आभार व्यक्त किया।

अमृत पाठशाला में बच्चों को ड्रेस और गर्म वस्त्र वितरित किए।

पायनियर पाठकों के लिए

यदि आपको अखबार की प्रति मिलने में कठिनाई आ रही है,तो आप निम्न पते से प्राप्त कर सकते हैं

- विनोद कुमार, ओल्ड रेड लाइट बल्लभगढ़ 9811477204
- आनंद,एनआईटी 4-5 चौक 9818848494
- कामरेड,बल्लभगढ़ रेड लाइट
- मदनलाल, अंबेडकर चौक
- पाहुजा,पलवल मीनार गेट
- त्रिलोक,फोर्टिस हॉस्पिटल, नीलम चौक
- हितेश सेक्टर 29, 9910533103

नज़रिया

दिनेश रघुवंशी, कवि

अहम की एक दीवार आख़िर टूट जायेगी
नया सूरज उगेगा ज़िंदगी फिर मुस्कुरायेगी
भरोसा है बहुत इंसानियत पर जानता हूँ मैं
मेरे दिल की मोहब्बत ही तेरी नफ़रत मिटायेगी

तनाव मुक्ति का सर्वश्रेष्ठ उपाय है श्रीमद्भगवदगीता

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

डीएवी प्रबंधन संस्थान, एनआईटी फरीदाबाद ने इस्कॉन फरीदाबाद के सहयोग से मंगलवार को तनाव प्रबंधन पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। वर्तमान समय में हमारे समाज में तनाव का स्तर बहुत बढ़ गया है। सामान्यत: हर व्यक्ति तनाव में रहता है, चाहे वह किसी भी वर्ग का हो। इसी के मद्देनजर यह कार्यक्रम आयोजित किया गया, जो मुख्य रूप से फैकल्टी के लिए था ताकि वह तनाव से निपटने का तरीका जान सकें और वास्तविक ज्ञान प्राप्त करके तनावमुक्त जीवन जी सकें।

फैकल्टी स्टाफ और शिक्षक हमारे समाज का आधार है यदि वे स्वयं ही तनाव में रहेंगे तो छात्रों का मार्गदर्शन कैसे करेंगे? कार्यक्रम के मुख्य वक्ता इस्कॉन फरीदाबाद के अध्यक्ष, सुविख्यात गोपीश्वर दास थे। उनका वक्तव्य तनाव और तनाव के विभिन्न कारणों को समझने पर केंद्रित था। उन्होंने यह भी बताया कि सामान्यत: लोग तनाव का मुकाबला करने के लिए

क्या उपाय करते हैं किंतु इन सबके बावजूद उससे उबर नहीं पाते और तनाव लगातार बना रहता है। इसलिए इसे आध्यात्म के दृष्टिकोण से समझाने का प्रयास किया गया। आध्यात्मिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो पता चलता है कि तनाव का मूल कारण ही आत्मज्ञान का अभाव है। मनुष्य स्वयं के बारे में नहीं जानता, इसलिए व्याकुल और परेशान रहता है और यही उसके सभी दुखों और तनाव का कारण है।

श्रीमद्भगवदगीता तनाव प्रबंधन के लिए सर्वश्रेष्ठ ग्रंथ है। महाभारत के युद्ध के समय जब अर्जुन बहुत तनाव में थे, उन्हें श्रीकृष्ण से आत्मज्ञान प्राप्त हुआ और वह आत्म-केंद्रित हो गए। इसीलिए हमारी वर्तमान स्थिति से तनाव मुक्त जीवन पर पहुंचने के लिए हमें श्रीमद्भगवदगीता का गंभीरता से अध्ययन करना होगा। हमें श्रीमद्भगवदगीता में दिए गए निर्देश के अनुसार हरे कृष्ण महामंत्र हरे कृष्ण हरे कृष्ण, कृष्ण कृष्ण हरे हरे, हरे राम हरे राम, राम राम हरे हरे का जप करने पर ध्यान लगाना होगा। इस्कॉन संस्था संपूर्ण विश्व में इसका प्रचार कर रही है। साथ ही गोपीश्वरदास ने बताया कि हाल ही में इस्कॉन फरीदाबाद में नए मंदिर का निर्माण भी इसी उद्देश्य से किया है। इस मंदिर का मुख्य उद्देश्य इसी संदेश का प्रसार है ताकि समाज में शांति स्थापित रहे।

डॉ सतीश आहूजा प्रिंसिपल डायरेक्टर ने इस तरह के अद्भुत सत्र के आयोजन के लिए डॉ रितु गांधी अरोड़ा, संयोजक एफडीपी सेल और उनकी टीम के सदस्यों डॉ आशिमा टंडन, डॉ पारूल नांगी, डॉ कविता गोयल, पूजा गौड़ के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि स्टाफ सदस्यों ने अपनी सारी चिंताओं और तनावों को भूलकर इसका हर हाल में आनंद लिया। उन्होंने रीमा नांगिया, डॉ जूही, वंदना, डॉ महेंद्र बिश्नोई, नीरज भारद्वाज, गौरव, डॉ प्रियंका गौड़, प्रीति बाली, डॉ धृति गुलाटी, रितु गौतम का भी आभार व्यक्त किया और इस आयोजन को सफल बनाने के लिए धन्यवाद दिया।

डीएवी प्रबधन संस्थान में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते वक्ता इस्कान फरीदाबाद के गोपीश्वर दास।

आईआईएफएमसी ने पांच विकेट से जीता मैच

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

17वें रविंद्र फागना मिक्स कॉर्पोरेट क्रिकेट टूर्नामेंट मैच में आईआईएफएमसी ने एडी स्पोर्ट्स क्लब को पांच विकेट से हराया। बीसीसीआई कोच धर्मेंद्र फागना ने बताया कि आईआईएफएमसी ने टॉस जीत कर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। एडी स्पोर्ट्स क्लब की टीम ने 19. 2 ओवर में 10 विकेट पर 151 रन बनाए। नीरज तिवारी ने 36 रन, अनूप ने 30 रन, करण डेढ़ा ने 21 रन, शुभम ने 20 रन बनाए। आईआईएफएमसी की ओर से गेंदबाजी करते हुए अंकित भड़ाना ने 3 विकेट, हर्ष ज्जाखड़ और नकुल पॉल व कृष्णा भड़ाना दो-दो विकेट, कपिल सैनी ने एक विकेट ली। लक्ष्य का पीछा करते हुए आईआईएफएमसी ने 17.2 ओवर में पांच विकेट में 152 रन बनाकर जीत हासिल की। सुमित पराशर ने 82 रन, नकुल पॉल ने 37 रन, खेमचंद ने 14 रन बनाए। एडी स्पोर्ट्स क्लब की ओर से गेंदबाजी करते हुए केपी भामला, प्रदीप, गौरव, सुमित और नीरज ने एक-एक विकेट ली। इस मैच में मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार पंडित सुमित रमेश पराशर को दिया गया।

रविन्द्र फागना मिक्स कारपोरेट क्रिकेट मैच में मैन आफ दा मैच के पुरस्कार से सुमित रमेश पराशर को नवाजा।

नौ माह में नौ हजार बने आवारा पशुओं का शिकार

नवंबर माह तक कुल 8816 मरीजों को लगे रेबिज के इंजेक्शन

कविता। फरीदाबाद

जिले में आवारा पशुओं का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। नगर निगम द्वारा आवारा पशुओं को पकड़ने के लिए कितनी भी टीमें क्यों न गठित कर रखी हो। लेकिन इसके बावजूद भी जिले में आवारा पशुओं के काटने संबंधित मामले दिन प्रतिदिन बढ़ते ही जा रहे हैं। गत नवंबर माह में आवारा पशुओं के काटने संबंधित मामले 1359 आए हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा दर्शाए गए वर्ष 2021 के आकड़ों पर अगर नजर डाली जायें तो बादशाह खान अस्पताल की ओपीड़ी में मार्च से नवंबर माह तक कुल 8816 मरीज आवारा पशुओं के काटने संबंधित इंजेक्शन लगवाने के लिए आए थे।

सड़क पर घूमते कुत्ते।

इन आकड़ों को देख कर ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि जिले में आवारा पशुओं का कहर कितना अधिक बढ़ रहा है। जबकि नगर निगम के पास आवारा पशुओं को पकड़ने का दस्ता भी मौजूद है। यह दस्ता पशुओं को पकड़ने की बजाए क्या कर रहा है। इस बारे में किसी को नहीं पता।

जानकारी के मुताबिक आवारा पशुओं को पकड़ने के लिए नगर निगम द्वारा बकायदा एक दस्ता बनाया हुआ है, लेकिन अब तक इस दस्ते ने शहर से आवारा पशुओं को नही पकड़ा है। जिस कारण से शहर के लोगों का आवारा पशुओं ने जीना दुर्भर कर रखा है। शहर में आये दिन कुत्ते, बिल्लियों और बन्दरों के काटने का शिकार बन रहे हैं। इन मरीजों की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही है। गत नवंबर माह में आवारा पशुओं के काटने के मरीजों की संख्या बीके अस्पताल की ओपीडी में 1359 थी।

इस वर्ष में आने वाले मरीज

माह	बीपीएल कार्ड	भुगतान	कुल
जनवरी	000	000	000
फरवरी	000	000	000
मार्च	24	542	566
अप्रैल	35	1001	1036
मई	21	297	318
जून	42	984	1026
जुलाई	73	1092	1165
अगस्त	56	1033	1189
सितंबर	45	966	1011
अक्टूबर	55	1191	1246
नवंबर	62	1297	1359

जिसमें नए मरीजों की संख्या का आंकड़ा 555 है। बीपीएल कार्ड वाले मरीजों की संख्या 62 व पैसे देकर इंजेक्शन लगवाने वाले मरीजों की संख्या 1297 थी। इस बारें में जानकारी देते हुए मौके पर मौजूद फार्मासिस्टों ने बताया कि आवारा कुत्तों के काटने संबंधित मामले इस माह अधिक बढ़े है। उन्होंने बताया कि जनवरी से नबंवर तक कुल 8816 मरीजों को आवारा पशुओं के काटने संबंधित इंजेक्शन लगे हैं।

जेलर जयकिशन छिल्लर को मिलेगा तिनका-तिनका इंडिया अवॉर्ड

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

इस वर्ष 2021 का तिनका तिनका इंडिया अवार्ड जेल अधीक्षक फरीदाबाद जय किशन छिल्लर को उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों जैसे जेल के बंदियों के सुधार व पुनुरुथान के दिया जाएगा। यह अवार्ड भोपाल मध्य प्रदेश के महानिदेशक जेल एवं सुधारात्मक सेवाएं अरविंद कुमार भारतीय पुलिस सेवा के द्वारा 9 दिसम्बर 2021 को केंद्रीय जेल भोपाल में दिया जाएगा। यह हरियाणा जेल विभाग के लिए बहुत ही गर्व की बात है।

मानवाधिकार दिवस के लिए तिनका तिनका अवार्ड्स इंडिया 2021 के सम्मानों की घोषणा की गई है। बंदियों और कर्मचारियों के लिए स्थापित इन इकलौते पुरस्कारों के उत्सव का यह 7वां वर्ष है। इनकी संस्थापक जेल सुधारक वर्तिका नन्दा हैं। इस वर्ष 3 श्रेणियां थीं- पेंटिंग, विशेष उल्लेख और जेल प्रशासन। 12 बंदियों को पेंटिंग श्रेणी में पुरस्कार मिला है जबकि 2 बंदियों को जेल जीवन में उनके विशेष योगदान के लिए चुना गया है। 2 जेल कर्मचारियों को उनके विशेष योगदान के लिए सम्मानित किया जा रहा है ।

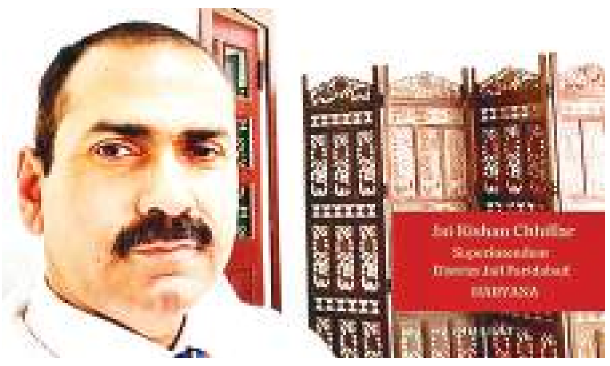

जेलर जय किशन छिल्लर।

जेल में विशेष कार्य के लिए इस साल भारतभर से दो जेलकर्मियों को चुना गया है। इस वर्ष जय किशन छिल्लर (57) अधीक्षक, जिला जेल फरीदाबाद को जेल टेलीफोन, जेल रेडियो और इग्नू के जरिए शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए सम्मानित किया गया है। महाराष्ट्र के नासिक रोड सेंट्रल जेल के 53 वर्षीय अशोक शिवराम करकरे , जेलर ग्रेड-1 को यह सम्मान जेल विभाग के लिए उनकी विशेष सेवाओं के लिए दिया जा रहा है। कोविड-19 के दौरान बंदियों को कोरोना से बचाने के लिए वे लगातार तीन महीने तक जेल में ही रहे। अपने लंबे कार्यकाल में उन्होंने सफलतापूर्वक जेल में अनेक दुर्दांत अपराधियों और आंतकवादियों को परिरोध का प्रबंधन किया। इनमें अबू सलेम, अरुण गवली और छोटा राजन जैसे अपराधी और याकूब मेनन, अजमल कसाब जैसे आतंकवादी शामिल हैं।

2020 में के. सेल्वराज (आइपीएस) डीजी, हरियाणा जेल, अजय कश्यप (आईपीएस) पूर्व डीजी, तिहाड़ जेल, आनंद कुमार डीजीपी और आईजी जेल, उत्तर प्रदेश द्वारा पुरस्कार जारी किए गए थे।कार्यक्रम ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों ही तरह से संचालित होगा। तिनका तिनका फाउंडेशन ने 2015 में जेलों के लिए दो राष्ट्रीय पुरस्कारों- तिनका तिनका इंडिया अवार्ड्स और तिनका तिनका बंदिनी अवार्ड्स की स्थापना की थी। ये एकमात्र पुरस्कार हैं जो पूरी तरह से बंदियों और जेल कर्मचारियों को समर्पित हैं।

इन पुरस्कारों के माध्यम से जेलों में रचनात्मकता और उनके योगदान का सम्मान किया जाता है। इन पुरस्कारों का यह सातवां साल है। डॉ. वर्तिका नन्दा एक जेल सुधारक और मीडिया शिक्षिका हैं। उन्होंने तिनका तिनका के बैनर तले भारत में जेल सुधारों पर एक आंदोलन शुरू किया है। भारत के राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी ने उन्हें 2014 में स्त्री शक्ति पुरस्कार से सम्मानित किया था। जेलों पर उनके काम को 2018 में भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा संज्ञान में लिया गया। जेल सुधारों पर उनके अनूठे काम के लिए उनका नाम दो बार लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में भी शामिल किया गया है।

मकान कब्जाने के आरोप में कातिया भाइयों समेत गिरफ्तार

बल्लभगढ़ की संजय कॉलोनी में मकान कब्जा करने के आरोप में गिरफ्तार तीन युवकों के साथ पुलिस अधिकारी।

फरीदाबाद। पुलिस आयुक्त विकास कुमार आरोड़ा ने आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त तत्वों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई करने के लिए, सभी उपायुक्तो, सहायक पुलिस आयुक्त, क्राइम ब्रांच और थाना प्रबन्धकों को आदेश दिए है। उपायुक्त नरेद्र कादियान अपराध के दिशा-निर्देशों पर थाना सेक्टर-58 के प्रबन्धक के नेतृत्व में अवैध रुप से पड़ोसी के मकान पर कब्जा करने के मामले में 3 आरोपियों को काबू किया है। गिरफ्तार आरोपी आदित्य उर्फ कातिया, दिनेश, नरेश जो तीनों भाई मच्छगर के रहने वाले है।

पुलिस प्रवक्ता सुबे सिंह ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि हरफला गांव के त्रिलोकचंद, जो वर्तमान में संजय कॉलोनी बल्लबगढ़ में रहते हैं। इनके मकान के पास ही आरोपी आदित्य उर्फ कातिया कंसट्रक्शन का काम करता है। कातिया मकान को हड़पने की नियत से शिकायतकर्त्ता को कई बार परेशान कर चुका है। आरोपी का कहना है की मकान के स्थान पर उसका शोरुम रहेगा। आरोपी ने शिकायतकर्ता को मकान बेचकर खाली करने का दवाब बनाता है। शिकायतकर्ता द्वारा मकान बेचने को मना करने पर आरोपी आदित्य ने अपने 3 भाई और 25-30 साथियों के साथ 3 दिसम्बर को रात 11-12 बजे लाठी डंडा और पिस्टल के साथ शिकायतकर्ता के घर का दरवाजा तोड़ कर अंदर घुस गए और आरोपी कातिया ने त्रिलोकचंद से 18 हजार रुपए और आरोपी नरेश ने पिस्टल की नोक पर टेकचन्द से साढ़े तेरह हजार रुपए छीन लिए थे।

कोरोना वायरस जीवाणु नहीं विषाणु है : डॉ. गौड

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कोरोना वायरस नाक और मुंह के द्वारा प्रवेश कर सर्वप्रथम हमारे गले को संक्रमित करता है। उसके बाद श्वास नलीकाओ के द्वारा फेफड़ों में प्रवेश कर स्वसन क्रिया को बंधित करता है।

यह वायरस नाक श्वासन मार्ग और फेफड़ों में उपस्थित कफ उत्पन्न करने वाली कोशिकाओं में प्रवेश कर स्वयं जैसा पोषित कर अपने जैसे विषयों को जन्म देता है जिसमें तंत्र की नालीकाओ में कफ अधिक मात्रा में जमने लगता है। जिससे स्वसन क्रिया में बाधा उत्पन्न होता है यह वायरस जीवाणु नहीं विषाणु है। हरिदेव अंतर्राष्ट्रीय सेवा संघ के द्वारा आयोजित स्वास्थ्य मंथन पर आरोग्य भारती हरियाणा के प्रांत संयोजक डॉक्टर अश्वनी गौड ने कैनाल कॉलोनी के प्रांगण में सैकड़ों लोगों को संबोधित करते हुए आगे बताया कि इस वायरस से हमें सावधान रहना चाहिए डरना नहीं चाहिए यह इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के हरियाणा प्रांत के प्रमुख गंगा शंकर मिश्र ने बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ करोना वायरस की तीसरी लहर से लड़ने के लिए आरोग्य मित्र की श्रंखला बनाई है और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा निर्मित आरोग्य मित्र सभी की सहायता करेंगे। आरोग्य मित्र डॉक्टर नहीं होंगे लेकिन आरोग्य मित्र होंगे। इस अवसर पर आरोग्य भारती हरियाणा के प्रांत अध्यक्ष डॉक्टर पवन गुप्ता ने लोगों को कोरोना वायरस वह अन्य वायरस वे अनेकों बीमारियों से बचने के लिए घरेलू आयुर्वेदिक नुक्से बताएं। उन्होंने रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के भी घरेलू नुक्से बताए।

सार्वजनिक क्षेत्र को बेचना राष्ट्रविरोधी कृत्य है : लांबा

निजीकरण के खिलाफ 12 दिसंबर को जिला मुख्यालय पर किए जाएंगे हल्ला बोल प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सार्वजनिक क्षेत्र की परिस्थितियों को निजी हाथों में सौंपना राष्ट्रहित नही, राष्ट्रविरोधी कृत्य है। जिसका तीखा विरोध किया जाएगा। सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा सार्वजनिक क्षेत्र के निजीकरण पर रोक लगाने, पुरानी पेंशन व छंटनी ग्रस्त कर्मचारियों की बहाली, ठेका प्रथा समाप्त कर कच्चे कर्मियों को पक्का करने व खाली पड़े पदों को पक्की भर्ती से भरनेए लिपिक को पे.मैट्रिक्स लेवल-6 में 35400 वेतन देने आदि मांगों को लेकर राज्य में निर्णायक आंदोलन करेंगा। निर्णायक आंदोलन की शुरुआत 12 दिसंबर को जिला मुख्यालयों पर हल्ला बोल प्रदर्शन करके की जाएगी।

कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित करते कर्मचारी नेता सुभाष लांबा।

यह ऐलान सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष सुभाष लांबा ने मंगलवार को जिला कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित करते हुए किया। बैठक की अध्यक्षता जिला प्रधान अशोक कुमार अशोक कुमार ने किया और संचालन जिला सचिव बलबीर सिंह बालगुहेर ने किया। बैठक में सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा ने भाजपा-जजपा सरकार पर धोषणा पत्र में कर्मचारियों से किए वादों को पूरा न करने आरोप लगाया और 12 दिसंबर को डीसी आफिस पर होने वाले हल्ला बोल प्रदर्शन में बढ़.चढक़र शामिल होने का फैसला लिया गया।

बैठक में 8, 9, 10 दिसंबर को सभी विभागों में गेट मीटिंग करने का फैसला लिया गया। बैठक में प्रदेशाध्यक्ष सुभाष लांबा के अलावा वरिष्ठ उपाध्यक्ष नरेश कुमार शास्त्री, कोषाध्यक्ष युद्धवीर सिंह खत्री, प्रेस सचिव राजबेल देसवाल, उप प्रधान अतर सिंह केशवाल, संगठन सचिव मुकेश बेनीवाल, खंड प्रधान रमेश चंद्र तेवतिया, करतार सिंहए जगदीश चंद्र आदि मौजूद थे।

प्रदेशाध्यक्ष सुभाष लांबा व वरिष्ठ उपाध्यक्ष नरेश कुमार शास्त्री ने कार्यकारिणी को संबोधित करते हुए एनपीएस रद्द कर पुरानी पेंशन बहालीएतब तक केन्द्र सरकार की तर्ज सरकारी अंशदान 10 से बढ़कर 14 प्रतिशत करनेए रिटायरमेंट पर मेडिकल भत्ता और मेडिकल बिलों की प्रतिपूर्ति का भुगतान करने, ठेका प्रथा समाप्त कर कच्चे कर्मियों को पक्का करने, पक्का होने तक समान काम समान व सेवा सुरक्षा प्रदान करने, 18 महीने के बकाया डीए के एरियर का भुगतान करने, जनवरी 2020 से जून 2021 के बीच सेवानिवृत्त हुए कर्मियों की लीव एनकेशमेंट व ग्रेच्यूटी रिवाइज करने, एचआरए के स्लैब में बदलाव कर 9.18.27 करने, लिपिक को पे.मैट्रिक्स लेवल.6 में 35400 वेतन करने, राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन योजना के तहत सरकारी विभागों को निजी हाथों में सौंपने की मुहिम को रोकने आदि मांगों को प्रमुखता से उठाया।

गीता जयंती समारोह में सामाजिक भागीदारी सुनिश्चित करें : उपायुक्त

12 से 14 दिसंबर तक किया जाएगा जिलास्तरीय गीता जयंती महोत्सव आयोजित

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

उपायुक्त जितेंद्र यादव ने लघु सचिवालय के बैठक कक्ष में जिला स्तरीय गीता जयंती महोत्सव 12 से 14 दिसंबर तक धूमधाम से मनाने के लिए अधिकारियों, कर्मचारियों और धार्मिक तथा सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों की जिम्मेदारियां जबाबदेही के साथ तय की गई। तीन दिवसीय गीता जयंती महोत्सव सेक्टर-12 स्थित कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में सभी सरकारी विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ-साथ सभी सामाजिक-धार्मिक संगठनों की भागीदारी भी सुनिश्चित की गई है। उपायुक्त जितेंद्र यादव आज मंगलवार को जिला स्तरीय गीता जयंती समारोह की तैयारियों को लेकर लघु सचिवालय के बैठक कक्ष में उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे।

सेक्टर 12 में अधिकरियों की बैठक को संबोधित करते डीसी जितेंद्र यादव।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा राज्य स्तरीय गीता जयंती महोत्सव कुरुक्षेत्र में आयोजित किया जा रहा है। इसके साथ ही प्रत्येक जिला में भी जिला स्तरीय तीन दिवसीय गीता जयंती महोत्सव आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विश्व में सबसे बड़े धार्मिक ग्रंथ गीता का संदेश हरियाणा की मिट्टी से ही निकला है। ऐसे में जिला का प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में गीता के संदेश को धारण करे और नई पीढ़ी तक हम इन विचारों को पहुंचाने का कार्य करें। उन्होंने कहा कि तीन दिन के इस महोत्सव के दौरान विभाग, सामाजिक व धार्मिक संगठन अपनी-अपनी प्रदर्शनी बेहतरीन प्रदर्शन के लिए लगाएंगे।

उन्होंने कहा कि गीता जयंती महोत्सव का 12 दिसम्बर को सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ तीन दिवसीय गीता जयंती महोत्सव का भव्य शुभारंभ होगा। लोक कलाकारों और स्कूली बच्चों द्वारा गीता जयंती महोत्सव में अपनी-अपनी बेहतर रंगारंग सास्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएगी।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर वीर सपूतों के प्रति की कृतज्ञता ज्ञापित

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

एनआईटी स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचन्दा की अध्यक्षता में जूनियर रेडक्रॉस, गाइड्स और सैंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर वर्चुअल कार्यक्रम में मां भारती के वीर सपूतों व उनके परिजनों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए सभी देशवासियों से अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन करने का संदेश दिया।

सैंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड और जूनियर रेडक्रॉस प्रभारी प्रिंसिपल रविंद्र कुमार मनचन्दा ने कहा कि भारत को स्वतंत्रता मिलने के पश्चात 28 अगस्त 1949 को भारत सरकार द्वारा भारतीय सेना के जवानों के कल्याण के लिए एक समिति का गठन किया गया था। इस समिति ने 7 दिसंबर को प्रतिवर्ष झंडा दिवस मनाने के लिए चुना। वीर जवानों के कल्याण हेतु धन जमा करने के लिए समिति ने लोगों के बीच छोटे झंडे बांटकर चंदा इकट्ठा किया। इस झंडे में तीन रंग लाल, गहरा नीला और हल्का नीला, तीनों सेनाओं को प्रदर्शित करते है। सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर किए गए धन संग्रह के तीन मुख्य उद्देश्य हैं युद्ध के समय हुई जनहानि में सहयोग, सेना में कार्यरत कर्मियों और उनके परिवार के कल्याण तथा सहयोग के लिए और सेवानिवृत्त कर्मियों और उनके परिवार का कल्याण; सशस्त्र बलों के वीरों का बलिदान, समर्पण व उनकी कर्मठता हम सभी के लिए महान प्रेरणा है। प्राचार्य मनचंदा ने कहा कि देश के सम्मान की रक्षा के लिए हमारी सीमाओं पर बहादुरी से लड़ने वाले हमारे देश की तीनों सेनाओं के जवानों को कोटि कोटि नमन, हम अपने सभी वीर सैनिकों के त्याग, अदम्य साहस और जीवटता के कारण सुरक्षित जीवन यापन कर रहे हैं।

पार्टी विरोधी गतिविधियों पर संतोष यादव आप से निष्कासित : भड़ाना

आम आदमी पार्टी के कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में पत्रकारों को जानकारी जिलाध्यक्ष धर्मवीर भड़ाना।

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सोशल मीडिया पर पार्टी विरोधी गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने पर आम आदमी पार्टी के एनआईटी अध्यक्ष संतोष यादव को पार्टी से निष्कासित कर दिया गया।

मंगलवार को फरीदाबाद-गुड़गांव रोड स्थित आम आदमी पार्टी के कार्यालय पर जिलाध्यक्ष धर्मबीर भड़ाना ने पत्रकार वार्ता के दौरान यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आम आदमी पार्टी ऐसे कार्यकर्ताओं को कतई बर्दाश्त नहीं करेगी, जो पार्टी में रहकर पार्टी विरोधी गतिविधियां करेंगे और पार्टी के अंदरूनी मामलों की जानकारी अन्य पार्टियों को देंगे। भड़ाना ने कहा कि संतोष यादव ने पिछले दिनों जो ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल किया था, उसमें उन्होंने न केवल पार्टी अनुशासन की सभी सीमाओं को लांघा बल्कि निम्न स्तर पर उतरकर समाज का भी अपमान किया इसलिए पार्टी हाईकमान ने यह निर्णय लिया है और जल्द ही एनआईटी क्षेत्र से नए अध्यक्ष का ऐलान कर दिया जाएगा। आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष धर्मबीर भड़ाना ने कहा कि आम आदमी पार्टी आम लोगों की पार्टी है।

साबित करके दिखाएं पार्टी विरोधी होने का आरोप

फरीदाबाद। आम आदमी पार्टी के एनआईटी अध्यक्ष एवं पूर्व प्रत्याशी संतोष यादव ने कहा है कि वह 36 बिरादरी का मान-सम्मान करते है और खासकर गुर्जर, जाट, पंजाबी, ब्राह्मण, वैश्य व प्रवासी समाज के लोगों के सुख-दुख में हमेशा बढ़-चढक़र भाग लेते है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष धर्मवीर भड़ाना ने उन्हें पार्टी से निष्कासित करने की बात कही है। वह उनका अपना फैसला है। जबकि मैंने जिला एवं प्रदेश संगठन को स्वयं इस पद से मुक्त करने का पत्र पहले दिया हुआ है। जिस पर राज्यसभा सांसद एवं हरियाणा प्रभारी डा. सुशील गुप्ता ने आश्वासन दिया था कि जल्द से जल्द प्रवासियों से संबंधित कोई बड़े पद देकर आप पार्टी से प्रवासियों को जोडने की जिम्मेदारी दी जाएगी। मैं आप पार्टी का एक समर्पित कार्यकर्ता हूं। मैंने पार्टी को फरीदाबाद में आगे बढ़ाने का काम किया है।

संक्षिप्त समाचार

रावल अकादमी ने सात रन से जीता मैच

फरीदाबाद। पहला ऑल इंडिया स्पोर्ट्स क्यूब जूनियर लीग अंडर -14 मैच में रावल क्रिकेट अकादमी ने स्मार्ट क्रिकेटर अकादमी को सात विकेट से हराया। कोच विनय ने बताया कि स्मार्ट क्रिकेटर अकादमी ने टॉस जीत कर पहले खेलते हुए 38. 5 ओवर में 10 विकेट पर 105 रन बनाए। साची ने 16 रन, हर्ष वांसिल ने 12 रन, प्रत्युष सिंह ने 12 रन, अनुभव ने 11 रन बनाए। रावल क्रिकेट अकादमी के मोहित भाटी ने 5 विकेट, भव्य त्यागी और वंश ने 2-2 विकेट ली। लक्ष्य का पीछा करते हुए रावल क्रिकेट अकादमी ने 23 ओवर में 3 विकेट में 110 रन बनाकर जीत हासिल की। संदीप परिहार ने 42 रन, अक्षित शर्मा ने 24 रन, देव भड़ाना ने 14 रन बनाए। स्मार्ट क्रिकेटर अकादमी के गेंदबाजी करते हुए आदित्य ने दो विकेट, प्रतुश ने एक विकेट ली। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार मोहित भाटी को दिया गया।

डॉ. रमाकांत गुप्ता को डॉ. एमएम खोसला पुरस्कार मिला

फरीदाबाद। आईडीए की फरीदाबाद शाखा ने 05 दिसंबर रविवार को होटल रेडिसन ब्लू सेक्टर 20 फरीदाबाद में 32वां वार्षिक दंत चिकित्सक सम्मेलन का आयोजन किया। फरीदाबाद में कार्यरत डेंटल सर्जन डॉ. रमाकांत गुप्ता को आईडीए फरीदाबाद के द्वारा सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार 'डॉ.एमएम खोसला पुरस्कार' से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार उन्हें, मार्च 2020 से दिसंबर 2021 तक कोविड रोग के समय में आईडीए को भरपूर सहयोग देने तथा अन्य सामाजिक कार्यों के लिए दिया गया है। इस कार्यक्रम के दौरान डॉ अंशु खासू, डॉ राजीव चुग, डॉ हिमांशु, डॉ इंद्रजीत और डॉ कुलभूषण जैसे नामी लोग भी मौजूद थे।

हथौड़ा कांड में तीसरा आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। पुलिस प्रवक्ता सुबे सिंह ने हथौड़ा कांड में जानकारी देते हुए बताया कि फरार चल रहे आरोपी सचिन को क्राइम ब्रांच टीम ने आरोपी को फरीदाबदा के गांव फतेहपुर चंदीला से गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। गिरफ्तार आरोपी मुख्य आरोपी प्रदीप के मामा का लडका है जो फरीदाबाद के फतेहपुर चंदीला का रहने वाला है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी सचिन ने पीडित मनीष को जमीन पर लेटा कर पकड़ रखा था। लोगो में डर बैठाने के लिए सचिन ने ही हवाई फायरिंग की थी और मौके से फरार हो गया था। वारदात के संबंध में थाना एनआईटी में आरोपी ललित, प्रदीप और सचिन के खिलाफ हत्या के प्रयास और अवैध हथियार से फायरिंग करने जैसी संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पूछताछ में आरोपी सचिन ने बताया कि आरोपी रेलवे से उतरने वाली सीमेंट का वितरण का कार्य करता है। पुलिस टीम बताया कि आरोपी प्रदीप, ललित और सचिन को आज माननीय अदालत से पुलिस रिमांड पर लेकर मामले की गहनता से पूछताछ की जाएगी।

शिविर में 53 यूनिट रक्त एकत्रित

फरीदाबाद। गुरु तेग बहादुर सेवक जत्था द्वारा यहां गुरुद्वारा माता करमोबाई जी एनएच 2 पार्क में आयोजित रक्तदान शिविर और फ्री हेल्थ चेकअप कैंप में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। शिविर की विशेषता यह रही कि इसमें रक्तदाताओं ने रक्तदान तो किया ही, साथ ही लोगों के हृदय संबंधी जांच भी की गई। ईसीजी सहित कार्डियो टैस्ट, शुगर संबंधी टैस्ट भी शिविर का आकर्षण रहे। रक्तदान शिविर में डिवाइन ब्लड बैंक की टीम द्वारा 53 युनीट रक्त एकत्रित किया गया। हेल्थ चेकअप कैंप डॉ सुनील भारद्वाज, डॉ गुंजन गर्ग (बीके हॉस्पिटल) सेंटर फ़ोर साईट टीम के सहयोग से आयोजित किया गया। गुरु तेग बहादुर सेवक जत्था के प्रधान हरभजन सिंह, गुरुद्वारा कमेटी के प्रधान सरदार दर्शन सिंह सहित सतपाल सिंह, भूपिंदर सिंह, कुणालजीत, भारत भूषण (शरद), सन्नी भाटिया, कुलदीप भाटिया, हरभजन सिंह, रामनारायण आहूजा, सागर, जनित, जगजीत सिंह, राजू, एकदीप, हार्दिक, दीपक चिटकारा सहित सभी सदस्य शिविर के दौरान सक्रिय देखे गए। ब्लड डोनेशन कैंप मे सर्वश्री गुलशन भाटिया, राजन मुथरेजा, तेजवन्त सिंह, दलजीत सिंह सभरवाल, मनजीत सिंह चावला, चरणजीत सिंह, पंजाबी सेवा दल के प्रधान सरबजीत सिंह, महासचिव एडवोकेट नरेंद्र सिंह कंग, चरणजीत सिंह चन्नी, जतिनदर पाल सिंह, गुरचरण सिंह, सुरेंद्र गेरा, सतपाल सिंह, अशोक अरोड़ा, योगेश ढींगरा, नरेश भुटानी, गौरव ढींगरा, दर्शन भाटिया, विनोद पंडित, संजय भाटिया, मनमोहन भाटिया , जे के भाटिया, गुरचरण सिंह, बी डी भाटिया, काले भाटिया, जनक भाटिया की उपस्थिति विशेष रूप से उल्लेखनीय रही।

भाजयुमो प्रभारी बनने पर कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

फरीदाबाद। भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अभिनव प्रकाश को भाजयुमो हरियाणा का प्रभारी बनाये जाने पर भाजपा युवा मोर्चा की टीम ने भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा भेंट कर स्वागत किया। फरीदाबाद के भाजपा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष पंकज सिंगला के नेतृत्व में दिल्ली स्थित भाजपा के राष्ट्रीय कार्याल पर स्वागत करने पहुंची टीम में जिला महामंत्री सचिन ठाकुर, जिला उपाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र भारद्वाज, जिला सचिव कार्तिक वशिष्ठ, मनीष यादव, जिला मीडिया आईटी सैल समीर टंडन, जिला मीडिया प्रभारी मुकुल चोपड़ा एवं जिला कार्यकारिणी सदस्य लक्ष्य जिंदल मौजूद रहे। सभी कार्यकर्ताओं ने नवनियुक्त भाजपा युवा मोर्चा के हरियाणा प्रभारी को शुभकामनाएं दी। पंकज सिंगला ने कहा कि अभिनव प्रकाश जी भाजपा के कर्मठ कार्यकर्ता हैं और हमेशा पार्टी के हित के लिए कार्य करते हैं। पार्टी द्वारा उनके द्वारा किए गए कार्यों एवं उनकी मेहनत को देखते हुए यह अहम जिम्मेदारी दी गई है। हमें उम्मीद ही नहीं, अपितु पूरा विश्वास है कि उनके मार्गदर्शन में प्रदेश में युवा मोर्चा की टीम और भी जोश एवं ऊर्जा के साथ काम करेगी। उनसे बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। इस अवसर पर भाजयुमो के हरियाणा प्रभारी अभिनव प्रकाश ने पंकज सिंगला के नेतृत्व में पहुंची युवा टीम की तारीफ की और कहा कि जिस प्रकार फरीदाबाद की भाजपा युवा मोर्चा की टीम कार्य कर रही है, उसको लगातार जारी रखे। भाजपा की नीतियों एवं योजनाओं को आमजन तक पहुंचाएं और अधिक से अधिक युवाओं को पार्टी से जोड़ें। उन्होंने कहा कि आज भाजपा एक विश्व की सबसे बड़ी पार्टी के रूप में स्थापित हो चुकी है, जिसका कोई विकल्प नहीं है।

गीता अमूल्य धरोहर, इसकी जयंती को त्योहार की तरह मनाएं : डॉ. अमित

गुरुग्राम में 12 से 14 दिसंबर तक आयोजित हो रहा है गीता जयंती महोत्सव

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गीता एक सांस्कृतिक व अद्भूत धरोहर है, ऐसे में जरूरी है कि इसमें निहित संदेश को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाया जाए। गीता को लेकर जन मानस में चेतना होना जरूरी है और अग्रहायण माह में शुक्ल पक्ष की एकादशी, जिस दिन भगवान श्रीकृष्ण ने हरियाणा की धरती से संपूर्ण मानवता को गीता का दिव्य संदेश दिया था, उस दिन को प्रदेशवासी अपने अन्य तीज-त्योहारों की तरह से मनाएं। यह बात मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव तथा सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के महानिदेशक डॉ. अमित अग्रवाल ने कही है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के तहत प्रदेश के प्रत्येक जिला में 12 से 14 दिसंबर तक मनाए जा रहे गीता जयंती महोत्सव की तैयारियों को लेकर उन्होंने बैठक ली। बैठक में राज्यपाल के सचिव तथा अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव के नोडल अधिकारी विजय दहिया भी ऑनलाइन जुड़े थे। गुरुग्राम में इस बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा, नगराधीश सिद्धार्थ दहिया तथा सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के संयुक्त निदेशक एनसीआर रणबीर सिंह सांगवान ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए डॉ. अमित अग्रवाल ने कहा कि इस बार गीता जयंती महोत्सव का थीम आजादी की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे अमृत महोत्सव को रखा गया है। उन्होंने कहा कि गीता जयंती महोत्सव को आमजन से जोड़ने के लिए प्रयास किए जाने चाहिए ताकि लोग इसे केवल सरकार का कार्यक्रम न समझे बल्कि इसे अपना कार्यक्रम मानते हुए गर्व महसूस करें। उन्होंने कहा कि गीता महोत्सव को लेकर जनमानस में जागरूकता होनी अत्यंत आवश्यक है ताकि लोग स्वयं गीता के महत्व को समझे और इससे अपने आप को जोड़ पाएं। उन्होंने कहा कि आयोजन का मूल उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों तक गीता के महत्व को पहुंचाना है।

गीता जयंती महोत्सव मनाने को लेकर बैठक में उपस्थित अधिकारी।

मुल्क पर राज करने की सोच के साथ जनसंख्या बढ़ा रहे हैं मुसलमान

राज की नहीं अपने बच्चों की तरक्की के बारे में सोचें मुसलमान

बोले, समाज को अच्छा संदेश देते हुए करते रहेंगे काम

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

धर्म परिवर्तन करके जितेंद्र नारायण सिंह त्यागी बने उत्तर प्रदेश शिया वक्फ बोर्ड के पूर्व चेयरमैन वसीम रिजवी मंगलवार को गुरुग्राम पहुंचे। उनके यहां पहुंचने पर भारी संख्या में पुलिस बल भी पत्रकार वार्ता स्थल पर तैनात किया। इस दौरान उन्होंने खुले में नमाज समेत कई मुद्दों पर बेबाकी से अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि धर्म हमेशा व्यक्ति को मानवता की सीख देता है। हमें मानवता के पथ पर सदैव चलना है।

भारत बचाओ संगठन की ओर से पत्रकार वार्ता में जितेंद्र नारायण सिंह त्यागी ने कहा कि जब उन्होंने बाबरी मस्जिद-राम मंदिर के विवाद में पहली बार यह कहा कि यह हिंदूओं की जगह है और हिंदूओं को दी जाए। उसी समय उन्हें न केवल अपने पद से हटा दिया गया, बल्कि उनके खिलाफ फतवे जारी किये जाने लगे थे। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक संघर्ष करने के बाद इस्लाम धर्म पर एक किताब लिखी। जिसके बाद मुस्लिम समुदाय के लोगों को इस विषय में बहस करने के लिए बुलाया भी, लेकिन उन्होंने बजाय बहस करने के उनकी मौत का फरमान जारी कर दिया। जितेंद्र नारायण सिंह त्यागी ने कहा कि उनके द्वारा लिखी गई किताब को लेकर न केवल बार-बार कुरान का अध्ययन किया, बल्कि अन्य किताबों का अध्ययन करने के बाद ही उन्होंने कहा कि कुरान के अंदर कुछ आयतों को हटा दिया जाए। उनसे समाज में गलत संदेश जाता है। उनकी बात मानना तो दूर बिना सुने उन्होंने मुझे जान से मारने की धमकी देते हुए फतवा जारी कर दिया। उन्होंने कहा कि मुस्लिम समुदाय के लोग अनेक शादियां करके अधिक बच्चे पैदा करते हुए अपनी जनसंख्या को यह सोचकर बढ़ावा दे रहे हैं कि एक दिन हम फिर से पूरे मुल्क पर राज करेंगे। जबकि किसी भी धर्म का कोई व्यक्ति हो उसे अपने बच्चों के उज्जवल भविष्य व तरक्की के लिए यह सोचना चाहिए कि उनका बच्चा किस कदर तरक्की कर पाएगा। जितेंद्र नारायण त्यागी ने कहा कि इस्लाम कोई धर्म नहीं है। 1400 साल पहले मोहम्मद द्वारा एक जमात तैयार की गई थी, जिसे इस्लाम धर्म का नाम दिया गया था।

गुरुग्राम पहुंचे जितेंद्र नारायण त्यागी (पूर्व में वसीम रिजवी) का स्वागत करते लोग।

गुरुग्राम में नमाज पर बोले, यह बाबर की नहीं

गुरुग्राम में खुले में नमाज पर सवाल के जवाब में जितेंद्र नारायण सिंह त्यागी ने कहा कि यह हिंदुस्तान की धरती है, बाबर की नहीं। यदि किसी को नमाज पढ़नी है तो अपने घरों, वक्फ बोर्ड की जमीन और मस्जिदों में नमाज अदा करें। गैर मुस्लिम इलाके, सरकारी जमीन व सार्वजनिक पार्कों में नमाज नहीं पढ़ी जा सकती। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि खुले में नमाज अदा करके यह लोग क्या दिखाना चाहते हैं। यदि किसी समुदाय के व्यक्ति ने वक्फबोर्ड की जमीन पर कब्जा करके खाली छोड़ रखा है तो वहां पर उनसे बात कर वहां मस्जिद बनाएं। उन्होंने कहा कि अब वह हिंदूओं को जागृत करके जहां-जहां खुले में नमाज अदा की जा रही है, वहां पर विरोध प्रकट करेंगे। प्रशासन को चाहिए कि वह खुले में नमाज अदा करने पर पाबंदी लगाए, ताकि दोनों समुदायों में विवाद न हो और शांति बनी रहे। जितेंद्र नारायण त्यागी नाम से सनातन धर्म में शामिल हुए वसीम रिजवी का यति महामंडलेश्वर नरसिंहानंद गिरि महाराज, विक्रम यादव, सांस्कृतिक गौरव संस्थान के दिनेश चंद गुप्ता आदि ने अंगवस्त्र और माला डालकर स्वागत किया।

हांगकांग बाजार में 40 व्यापारियों ने ट्रेड लाइसेंस को किया आवेदन

नगर निगम गुरुग्राम द्वारा व्यापारियों की सहूलियत के लिए लगाए जा रहे हैं उनके मार्केट क्षेत्रों में कैंप

गुरुग्राम के हांगकांग बाजार में ट्रेड लाइसेंस बनाने के शिविर में लाइसेंस बनवाते व्यापारी।

गुरुग्राम। व्यापारियों को ट्रेड लाईसेंस की सुविधा प्रदान करने के लिए उनकी सहूलियत के हिसाब से उनके मार्केट क्षेत्रों में ही ट्रेड लाइसेंस शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में मंगलवार को जोन-4 क्षेत्र के टैक्स अधिकारी समीर श्रीवास्तव के निर्देश पर टैक्स निरीक्षक पंकज सलूजा की देख-रेख में हांगकांग बाजार में ट्रेड लाईसेंस कैंप का आयोजन किया गया।

इस कैंप में हांगकांग बाजार सहित आसपास के क्षेत्रों के 40 व्यापारियों ने अपना आवेदन मौके पर ही किया। टैक्स ब्रांच के कर्मचारियों ने यहां आने वाले व्यापारियों को उनके व्यापार की श्रेणी के अनुरूप आवेदन करवाने में पूर्ण सहयोग किया। व्यापारियों ने इस सुविधा के लिए नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त मुकेश कुमार आहुजा एवं उनकी टीम की सराहना की। व्यापारियों ने कहा कि उनके मार्केट क्षेत्र में आकर नगर निगम गुरुग्राम द्वारा ट्रेड लाईसेंस कैंप के माध्यम से आवेदन करने की सुविधा देने से उनका समय बच रहा है तथा अगर कोई दस्तावेज संबंधी परेशानी होती है, तो उसका भी मौके पर ही कर्मचारियों द्वारा समाधान किया जा रहा है। कैंप में टैक्स ब्रांच के कर्मचारी देवदत्त मदान, अमित, विनय त्यागी व उमेश उपस्थित रहे।

नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त मुकेश कुमार आहुजा के अनुसार हरियाणा नगर निगम अधिनियम-1994 में वार्णित धाराओं के तहत नगर निगम गुरुग्राम की सीमा में स्थित सभी प्रकार के व्यापारिक प्रतिष्ठानों को नियमानुसार ट्रेड लाईसेंस लेना अनिवार्य है। नगर निगम गुरुग्राम द्वारा पूर्व में विभिन्न माध्यमों से व्यापारियों से ट्रेड लाईसेंस लेने की अपील की गई है।

सोहना बार एसोसिएशन के निर्विरोध उपप्रधान चुने गए देवराज सिंह

सोहना। सोहना बार एसोसिएशन के होने वाले आम चुनाव में मंगलवार को नाम वापस लेने का दिन था। चनुाव में उपप्रधान पद पर देवराज सिंह को निर्विरोध घोषित किया है। अब मतदाता प्रधान, सचिव और सहसचिव पद के लिए उम्मीदार चुनाव मैदान में रहे गए हैं।

सोहना बार एसोसिएशन का चुनाव 17 दिसम्बर को होगा। जिसमें कुल 8 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला होगा। नेमपाल ने उपप्रधान पद से अपना नामांकन पत्र वापस लेने के बाद देवराज सिंह को निर्विरोध चुना गया। सचिव पद से सुनील कुमार, सहसचिव पद से मंजीत ने भी अपना नामांकन वापस लिया है। बार एसोसिएशन के चुनाव में प्रधान पद के लिए सतीश खटाना और सोमवीर सिंह आमने सामने डटे हुए हैं। जिसके कारण मुकाबला कड़ा होने की संभावना है। चुनाव में कुल 452 मतदाता वकील अपने मतों का उपयोग करेंगे। इसी प्रकार सचिव पद में भी सीधा मुकाबला है। जिसमें अजय पाल और मनोज कुमार में सीधी जंग होगी। जबकि सुनील कुमार ने अपना पर्चा वापस ले लिया। सहसचिव पद पर काबिज होने के लिए अंशुल गुप्ता, मंजू रानी और राकेश कुमार जोर-आजमाइश में लगे हैं।इसपद पर तिकोना मुकाबला होगा। जबकि मंजीत ने अपना नामांकन वापस ले लिया है।

क्या कहते हैं रिटर्निंग अधिकारी

रिटर्निंग अधिकारी एडवोकेट सीपी शर्मा ने पुष्टि करते हुए बताया कि तीन उम्मीदवारों ने अपने नामांकन पत्र वापस ले लिए हैं। जबकि उपप्रधान पद का चुनाव निर्विरोध हो गया है। चुनाव 17 दिसम्बर को होगा और उसी दिन परिणाम घोषित कर दिया जाएगा।

सीबीएसई के आदेश पर भी जिला शिक्षा अधिकारी ने नहीं की जांच

फरीदाबाद। एक निजी स्कूल की अध्यापिकायें पिछले एक महीने से इस स्कूल की मनमानी के विरोध में प्रदर्शन कर रही हैं। स्कूल प्रबंधन उनकी मांग पर कोई भी उचित कार्रवाई नहीं कर रहा है।

ऐसे में सीबीएसई ने हरियाणा अभिभावक एकता मंच द्वारा इस स्कूल की मनमानी की शिकायत पर जिला शिक्षा अधिकारी फरीदाबाद को जांच करने के आदेश दिए हैं। हरियाणा अभिभावक एकता मंच के प्रदेश महासचिव कैलाश शर्मा व निजी स्कूल पेरेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट आईडी शर्मा ने कहा है कि इस स्कूल द्वारा शिक्षा का व्यवसायीकरण करके अभिभावकों के साथ की जा रही मनमानी की शिकायत मंच ने 17 जून 2016 को चेयरमैन सीबीएसई से करके जांच कराने की मांग की थी।

नगर परिषद ने तीन करोड़ के विकास कार्यों का टेंडर छोड़ा

सोहना। नगर परिषद द्वारा परिषद क्षेत्र में करीब तीन करोड़ रुपये की राशि से विकास कार्य कराए जाएंगे। ये कार्य परिषद कोष और डी प्लान से किये जाएंगे। जिनमें चौपाल, नाले, चारदीवारी, सड़कें आदि शामिल हैं। कस्बे के राजीव गांधी पार्क में योगा हाल और लाइब्रेरी का निर्माण किया जाएगा। जिनपर करीब 40 लाख रुपये खर्च होंगे। वहीं परिषद ने निर्माण कार्यों के टेंडर छोड़ दिए हैं। ये कार्य करीब दो माह में हो जाएंगे।

नगर परिषद ने शहर में विकास कार्यों की गति बनाए रखने के उद्देश्य से शहर के अलग-अलग वार्डों में करीब तीन करोड़ रुपये के विकास कार्य कराने के टेंडर छोड़े हैं। ये कार्य डी प्लान और परिषद राशि से कराए जाएंगे। अंबेडकर पार्क निर्माण, कम्युनिटी सेंटर, चौपाल निर्माण, स्कूल टॉयलेट, श्मशान, बाल्मीकि चौपाल, सड़कें और नालियां शामिल हैं। इसके अलावा राजीव गांधी पार्क में लाइब्रेरी और योगा हाल भी निर्मित कराया जाएगा।

परिषद के गांवों में शहर की तर्ज पर विकास

नगर परिषद में शामिल 13 गांवों में बीते पांच वर्षों में सबसे ज्यादा विकास कार्य कराए गए हैं। इन गांवों पर करोड़ों रुपये की राशि खर्च की गई है। जबकि परिषद में 2014 में शामिल किए गए 13 गांवों से आज तक आय कम और विकास पर राशि सबसे अधिक खर्च की गई है। जिनसे परिषद ने आज तक भी प्रॉपर्टी टैक्स की वसूली नहीं की है। इन गांवों में आज भी भवन निर्माण कार्य बिना नक्शा के हो रहा है। परिषद इंजीनियर सुशील ठाकरान ने बताया कि विकास कार्यों की गति रुके नहीं इसके लिए कार्यों के टेंडर दे दिए गए हैं। ये कार्य जल्द ही पूरा किए जाएंगे।

स्कूली बच्चों को बताया जल संरक्षण का महत्व

फरीदाबाद। गांव अरनौली के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अरनौली में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के वासो के जिला सलाहकार दीपक कुमार ने स्कूली विद्यार्थियों को जल संरक्षण को लेकर व्यख्यान दिया।

जिला सलाहकार दीपक कुमार ने बताया कि विश्व की 18 प्रतिशत आबादी हमारे देश में रहती है। वही हमारे पास मात्र 4 फीसद पानी उपलब्ध है और बारिश के पानी का मात्र 8त्न पानी ही हम संचय कर रहे हैं। भारत में 1911 अरब क्यूबिक मीटर पानी उपलब्ध है। जिला सलाहकार दीपक कुमार ने बताया कि विश्व के 20 शहर जहां पानी की किल्लत है। उस सूची में भारत के 5 शहर शामिल है। नंबर दो पर दिल्ली, छठे स्थान पर कोलकाता, 18वें स्थान पर चेन्नई, 19वें स्थान पर बेंगलुरु और 20वें स्थान पर हैदराबाद है।

मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान मेले में पहुंचे पहले दिन 350 लाभार्थी

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान मेले में पहले दिन 350 के लगभग लाभार्थी स्वयं रोजगार चलाने के उद्देश्य से ऋण लेने के लिए पहुंचे। बुधवार को भी 400 के लगभग लाभार्थी पहुंचने की उम्मीद है। प्रशासनिक अधिकारी मेले में भीड़ देख गद्द हुए। मंगलवार को देवीलाल खेल स्टेडियम में दो दिवसीय मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान मेले सोहना विधायक संजय की पत्नी वदना सिंह ने रिबन काटकर शुभारम्भ किया।

मेले में एसडीएम जितेन्द्र गर्ग, नगर परिषद कार्यकारी अधिकारी अतरसिंह, बीडीपीओ प्रमेन्द्र सिंह, गुरुग्राम से आए एडीसी विसराम मीणा और चंडीगढ़ से आए उच्च शिक्षा निदेशक चन्द्रशेखर खरे ने मेले का औचक निरीक्षण किया। मेले में 18 विभागों की अलग-अलग स्टाल लगाई गई। चंडीगढ़ से नगर परिषद और पंचायत विभाग के बीडीपीओ कार्यालय में 572 लाभार्थियों के नाम की सूची भेजी गई थी। जिसमें बीडीपीओ के अधीन आने वाली 35 ग्राम पंचायतों में 406 और 21 वार्डों की नगर परिषद में 166 का नाम सूची में दर्ज था। एसडीएम जितेन्द्र गर्ग ने बताया कि मेले में आने वाले लाभार्थियों को अधिक से अधिक सुविधा मिल सके। पहले दिन 50 फीसदी लोगों को बुलाया गया। 50 फीसदी लाभार्थी बुधवार को आएंगे। सूची में केवल ऐसे परिवार को शामिल किया है। जिनकी वार्षिक आय एक लाख 80 हजार रुपये या इससे कम कमाई करने वाले हैं।

मंगलवार को सोहना के देवीलाल खेल स्टेडियम में लगा मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान मेले का उच्च शिक्षा निदेशक चन्द्रशेखर खरे औचाक निरीक्षण करते हुए।

अधिकारियों ने मेला सहराया

एडीसी विसराम मीणा और उच्च शिक्षा निदेशक चन्द्रशेखर खरे ने मेले में लाभार्थियों की भीड़ देख प्रसन्ता जाहिर की। मेले में लगी सभी 18 स्टालों पर लाभार्थियों की भीड़ लगी हुई थी। नगर परिषद और बीडीपीओ कार्यालय की तरफ से लाभार्थियों का पंजीकरण करने के लिए अलग-अलग स्टाल लगाई गई थी। चंद्रशेखर खरे ने बताया कि सोहना में लगे मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान मेले में लाभार्थी सरकार की योजना का लाभ लेने के लिए आगे आएं। यह मेले को सफल बनाता है। अभी तक किसी भी मेले में लार्थियों में इतना जोश नहीं मिला है।

कन्या महाविद्यालय में एचआईवी के प्रति किया जा रहा जागरूक

राजकीय कन्या महाविद्यालय सेक्टर-14 में किया जा रहा है आयोजन

एक से 14 दिसम्बर 2021 तक चलेगा जागरुकता कार्यक्रम

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

हरियाणा राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी के तत्वावधान में 14 दिवसीय जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है। एक से 14 दिसम्बर 2021 तक यह अभियान चलेगा। मंगलवार को इस विषय पर व्याख्यान हुआ, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में वरिष्ठ मेडिकल अधिकारी एवं क्षय रोग विशेषज्ञ डॉ. केशव शर्मा ने शिरकत की।

अपने संबोधन में डॉ. केशव शर्मा ने कहा कि एचआईवी संक्रमण की वजह से होने वाली महामारी एड्स के बारे में हर उम्र के लोगों के बीच जागरुकता बढ़ाना है। शुरुआती दौर में विश्व एड्स दिवस को सिर्फ बच्चों और युवाओं से ही जोड़कर देखा जाता था। एचआईवी संक्रमण किसी भी उम्र के व्यक्ति को प्रभावित कर सकता है। एचआईवी एक प्रकार के जानलेवा इंफेक्शन से होने वाली गंभीर बीमारी है।

इसे मेडिकल भाषा में ह्यूमन इम्यूनोडेफिशिएंसी वायरस यानि एचआईवी के नाम से जाना जाता है। डॉ. केशव ने छात्राओं को एड्स रोग की रोकथाम के उपायों के बारे में भी जानकारी दी। महाविद्यालय की रेड रिबन प्रभारी डा. रोमा ने कहा कि वर्ष 1996 में एचआईवी/एड्स पर संयुक्त राष्ट्र ने वैश्विक स्तर पर इसके प्रचार और प्रसार का काम संभाला। साल 1997 में विश्व एड्स अभियान के तहत संचार, रोकथाम और शिक्षा पर काफी काम करना शुरू किया। इस 15 दिवसीय व्याख्यान कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि 8 दिसम्बर को पोस्टर मेकिंग, 9 दिसम्बर को स्लोगन राइटिंग, 10 दिसम्बर को जागरूकता रैली, मानव श्रृंखला, 11 दिसम्बर को वृक्ष सौंदर्य प्रतियोगिता, 13 दिसम्बर को नाटक मंचन और 14 दिसम्बर 2021 को रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।

महाविद्यालय के प्राचार्य डा. रमेश कुमार ने बताया कि महाविद्यालय की छात्राओं ने इस विस्तार व्याख्यान में बढ़-चढ़कर भाग लिया। अपनी शंकाओं के समाधान की जानकारी ली। उन्होंने इस सफल आयोजन के लिए कालेज की रेड रिबन प्रभारी डा. रोमा को बधाई दी।

गुरुग्राम के राजकीय कन्या महाविद्यालय में एचआईवी/एड्स पर व्याख्यान में उपस्थित छात्राएं।

संक्षिप्त समाचार

विवाहिता के परिजनों ने हत्यारोपियों की गिरफ्तारी को धरना दिया

मृतक विवाहिता के परिजनों को हत्यारोपियों की गिरफ्तारी का आश्वासन देते हुए पुलिस और धरना पर मौजूद भीड़।

सोहना। संदिग्ध हालत में मृत 32 वर्षीय विवाहिता के परिजन हत्यारोपियों की गिरफ्तार किए जाने की मांग को लेकर शहर के शहीद भगत सिंह फव्वारा चौक पर धरना देकर बैठ गए। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने पीड़ित परिजनों को मंगलवार रात तक आरोपियों को गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया है। बल्लभगढ़ से सोहना पहुंचे 32 वर्षीय महिला ललिता के परिवार वालों ने नामजद हत्यारोपी वरुण, ससुर महाबीर सहित सास और दो ननदों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए सोहना के शहीद भगत सिंह फव्वारा चौक पर धरना देकर बैठ गए। सूचना मिलने पर चौक से मात्र 100 कदम दूर सिटी पुलिस चौकी और सिटी थाना से पुलिस पहुंची। पीड़ित परिजनों ने साढ़े 12 बजे तक धरना दिया। सिटी थाना प्रभारी इंस्पेक्टर देवेन्द्र सिंह और अतिरिक्त एसएचओ रजाक खान ने परिजनों को मंगलवार देर शाम तक नामजद पांच आरोपियों को गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया तब धरना समाप्त किया। पुलिस कर्मियों ने चौक पर लगे जाम को खुलावाया। सोमवार को शहर के वार्ड-17 में रहने वाली 32 वर्षीय विवाहिता की संदिग्ध हालत में फांसी के फंदे पर झूलने से मोत हो गई थी। पुलिस ने विवाहिता के पिता यादराम की शिकायत पर पति सहित ससुर, सास व दो नन्दों के खिलाफहत्या करने के आरोप में मामला दर्ज किया था।

ई-श्रम योजना के तहत 6 अलग-अलग स्थानों पर लगाए शिविर

गुरुग्राम में ई-श्रम योजना के तहत कामगारों का पंजीकरण करते कर्मचारी।

गुरुग्राम। श्रम विभाग द्वारा मंगलवार को असंगठित क्षेत्रों में काम करने वाले कामगारों का ई-श्रम योजना के तहत पंजीकरण करवाने के लिए 6 अलग-अलग स्थानों पर शिविरों का आयोजन किया गया। शिविरों में लगभग 2 हजार से अधिक पात्र व्यक्तियों ने पंजीकरण करवाया। अब तक जिला में 53 हजार श्रमिकों का योजना के तहत पंजीकरण किया जा चुका है। शहर के ब्रिस्टल चौक, सेक्टर 4-5 चौक, सेक्टर-45, भूतेश्वर मंदिर, रेल विहार तथा झाड़सा गांव में शिविर आयोजित किए गए। इस दौरान लोगों को योजना के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए उन्हें ना केवल स्वयं पंजीकरण करवाने के लिए प्रेरित किया गया, बल्कि अन्य पात्र व्यक्तियों तक भी इनकी जानकारी पहुंचाने के लिए जागरूक किया गया। ये कैंप अटल सेवा केंद्रों के वीएलई द्वारा लगाए गए थे। इस दौरान उन्हें बताया गया कि ई-श्रम योजना सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। इस योजना के तहत पंजीकृत व्यक्ति का 2 लाख रुपये तक का बीमा नि:शुल्क होगा और स्थाई अंग-भंग होने पर उसे एक लाख रुपये की सहायता राशि दी जाएगी। अटल सेवा केंद्रों के जिला प्रबंधक विकास ने बताया कि जिला में कार्यरत अटल सेवा केंद्रों पर भी ई-श्रम योजना के तहत पंजीकरण का कार्य किया जा रहा है। इच्छुक व्यक्ति अपने नजदीकी अटल सेवा केंद्र पर जाकर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि योजना के तहत असंगठित क्षेत्रों में काम करने वाले श्रमिकों, खेतीहर मजदूर, दिहाड़ीदार मजदूर, बढ़ई, प्रवासी मजदूर, मनरेगा वर्कर्स, घरेलू कामगार, दूध बेचने वाले, बिजली मिस्त्री, रेहड़ी पटरी वाले, रिक्शा चालक, सब्जी विक्रेता, कारीगर, बुनकर, प्लम्बर, मिड-डे-मील वर्कर आदि शामिल हैं। उन्होंने बताया कि कामगार की आयु 16 वर्ष से 59 वर्ष के बीच होनी चाहिए और वह ईएसआईसी व ईपीएफ्ओ का सदस्य नहीं होना चाहिए और ना ही आयकरदाता होना चाहिए।

पद्मश्री रामबहादुर राय की पुस्तक का विमोचन करेंगे प्रधानमंत्री

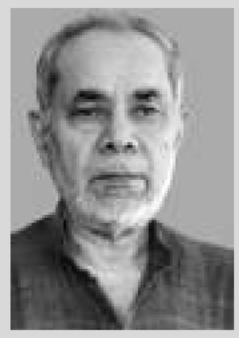
रामबहादुर राय।

गुरुग्राम। वरिष्ठ पत्रकार पद्मश्री रामबहादुर राय द्वारा लिखित पुस्तक भारतीय संविधान-अनकही कहानी का लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे। श्री राय गुरुग्राम के बुढेड़ा स्थित एसजीटी यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति होने के साथ इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र के अध्यक्ष भी हैं। पुस्तक का लोकार्पण नौ दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा अम्बेडकर अंतरराष्ट्रीय केन्द्र, नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में वर्चुअली करेंगे। इस पुस्तक लोकार्पण कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में जम्मू-कश्मीर के उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा, केन्द्रीय संस्कृति एवं विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी और राज्यसभा के उप-सभापति हरिवंश शिरकत करेंगे। समारोह के मुख्य अतिथि रूप में केन्द्रीय विधि एवं न्याय मंत्री किरेन रिजिजू व केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान सहभागिता करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ संपादक अच्युतानंद मिश्र द्वारा किया जाना तय है। ज्ञात हो कि रामबहादुर राय ने रहबरी के सवाल, मंजिल से ज्यादा सफर और शाश्वत विद्रोही: आचार्य जेबी कृपलानी जैसी बहुचर्चित एवं लोकप्रिय किताबों का लेखन किया है। इन किताबों नाम पत्रकारीय, सियासी एवं अकादमिक दुनिया में बहुत ही सम्मान के साथ लिया जाता है। एसजीटी विश्वविद्यालय की ओर डॉ. रजनीश वाधवा ने पुस्तक लेखन के लिए रामबहादुर राय को शुभकामनाएं दी हैं।

कपड़ा व्यापारी के घर में से चार लाख रुपये चोरी, नौकर पर शक

सोहना। शहर के कपड़ा व्यापारी को अपने रिश्तेदार के यहा शादी में जाना महंगा पड़ गया। व्यापारी की गैरमौजूदगी में घर के अंदर से चार लाख रुपये की नकदी चोरी हो गए। व्यापारी अपनी गैरमौजूदगी में नौकर को घर की जिम्मेदारी सौंप कर गया था। व्यापारी ने पुलिस को दी गई शिकायत में नौकर पर नकदी चोरी करने की शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। शहर वार्ड नम्बर 15 निवासी राजेन्द्र प्रशाद पुत्र हुकमचन्द कपड़े का व्यापार करता है। जिसका मकान दुकान के ऊपर स्थित है। दुकान पर काम करने के लिए व्यापारी ने एक नौकर रखा हुआ है। सोमवार को व्यापारी अपने परिवार के साथ रिश्तेदार के यहा शादी में शामिल होने के लिए गया था। अपनी गैरमौजूदगी में नौकर को घर की जिम्मेदारी सौंपकर गया था। शादी समारोह में से लौटने पर व्यापारी को नौकर ही घर से गायब मिला। व्यापारी को घर में रखी अलमारियों का सामान बिखरा हुआ मिला। कपड़ा व्यापारी ने मामले की सूचना 112 नम्बर पर पुलिस को दी थी। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर निरीक्षण किया। जिसके घर से करीब 4 लाख रुपये की चोरी होने का अनुमान है। जो नकदी थी। पीड़ित व्यापारी राजेन्द्र प्रशाद ने बताया कि नौकर को कई बार फोन किया है। परंतु उसका फोन बंद जा रहा है। सिटी चौकी प्रभारी एसआई अशोक कुमार ने बताया कि कपड़ा व्यापारी द्वारा नकदी चोरी होने की शिकायत दी है। लेकिन पुलिस मामले की जांच कर रही है। जांच पूरी होने पर चोर का मामला दर्ज किया जाएगा। जल्द ही गायब हुआ नौकर को पूछताछ के लिए गिरफ्तार किया जाएगा।

बांग्लादेश से नाबालिग लड़कियों की तस्करी के आरोप में रोहिंग्या गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। मेवात

बांग्लादेश से नाबालिग लड़कियों की मानव तस्करी के आरोप में एक रोहिंग्या सह-आरोपी को अपराध जांच शाखा नूंह पुलिस ने गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। इससे पहले भी इसी मामले में एक आरोपी की गिरफ्तारी हो चुकी है। पूरे नेटवर्क को खंगालने में नूंह पुलिस जुटी हुई है।

सुधीर तनेजा डीएसपी ने बताया कि प्रभारी अपराध जांच शाखा नूंह निरीक्षक नरेश कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने बांग्लादेश से नाबालिग लड़कियों की तस्करी कर शारीरिक एवं यौन शोषण कराने के आरोप में एक रोहिंग्या सह-आरोपी शरणार्थी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी की पहचान मोहम्मद युनुस पुत्र कुर्बान अली

पूरे नेटवर्क को खंगालने में जुटी है नूंह पुलिस

निवासी मन्डमा (बर्मा) हालाबाद रोहिंग्या शर्णार्थी कैंप शाहपुर नंगली के रूप में हुई है। पुलिस ने पकड़े गए सह-आरोपी को एक दिन पुलिस रिमांड के बाद मंगलवार को अदालत में पेश किया जहां से उसे न्यायिक हिरास्त में भेज दिया।

बता दें कि 02 दिसंबर को राजबीर सिंह प्रभारी सुरक्षा शाखा नूंह को सोर्स द्वारा गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि सितंबर माह में दो नाबालिग बांग्लादेशी लड़कियों को नामालूम व्यक्ति ने मिजोरम कोलकाता के रास्ते भारतवर्ष में प्रवेश कराया था। इसकी एवज में दोनों से 25-25 हजार रुपये लिए गए थे। नूर कबीर

आरोपी पुलिस टीम के साथ।

पुत्र मोहम्मद हसन रोहिंग्या शरणार्थी हालाबाद शाहपुर नंगली इन दोनों नाबालिग लड़कियों को कोलकाता से दिल्ली तक रेल से लाया था। उसके बाद दिल्ली से रोहतक मोहम्मद अयाज पुत्र फजल अहमद हालाबाद नजदीक बस स्टैंड नूंह लेकर आया था और घासेड़ा गांव में पांच दिन तक किसी अज्ञात स्थान पर रखा था। पुलिस के मुताबिक पांच दिन बाद अयाज का चाचा हाफिज अहमद इन दोनों लड़कियों को मालब गांव ले गया और जहां इन दोनों लड़कियों को 70-70 हजार रुपये में कश्मीर में बेचने का सौदा तय कर कर रहा था। इसी दौरान आरोपियों ने रजिया के भाई गुरहसन हालाबाद हैदराबाद शरणार्थी कैंप से संपर्क किया और कहा कि 15 हजार रुपये में वह उसकी बहन को लौटा देगा। गुरहसन ने हाफिज के किसी जानकार के खाते में 15 हजार रुपये भी डलवा दिए, इसके बावजूद उसकी बहन को उसके हवाले नहीं किया। इसी दौरान इस बात की भनक बाल कल्याण समिति नूंह को 30 सितंबर को लगी और दोनों लड़कियों को उन्होंने अपने कब्जे में लेकर दीपालय अनाथ आश्रम घुस बैठी तावडू में छोड़ दिया। पुलिस को शक है कि बांग्लादेश से इन लड़कियों की मानव तस्करी कर शारीरिक एवं यौन शोषण इनसे कराया जाता है। इतना ही नहीं पुलिस को शक है कि उनके संबंध राष्ट्र विरोधी ताकतों से भी हो सकते हैं। जो नूंह में किसी बड़ी वारदात को अंजाम दे सकते हैं। जिस संबंध में थाना शहर पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करके मुकदमा में आरोपी मोहम्मद अयाज पुत्र फजल अहमद निवासी बर्मा हालाबाद नजदीक बस अड्डा वार्ड नंबर 7 नूंह को 03 दिसंबर को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। आरोपी मोहम्मद अयाज की पूछताछ पर मामले में संलिप्त सह-आरोपी मोहम्मद युनुस पुत्र कुर्बान अली को गुप्त सूचना के आधार पर पांच दिसंबर को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की।

सोमवार को अदालत में पेश करके और अधिक गहनता से पूछताछ के लिए एक दिन पुलिस रिमांड पर लिया है। मामले में संलिप्त अन्य आरोपियों को भी शीघ्र अति शीघ्र गिरफ्तार किया जाएगा।

डीसी कैप्टन शक्ति सिंह ने किया खंड इंडरी में आयोजित अंत्योदय मेले का अवलोकन

उपायुक्त कैप्टन शक्ति सिंह इंडरी खंड में लगाए गए मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना मेले का अवलोकन करते हुए।

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

उपायुक्त कैप्टन शक्ति सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा आरंभ की गई अंत्योदय परिवार उत्थान योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की आय में सुधार करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। इस योजना से प्रदेश के वंचित वर्ग के परिवारों के जीवन में निश्चित तौर पर सकारात्मक बदलाव आएगा।

डीसी कैप्टन शक्ति सिंह मंगलवार को द्वितीय चरण में जिला के खंड इंडरी में अंत्योदय परिवार उत्थान योजना के तहत आयोजित अंत्योदय मेले का अवलोकन कर रहे थे। मेले में आटा गांव से आई हुई पूजा ने डीसी कैप्टन शक्ति सिंह से मिलकर कहा की उन्हें बकरी का लोन चाहिए लेकिन बैंक कर्मी आना-काना कर रहें है। डीसी ने मौके पर ही एलडीएम को बुलाया और एक सप्ताह में लोन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अंत्योदय मेले आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के जीवन स्तर में बदलाव लाने में अहम भूमिका निभाएंगे। इस योजना के तहत उन परिवारों को शामिल किया गया है, जिनकी वार्षिक आय एक लाख रुपए से कम है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों की जिम्मेवारी बनती है कि वे अपने आस-पास के चिन्हित परिवारों को मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना का लाभ

उपायुक्त ने आटा गांव की पूजा का लोन करने के लिए एलडीएम को दिए निर्देश

दिलाना सुनिश्चित करें ताकि उनकी आय को एक लाख रुपए से बढ़ाकर एक लाख 80 हजार किया जा सके। उन्होंने आर्थिक रूप से कमजोर लोगों से इन मेलों का लाभ उठाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार अंत्योदय की भावना से समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को लाभांवित करने के लिए कार्य कर रही है।

एसडीएम नूंह सलोनी शर्मा ने बताया कि इंडरी खंड में मंगलवार व बुधवार को अंत्योदय मेले का आयोजन किया गया है। इसमें 679 लाभार्थीयों को बुलाया गया है। उन्होंने बताया कि इस मेले में इंडरी खंड के चार बैंक नामतः ग्रामीण बैंक, केनरा बैंक, एसबीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक तथा 17 विभागों ने मेले में स्टाल लगाई हुई है। गौरतलब है कि नूंह खण्ड के बाद इड़री खण्ड में यह दूसरा मेला है। इस अवसर पर नायब तहसीलदार अख्तर हुसैन, जिला रोजगार अधिकारी रणजीत रावत, बीडीपीओ इड़री विरेन्द्र सिंह, एलडीएम सहित योजना से जुड़े अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

गीता महोत्सव कार्यक्रम जनसहभागिता के सिद्धांत पर आयोजित किए जाएंगे

गीता जयंती महोत्सव में आयोजित होंगे गीता पर आधारित भव्य कार्यकम

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

बैठक में भाग लेते हुए उपायुक्त कैप्टन शक्ति सिंह और एडीसी डा. सुभिता ढाका।

मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव तथा सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के महानिदेशक डॉ अमित अग्रवाल ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव प्रदेश में जन सहभागिता के सिद्धांत पर आयोजित किया जाएगा, कोई भी पर्व तभी सफल हो सकता है जब जनता मन से जुड़े। इसलिए जनसहभागिता का होना बहुत जरूरी है।

जिला उपायुक्तों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस से हुई बैठक में उन्होंने जिला स्तर पर आयोजित होने वाले गीता जयंती कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की । उन्होंने कहा कि इन कार्यक्रमों में धार्मिक व सामाजिक संस्थाओं का भी सहयोग लिया जाए। इसके अलावा, गीता जयंती के दौरान सभी कार्यक्रमों का आयोजन जन सहभागिता के सिद्धांत और पवित्र गीता की मर्यादा के अनुरूप किया जाए। इस मौके पर अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव कार्यक्रमों के नोडल अधिकारी श्री विजय दहिया और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के नोडल अधिकारी श्री संजय भसीन वर्चुअल माध्यम से जुड़े।

श्री अग्रवाल ने कहा कि 12 से 14 दिसंबर तक प्रदेश के सभी जिलों में जिला स्तरीय गीता जयंती महोत्सव बड़े हर्षोल्लास व धूमधाम के साथ मनाया जाएगा, जिसमें 6 कार्यक्रम, गीता सेमिनार, हवन एवं गीता पाठ, स्कूली छात्रों द्वारा पेन्टिंग व अन्य शैक्षणिक प्रतियोगिताएं, प्रदर्शनी, नगर शोभा यात्रा, श्रीमद्भगवदगीता, महाभारत एवं भगवान श्री कृष्ण के बहुआयामी व्यक्तित्व पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि सभी जिलों में 50 स्कूलों के 50-50 छात्रों द्वारा गीता के श्लोकों का उच्चारण किया जाएगा। करीब एक लाख से ज्यादा छात्र 14 दिसंबर प्रातः 11 बजकर 45 मिनट पर ऑनलाइन माध्यम से जुडक़र गीता पाठ करेंगे। गीता महोत्सव के दौरान प्रदेश के सभी जिलों में 12 से 14 दिसम्बर को हवन, गीता पाठ एवं महाआरती का आयोजन होगा।

प्रत्येक जिले में नगर शोभा यात्रा 14 दिसंबर को व तीनों दिन 75 तीर्थों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा। वीसी में डीसी कैप्टन शक्ति सिंह ने जिला में गीता जयंती महोत्सव की तैयारियों को लेकर विस्तार से जानकारी दी। वीसी में एडीसी डा. सुभिता ढाका, नगराधीश जयप्रकाश सहित अन्य अधिकारी मौजदू रहें।

रोल प्ले एवं फॉक डांस की जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

जिले के सभी पांच खंडों के रोल प्ले एवं फॉक डांस के खण्ड स्तरीय पोजीशन प्राप्त विद्यार्थियों का जिला स्तरीय आयोजन आज गेटी फिरोजपुर नमक में किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में राज्य शैक्षिक अनुसंधान प्रशिक्षण परिषद गुरुग्राम से जनसंख्या शिक्षा के समन्वयक नरेंद्र सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अब्दुल मजीद प्रधानाचार्य गेटी ने की प्रतियोगिता में फॉक डांस में राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पिनगवां की टीम प्रथम, फिरोजपुर झिरका (बाल) की टीम द्वितीय तथा उजीना कन्या स्कूल की टीम तृतीय स्थान पर रही। रोल प्ले के परिणामों में प्रथम पोजीशन राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कंवरसिका, द्वितीय राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रेवासन तथा तृतीय पोजीशन राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय फिरोजपुर झिरका की छात्राओं ने प्राप्त की इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक संजय कुमार , हाकम खान, गिरधारी लाल, अशरफ मेवाती सहित विभिन्न विद्यालयों के प्राध्यापक, अध्यापक और सैकड़ों विद्यार्थी उपस्थित थे। विजेताओं को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। दोनों प्रतियोगिताओं के प्रथम विजेता स्कूल राज्य स्तर पर कुरुक्षेत्र में आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में जिला नूंह का प्रतिनिधित्व करेंगे।

जजपा झज्जर में करेगी एक और रिकॉर्ड स्थापित : नासिर हुसैन

नूंह। अड़बर हाउस नूंह में मंगलवार को जननायक जनता पार्टी के नूंह विधानसभा क्षेत्र के कायकर्ताओं की ड्यूटी लगाई है। कायकर्ताओं ने भरोसा दिलाया कि जन सरोकार दिवस समारोह में नूंह विधानसभा क्षेत्र से भारी संख्या लोग शामिल होंगे।

जजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष नासिर हुसैन बदरूद्दीन अड़बर ने कहा कि नौ दिसंबर को जजपा का तीसरा स्थापना दिवस झज्जर में जन सरोकार दिवस के रूप मनाया जाएगा। जिसमे प्रदेश भर से लोग रैली में जाने के उत्सुक हैं। जिसके लिए वह हल्के के गांव-गांव में जाकर लोगों को स्थापना दिवस का निमंत्रण दे रहे हैं और हल्का नूंह से काफी संख्या में लोग रैली में अपनी उपस्थिति दर्ज करेंगे। उन्होंने कहा कि तीन वर्ष पूर्व डॉ. अजय सिंह चौटाला ने जननायक चौधरी देवीलाल के सपनों को पूरा करने के लिए नौ दिसंबर 2018 को जननायक जनता पार्टी का गठन किया था अब यह जजपा रूपी पौधा फल फूल कर तीन वर्ष का हो चुका है जो पूरे प्रदेश को फल और छाया दे रहा और जिसे पूरा प्रदेश सींच रहा है। इस मौके पर अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष हाजी सिराजउद्दीन सिराज हाजी सिराजउद्दीन आदि मौजूद रहे।

पीएम, सीएम, गवर्नर वेक्सीनेशन को लेकर चिंतित

पायनियर समाचार सेवा। मेवात

हरियाणा के सबसे पिछड़े जिला नूंह में वैक्सीनेशन की रफ्तार को लेकर देश के प्रधानमंत्री, प्रदेश के मुख्यमंत्री और महामहिम राज्यपाल पूरी तरह से चिंतित हैं। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उपायुक्त शक्ति सिंह से तकरीबन 15 मिनट तक वैक्सीनेशन की रफ्तार बढ़ाने के लिए सबसे पहले बातचीत की।

उसके बाद प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने महू चोपड़ा गांव में गत 27 नवंबर को हरियाणा प्रगति रैली के दौरान लोगों से वैक्सीनेशन कराने की अपील की तो हाल ही में सोमवार को मेवात दौरे पर आए महामहिम राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने टीका लगवाने की अपील की साथ ही अधिकारियों को वैक्सीनेशन में रफ्तार लाने के लिए दिशा निर्देश दिए। कुल मिलाकर देश के बड़े नेता हरियाणा के नूंह जिले में वैक्सीनेशन को लेकर पूरी तरह से गंभीर दिखाई दिए तो वैक्सीनेशन की रफ्तार में 2 गुणा तक बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। डॉ बसंत दुबे जिला नोडल अधिकारी ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि अब तक 610837 लोगों को पहली खुराक तथा 125276 लोगों को दूसरी खुराक लग चुकी है। कुल मिलाकर जिले में 736113 लोगों को कोरोना का टीका लग चुका है। डॉ दुबे ने कहा कि जब पीएम,सीएम, गवर्नर, डी सी, ए डी सी, एस डी एम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, स्वास्थ्य विभाग, नंबरदार, उलेमा सब मिलकर प्रयास करें तो अच्छे नतीजे आना लाजमी है। उन्होंने कहा कि सबसे ज्यादा मेहनत धर्म गुरुओं की है। जिन्होंने न केवल जुम्मे की नमाज में लोगों से अपील की बल्कि मस्जिदों में एलान किया कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में कोरोना का टीका लगवाया जाए। मस्जिदों के इमामों ने भी इस अभियान में कड़ी मेहनत की है। इसके अलावा चौकीदार, नंबरदार, अध्यापक, स्कूली बच्चों ने अपना योगदान दिया है। प्रशासन के आला अधिकारियों के लगातार दौरों से उत्साहवर्धन टीमों का होता रहा है। अब वह दिन दूर नहीं जब जल्दी ही मेवात जिले के हर व्यक्ति को कोरोना का पहला टीका लग जाएगा।

पॉलिश कराने के लिए दिए सोने के आभूषण लेकर कारीगर फरार

पीड़ित की शिकायत पर पुलिस कार्रवाई में जुटी

तावडू। शहर में ज्वेलर्स द्वारा कारीगर को पॉलिश के लिए दिए गए सोने के 150 ग्राम आभूषणों को लेकर फरार होने का मामला सामने आया है।

पीड़ित की शिकायत पर शहर थाना पुलिस मामले की कार्रवाई में जुटी है। तावडू निवासी कपिल सोनी ने बताया कि शहर के मेन बाजार में उसकी सूर्या ज्वेलर्स के नाम से दुकान है। 6 दिसंबर रात 9:30 बजे के करीब उसने अपने पड़ोसी दुकानदार इरफान उर्फ राजू को सोने के 150 ग्राम आभूषण पॉलिश कराने के लिए दिए थे। अगले दिन सुबह जब वह आभूषण लेने गया तो उन्हें पड़ोसियों के माध्यम से पता चला कि कारीगर इरफान सुबह 4 बजे के लगभग वहां से गायब हो गया। कपिल ने बताया कि इरफान के अन्य साथियों ने उसका पता जगदीशपुर चंदीताला थाना कोलकाता बताया है। पीड़ित ने पुलिस को शिकायत देकर कार्यवाही की मांग की है। शहर थाना पुलिस मामले की कार्रवाई में जुट गई है।

पायनियर क्लासीफाइड

◆ नाम परिवर्तन ◆

I, SHRUTI GANDHI W/O Vaibhav Kumar Gera R/o H.No. 381, Sector-55, Faridabad have changed my mother' name from Kaushal Gandhi to KAUSHLYA & my father's name from Bharat Bhushan Gandhi to BHARAT BHUSHAN.

◆ सूचना ◆

मैं अरुणा पत्नी संजय कुमार निवासी फ्लैट नम्बर 129 हैवो अपार्टमेंट्स सेक्टर 15 गुरुग्राम बयान करती हूँ कि वर्ष 2018-19 अराजी खेवट 1079 / 1147 मुस्ततील नं0 74 कीला नं0 17 रकबा 5 कनाल 13 मरला का 11/113 भाग रकबा 11 मरला व खेवट / खाता नं0 1750 /1880 मुस्ततील नं0 74. किला नं0 24 रकबा 3 कनाल 12 मरला का 7/72 भाग रकबा 7 मरला व खेवट / खाता नं0 1078/1146 मुस्ततील नं0 74 कीला नं0 18 /3 रकबा 14 मरला का 1/7 भाग रकबा 2 मरला कुल जोड रकबा 1 कनाल (605 वर्गगज) मेन रेवाडी सोहना रोड तावडू जिला नूह की मालिक व काबिज हूँ। जिसकी प्रापटी आई0डी 051513297 / 3 / 04 है। जिसे मैं तावडू नगर पालिका में अपने नाम दर्ज कराना चाहती हूं यदि इसमें किसी को कोई ऐतराज है तो वह 15 दिन के अंतर्गत तावडू नगर पालिका में अपना अपनी आपत्ति दर्ज करा सकता है, जिसकी में जिम्मदार रहूंगी।

हम विनय कुमारी पत्नी रमेश शर्मा निवासी मकान नं0 95 चन्दर नगर गुरुग्राम व अन्जना पत्नी सुरेन्द्र कुमार निवासी मकान नं0 19 ए लाजपत नगर गुरुग्राम बयान करते हैं कि है कि इन्तकाल नं0 18007 अराजी खेवट नं0 1056 मुस्ततील नम्बर 105 कीला नं0 22/1 रकबा 2- कनाल 9 मरला का 246/1568 मरला भाग रकबा 8 मरला (240 वर्गगज) व खेवट नं0 1057 मुस्ततील नं0 118 कीला न0 2/1/1 रकबा 3 कनाल 7 मरला का 6/67 भाग रकबा 6 मरला (180 वर्गगज) गांधी नगर कॉलोनी तावडू जिला नूह समान भाग में मालिक व काबिज है। जिसका कुल जोड 14 मरला (420 वर्गगज) है। जिसकी प्रापटी आई0डी 051518367/7/02 है। जिसे हमारे नाम पर नगर पालिका कार्यालय में दर्ज किया जाए यदि इस जानकारी पर किसी को एतराज है तो वह 15 दिन के अंतर्गत तावडू नगर पालिका कार्यालय में आपत्ति दर्ज करा सकता है।

मेवात की खबरों एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें

बेदखली सूचना, नाम परिवर्तन, गुमशुदगी, रस्म पगड़ी इत्यादि के विज्ञापन सस्ते दरों पर प्रकाशित करवाने के लिए पायनियर परिवार से जुड़िए

कासिम खान
ब्यूरो प्रमुख (साउथ हरियाणा)

9050976800
9416103259

ओल्ड थाना पिनगवां के सामने मत्री मार्केट पिनगवां, मेवात।

सोशल मीडिया पर उड़ाया मेवात के तीनों विधायकों का मजाक, वीडिया वायरल

दीपक कुमार। नूंह

सोमवार को नूंह (मेवात) जिले में आए हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय के कार्यक्रम के दौरान शामिल हुए मेवात के तीनों कांग्रेसी विधायक आफताब अहमद नूंह, फिरोजपुर झिरका विधायक मामन खान और पुन्हाना विधायक मोहम्मद इलियास का सोशल मीडिया पर जमकर मजाक उड़ाया गया।

कार्यक्रम के दौरान दीप प्रज्वलित करते हुए तीनों विधायकों की वीडियो को ओम जय जगदीश हरे, स्वामी जय जगदीश हरे की आरती एडिट कर सोशल मीडिया पर वायरल किया। इस वीडियो के वायरल होते हुए मेवात के तीनों कांग्रेसी विधायकों का मजाक बनाने के साथ लोगों के कमेंट्स करने की भरमार लग गई। सोशल मीडिया पर नूंह विधायक आफताब अहमद का सबसे पहले दीप प्रज्वलित करने उसके बाद पुन्हाना विधायक मोहम्मद इलियास और फिर फिरोजपुर झिरका विधायक मामन खान द्वारा एक-एक कर बारी-बारी से दीप प्रज्वलित

सोशल मीडिया पर कांग्रेसी विधायकों का दीप प्रज्वलित का वायरल होता यह फोटो और वीडियो।

करने का वीडियो भगवान की आरती के साथ जोड़ दिया। कांग्रेसी विधायकों का दीप प्रज्वलित करना और भाजपा नेता पूर्व विधायक चौधरी जाकिर हुसैन का तालियां बजा देना वाला यह वीडियो आग की तरह सभी जगह फैल गया। पक्ष-विपक्ष के कार्यकर्ताओं ने सोशल मीडिया पर वायरल हुई वीडियो पर एक-दूसरे के लिए तर्क-वितर्क किया। किसी ने फेसबुक पर कमेंट पर लिखा भाजपा नेता चौधरी जाकिर हुसैन ने तीनों कांग्रेसी विधायकों को कार्यक्रम में क्या-क्या करने पर मजबूर कर दिया। तीनों विधायक गुड़गांव में नमाज के मामले में राज्यपाल को ज्ञापन देने गए थे, लेकिन भाजपा के नेताओं ने तीनों कांग्रेसी विधायकों से क्या करवा दिया। किसी ने इसे भाजपा नेता जाकिर हुसैन की कार्यकर्ताओं की शरारत बताई तो किसी ने कांग्रेसी विधायकों के कार्यकर्ताओं द्वारा भाजपा नेता जाकिर हुसैन के हवन यज्ञ करने का फोटो और उस फोटो को एडिट कर माथे पर तिलक लगाने का वायरल फोटो करने का अदला का बदला बताया।

वहीं नूंह विधायक आफताब अहमद ने इस मामले पर कहा कि जिन्होंने यह काम किया उनकी मानसिकता को दर्शाता है कि उनकी किस प्रकार की सोच है। ऐसा करना गलत गलत है। दीप प्रज्वलित करना कोई गलत कार्य नहीं है। वहीं फिरोजपुर झिरका विधायक मामन खान से प्रतिक्रिया लेनी चाही तो उन्होंने फोन नहीं उठाया।

ई-श्रम पोर्टल पर कराएं अपना पंजीकरण : कैप्टन शक्ति सिंह

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय भारत सरकार द्वारा असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिकों का डेटाबेस तैयार करने के लिए ई-श्रम पोर्टल लांच किया गया है। असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिकों को अब ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकरण कराने उपरांत ही सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ मिलेगा।

उपायुक्त कैप्टन शक्ति सिंह ने आज इंडरी खण्ड के बीडीपीओ कार्यालय के सभागार में ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकरण हुए श्रमिकों की श्रम विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में एसडीएम सलोनी शर्मा, सुरेन्द्र पाल, रणवीर सिंह, जीएम रोडवेज एकता चौपड़ा, सीईओ जिला परिषद गजेन्द्र सिंह, नगराधीश जयप्रकाश, मुख्यमंत्री के सुशासन सहयोगी राजूराम, श्रम विभाग के डा. डीएस देशवाल, डा. रिगल चौधरी, राजकुमार मौजूद रहें। डीसी ने निर्देश दिए कि जिला में असंगठित श्रमिकों

उपायुक्त कैप्टन शक्ति सिंह ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकरण हुए श्रमिकों की श्रम विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करते हुए।

का पंजीकरण करने लिए उन्हें जागरूक करने के लिए होर्डिग्स लगाए जाए ताकि ज्यादा से ज्यादा श्रमिकों को ई-श्रम पोर्टल से जोड़ा जा सके। उन्होंने बताया कि भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार विभाग के नेशनल डेटाबेस ऑफ अन-ऑर्गेनाइज्ड वर्कर्स कार्यक्रम के तहत कॉमन सर्विस सैंटर (सीएससी) के माध्यम से यह कार्य किया जा रहा है।

डीसी ने बताया नूंह जिला में अब तक लगभग 20599 श्रामिकों ने ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकरण करा चुके है। उन्होंने कहा कि श्रम विभाग श्रमिकों को गांव-गांव जाकर जागरूक करें ताकि असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले सभी श्रमिकों का ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकरण करने उन्हें सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया जा सके। उन्होंने गांवों व शहरों में श्रमिकों व मजदूरों को ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकरण कराने के लिए जागरूक करें और योजनाओं के लाभ बताए।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रवीण मोहंती द्वारा सोका क्रिएशन प्राइवेट लिमिटेड, प्लाट नंबर 262 आईकेएल, सेक्टर-24, फरीदाबाद (हरियाणा) से प्रकाशित और बीएफएल इंफोटेक लिमिटेड, सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, जिला- गौतमबुद्ध नगर - 201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। कार्यकारी संपादक : नवीन उपाध्याय, स्थानीय संपादक : प्रवीण मोहंती। दूरभाष नंबर : (0129) 4195000। पी.आई.बी. एक्ट के अनुसार सभी विवादित समाचारों की जिम्मेदारी लेखक की होगी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापन के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।

दोहरी चुनौती
डेल्टा के साथ ओमीक्रान

भारत में विचित्र स्थिति पैदा हो रही है। कोरोनावायरस के नए रूप ओमीक्रान ने पांच राज्यों में सिर उठाया है। इसके साथ ही कोविड-19 के संभवत: डेल्टा स्वरूप कें नए मामले आठ राज्यों से सामने आ रहे हैं। जहां वैज्ञानिक दो स्वरूपों के बीच अंतर का अध्ययन कर रहे हैं, वर्तमान समय में रोगियों पर उनका समान प्रभाव दिखता है। अब तक वे बिना लक्षणों वाले हैं या उनके मामूली लक्षण दिखे हैं तथा उनमें गंभीर चिकित्सकीय हस्तक्षेप की जरूरत नहीं आई है। देश में वैश्विक महामारी के नवीनतम उभार के चार आयामों पर गौर करना चाहिए। कर्नाटक में बिना किसी यात्रा इतिहास के एक व्यक्ति को ओमीक्रान संक्रमण हुआ। ओमीक्रान से लोग प्रभावित हो रहे हैं, भले ही उनके टीकाकरण की स्थिति चाहे जो हो। यह चिन्ताजनक बात है कि इससे किशोर भी प्रभावित हो रहे हैं, जैसा कि गुजरात में पाया गया है। भारत में दोनों स्वरूपों के क्लस्टर संक्रमण पाए गए हैं। ओमीक्रान क्लस्टर महाराष्ट्र और कर्नाटक में पाए गए हैं। गैर-ओमीक्रान कोविड-19 क्लस्टर तेलंगाना और महाराष्ट्र में पाए गए हैं। तेलंगाना में एक मेडिकल कालेज के 40 से अधिक छात्र कालेज में एक आयोजन के बाद संक्रमित पाए गए जिसमें वे मास्क नहीं लगाए थे। कर्नाटक के एक स्कूल और एक कालेज में अलग-अलग क्लस्टर पाए गए। इनमें फ्रेशर्स पार्टी के बाद 300 से अधिक छात्र व कर्मचारी शामिल थे। तेलंगाना सार्वजनिक स्वास्थ्य निदेशक डा. जी. श्रीनिवास ने चेतावनी दी है कि जनवरी के मध्य तक कोविड के मामले बढ़ सकते हैं तथा उनकी संख्या फरवरी में शिखर पर पहुंच सकती है।

सरकार का चिकित्सकीय ढांचा पहले ही नई लहर का सामना करने के लिए तैयार हो, पर इसके साथ ही यह तथ्य भी है कि अब तक टीकाकृत या उससे वंचित रोगियों में ओमीक्रान संक्रमण गंभीर नहीं दिखा है। ऐसे में सरकार को दो मुद्दों का सामना है। पहला यह है कि वायरस के मनुष्यों में प्रसार को कैसे घटाया जाए। इसका एकमात्र विकल्प देश में व्यापक पैमाने पर स्क्रीनिंग करना है जिनमें खासकर हवाईअड्डे, रेलवे स्टेशन तथा अन्य सार्वजनिक परिवहन केन्द्र हैं। पाजिटिव पाए गए लोगों को अनिवार्य क्वारंटीन में भेजना समय की आवश्यकता है। केन्द्र को राज्यों के साथ समन्वय बना कर टेस्टिंग व टेऊेसिंग तेज करनी चाहिए। हवाईअड्डों व रेलवे स्टेशनों को बंद करना उस समय तक उचित नहीं होगा जब तक संक्रमण इतना गंभीर न हो जाए कि उससे जटिलतायें व मौतें सामने आने लगें। सरकार को बच्चों के टीकाकरण का निर्णय भी जल्दी लेना होगा। भारत में 12-17 आयुवर्ग के लगभग 14 करोड़ बच्चे हैं। अधिकांश पहले ही डेल्टा स्वरूप का सामना कर चुके हैं। ओमीक्रान अब गुजरात में इस वर्ग के बच्चों को संक्रमित करने लगा है। भारत की खास स्थिति है। एक ओर डेल्टा के स्थानीय प्रकोप उन क्षेत्रों में दिख रहे हैं जहां लोग अब तक संक्रमित नहीं हुए थे, वहीं दूसरी ओर ओमीक्रान के रूप में परिवर्तित वायरस भी आ गया है। हमें इस दुहरे हमले के प्रभावों का तत्काल आंकलन करना चाहिए। कोविड-19 टास्क फोर्स को दो मुद्दों से निपटना होगा। पहला, अब तक हमने बच्चों के टीकाकरण की प्रतीक्षा की है, ऐसे में क्या हमें बच्चों की नई वैक्सीन के लिए और प्रतीक्षा करनी चाहिए जो नए और भावी स्वरूपों से उनकी रक्षा कर सके? दूसरा, दक्षिण अफ्रीका के मामलों से स्पष्ट है कि ओमीक्रान पहले संक्रमित हो चुके लोगों को भी संक्रमित कर रहा है। ऐसे में सवाल है कि क्या ओमीक्रान में वैक्सीन से पैदा प्रतिरक्षा को धोखा देने की क्षमता है?

एमएसपी व्यवस्था छोड़े भारत

सरकार को किसानों को प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण पर विचार करना चाहिए। इससे वर्तमान एमएसपी व्यवस्था में व्याप्त कमियां और दुरुपयोग समाप्त करने में मदद मिलेगी।

उत्तम गुप्ता
(लेखक नीति विश्लेषक हैं)

कोरोनावायरस के नए स्वरूप ओमीक्रान के सिर उठाने को देखते हुए विश्व व्यापार संगठन-डब्लूटीओ की बारहवीं मंत्रिस्तरीय कान्फ्रेंस-एमसी की 30 नवंबर को होने वाली बैठक अनिश्चित काल के लिए टाल दी गई है। सरकार को इस मौके का लाभ उठा कर समान सोच वाले विकासशील देशों से विचार-विमर्श कर समन्वय के साथ साझा रणनीति तैयार करनी चाहिए। इसमें इन क्षेत्रों पर ध्यान देने की आवश्यकता है-1. खाद्य सुरक्षा के लिए सार्वजनिक स्टाकहोल्डिंग-पीएसएच का स्थाई समाधान, 2. विकासशील देशों के लिए विशेष सुरक्षा व्यवस्था-एसएसएम, 3. मछली सब्सिडी में वर्तमान असमानतायें दूर करना, 4. कोविड-19 वैक्सीन तैयार करने के लिए पेटेंट हटाना तथा 5. डब्लूटीओ में सुधार। भारत खाद्य सुरक्षा के लिए सार्वजनिक स्टाकहोल्डिंग का व्यापक कार्यक्रम चलाता है। इसके अंतर्गत भारतीय खाद्य निगम-एफसीआई जैसी सरकारी एजेंसियां गेंहू, चावल व मोटे अनाज जैसे कृषि उत्पाद न्यूनतम समर्थन मूल्य-एमएसपी पर किसानों से खरीदती हैं तथा उनको अत्यधिक सस्ती 1, 2, 3 रुपये प्रति किलो की कीमत पर सस्ते राशन की दूकानों से वितरित करती हैं ताकि भारत के गरीबों और संकटग्रस्त तबकों की जरूरतें पूरी हो सकें। बिक्री मूल्य के अतिरिक्त एमएसपी के साथ ही हैंडलिंग, भंडारण व वितरण पर आने वाला खर्च केन्द्रीय बजट से सब्सिडी के रूप में दिया जाता है।

इसमें किसानों को एमएसपी के अतिरिक्त सब्सिडी शामिल है। इसे डब्लूटीओ की शब्दावली में अंतरराष्ट्रीय कीमत या एक्सटर्नल रिफरेंस प्राइस-ईआरपी कहते हैं। इसके अलावा खाद्य उपभोक्ता को ईआरपी के अतिरिक्त सब्सिडी दी जाती है। डब्लूटीओ को 'उत्पाद संबंधी' सब्सिडी के साथ ही कृषि निवेशों जैसे उवर्रक, बीज, सिंचाई, बिजली, आदि पर दी जाने वाली सब्सिडी से चिन्ता है जिनको 'गैर-उत्पाद संबंधी' सब्सिडी कहा जाता है।

डब्लूटीओ के अंतर्गत कृषि समझौते-एओए में उत्पाद व गैर-उत्पाद सब्सिडी या कुल सहायता-एएमएस को विकसशील देशों के कृषि उत्पाद मूल्य के 10 प्रतिशत तक सीमित किया गया है। यदि कोई देश एएमएस के 10 प्रतिशत से अधिक सब्सिडी देता है तो यह उल्लंघन होगा। एओए 1 जनवरी, 1995 से लागू है। भारत में 2005 तक एमएसपी ईआरपी से कम था। इसके बाद एमएसपी ईआरपी से अधिक हो गया तथा पिछले दशक में यह अंतर बढ़ा है। उदाहरण के लिए, मई 2018 में अमेरिका द्वारा डब्लूटीओ को दिए प्रतिवेदन के अनुसार 2013-14 में भारत का चावल पर एएमएस 77 प्रतिशत था। वर्तमान समय में भारत को 'शांति प्राविधान' के अंतर्गत संरक्षण मिला है जिसकी अनुमति 2013 में बाली की नवीं एमसी में दी गई थी। इसमें कहा गया था, 'यदि कोई विकासशील देश 10 प्रतिशत से अधिक एएमएस देता है तो किसी सदस्य को इसे 2017 तक चुनौती देने का अधिकार नहीं होगा, जब डब्लूटीओ इसके स्थाई समाधान पर गौर करेगा।'

दिसंबर 2014 में आयोजित जनरल कौंसिल-जीसी में इस अनुमति के बारे में कहा गया है, 'शांति प्राविधान उस समय तक लागू रहेगा जब तक कोई स्थाई समाधान न निकाला जाए।' लेकिन शांति प्राविधान कोई समाधान नहीं है क्योंकि इसके साथ अनेक शर्तें जुड़ी हैं। इनमें खाद्यान्न खरीद, स्टाकहोल्डिंग, वितरण और सब्सिडी का डेटा देना शामिल है। इनमें यह शर्त भी शामिल है कि सब्सिडी 'व्यापार विकृत' करने वाली न हों। इससे भारत की स्थिति संकटग्रस्त हो जाती है क्योंकि 2018-19 में शांति प्राविधान लागू करने के बाद कुछ देश 'सुरक्षा' और 'पारदर्शिता' प्राविधान लागू करने की मांग कर रहे हैं। इसलिए भारत एक 'स्थाई समाधान' खोज रहा है। उसने 'खाद्य सुरक्षा के लिए पीएसएच सहायता को पूर्ण अपवाद' मानने की पैरवी की है। लेकिन यह कोरी कल्पना है क्योंकि इससे सीमा की अवधारणा अर्थहीन हो जाएगी और इसका अर्थ एओए को पुन: तैयार करना होगा। एक व्यावहारिक विकल्प एओए के अंतर्गत एएमएस तय करने में कमियां दूर करना होगा। ईआरपी को 1986-88 की कीमत पर लिया जाता है, जबकि एमएसपी संबंधित वर्ष के लिए होती है। गरीब किसानों को दी जाने वाली सब्सिडी अलग नहीं की जाती है। पीएसएच के लिए खरीदी मात्रा के बजाय पूरी मात्रा की गणना होती है। इन विकृतियों को दूर करने पर एमएसपी 10 प्रतिशत सीमा के भीतर आ जाएगा जिसकी अनुमति है। इस दृष्टिकोण से 2013-14 में चावल पर अमेरिकी प्रतिवेदन के अनुसार 77 प्रतिशत के बजाय एएमएस केवल 5.45 प्रतिशत था। लेकिन केवल इतने से एमएसपी तथा इसके बाद खरीद बढ़ाने में सहायता नहीं मिलेगी। सटीक गणना के बाद भी एएमएस वर्तमान सीमा के 10 प्रतिशत से अधिक हो जाएगा। 2018-19 में यह चावल पर 11 प्रतिशत से अधिक था।

यदि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एमएसपी को विधिक गारंटी देने की बात मान लेते हैं तो भारत को और बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। ऐसी स्थिति में सरकार को सभी किसानों का सारा उत्पाद खरीदना पड़ेगा, जबकि वर्तमान समय में यह केवल 6 प्रतिशत है। इससे एएमएस असाधारण रूप से बढ़ेगा। यह 'खाद्य सुरक्षा के लिए पीएसएच कार्यक्रम' में भी नहीं आ सकता है क्योंकि यह खरीद गरीबों को भोजन देने के बजाय केवल किसानों का समर्थन करने के लिए होगी। भविष्योन्मुखी दृष्टिकोण से भारत को अमेरिका व यूरोपीय संघ जैसे विकसित देशों की तरह किसानों को प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण-डीबीटी पर विचार करना चाहिए। इससे डब्लूटीओ नियमों का पालन सुनिश्चित होने के साथ ही वर्तमान एमएसपी व्यवस्था में शामिल कमियां और विकृतियां दूर करने में भी सहायता मिलेगी। जहां तक एसएसएम का सवाल है, यह सदस्यों को बढ़ते आयात तथा उसके कारण गिरती कीमतों से निपटने में 'प्रतिबद्ध स्तरों' के बजाय अस्थाई रूप से टैरिफबढ़ाने की अनुमति देता है जो बाउंड रेट समझौते के अंतर्गत सदस्य देश द्वारा लागू की जा सकने वाली अधिकतम अनुमन्य ड्यूटी है। 2015 में नैरोबी की 10वीं एमसी में विकासशील देशों का एसएसएम अधिकार माना गया था जिसकी अनुमति हांगकांग मंत्रिस्तरीय घोषणा से मिली थी। लेकिन यह भारत द्वारा एओए के अनुच्छेद 5 में संशोधन की मांग के निकट नहीं है जिससे विकसित देशों को विशेष कृषि सुरक्षा-एसएसजी के अंतर्गत कुछ रियायतें मिलती हैं। 2018 में विकसित देशों ने मछली पकड़ने पर भारी सब्सिडी दी थी, जबकि यह भारत में केवल 227 मिलियन डालर थी। इससे विकसित देश दुनिया की अधिकांश मछलियां पकड़ते हैं, जबकि छोटे मछुआरों को आजीविका के लिए संघर्ष करना पड़ता है। भारत ने प्रस्ताव किया है कि विकसित देश अगले 25 साल में अपनी सब्सिडी समाप्त करें तथा विकासशील देशों को और मछलियां पकड़ने के लिए सब्सिडी की अनुमति दें। वह समझौते में विशेष एवं भिन्न व्यवहार-एसएंडडीटी की मांग करता है।

भारत ने दक्षिण अफ्रीका के साथ अक्टूबर, 2020 में एक प्रस्ताव कर सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातस्थितियों से निपटने के लिए ट्रिप्स को अस्थाई रूप से स्थगित करने की मांग की थी। हालांकि, इसे अमेरिका समेत बहुसंख्य देशों का समर्थन मिला है, पर यूरोपीय संघ व ब्रिटेन इसका विरोध कर रहे हैं। अमेरिका के ट्रंप प्रशासन ने डब्लूटीओ की विवाद समाधान संस्था-डीएसबी में सदस्यों की नियुक्ति पर रोक लगा दी थी। यह संस्था डब्लूटीओ नियमों के उल्लंघन की स्थिति में विवादों का समाधान करती है।

वर्तमान समय में इस संस्था में निर्धारित सात सदस्यों के बजाय केवल एक सदस्य है। ऐसे में विवाद समाधान प्रक्रिया को गहरा धक्का लगा है। संक्षेप में कहा जाए तो भारत को एमएसपी का रास्ता छोड़ कर किसानों की सुरक्षा के लिए डीबीटी का रास्ता अपनाना चाहिए। एसएसम, मछली पकड़ने पर सब्सिडी तथा कोविड-19 के लिए ट्रिप्स को स्थगित रखने के मामले में इसे समान सोच वाले सभी विकासशील देशों से समर्थन प्राप्त करने के प्रयास करने चाहिए। प्रस्ताव मंजूर करवाने के लिए खासकर जी-33 का समर्थन उपयोगी होगा। जहां तक डब्लूटीओ में सुधार का सवाल है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन को समझाना होगा कि वे अमेरिकन वीटो हटा दें।

नगालैंड घटना पर आत्मनिरीक्षण की जरूरत

"इस तरह के शत्रुतापूर्ण एजेंडे देश की सुरक्षा को क्षति पहुंचाने वाले अवसर को जाने नहीं देंगे। आखिर उनका एकमात्र मकसद भारत पर आघात करना है।"

जयदीप सैकिया
(लेखक एक संघर्ष विश्लेषक हैं)

नागालैंड के मोन जिले के तिरु इलाके में 4 दिसंबर की घटना, जब सुरक्षा बलों द्वारा गलत पहचान के मामले में कुछ लोग मारे गए थे, शायद हाल के दिनों में अप्रिय घटनाओं में से एक है, और एक जिसे सुरक्षा बलों द्वारा वास्तव में खेद व्यक्त किया गया है। लेकिन तथ्य यह है कि यह एक अजीबोगरीब घटना थी और जिस तरह से कर्नल विप्लव त्रिपाठी और उनके निर्दोष परिवार की मणिपुर में हत्या की गई थी, यह पूर्व नियोजित नहीं था। उस अंत तक, इस प्रकरण का इलाज किया जाना चाहिए, एक ऐसी असंगति जिसके लिए वास्तव में एक ऐसी ताकत द्वारा पश्चाताप किया गया है जिसने न केवल उत्तर पूर्व की सुरक्षा में योगदान दिया है, बल्कि इसके सर्वांगीण कल्याण में भी योगदान दिया है।

यदि इस घटना को भारत-विरोधी ताकतों द्वारा अपहृत करने की अनुमति दी जाती, जो इस तरह के अवसर के लिए विस्तार को परिमार्जन करते रहे हैं, तो एक बड़ी गलती की जाएगी। पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के राज्य सुरक्षा मंत्रालय और पाकिस्तान की इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस जैसी एजेंसियां ??या तो अलगाव में या एजेंडा की एकजुटता में भारतीय सुरक्षा बलों को आतंकवाद विरोधी अभियानों और उनके प्राथमिक सीमा प्रबंधन से दूर करने का प्रयास कर रही हैं। कर्तव्य। वास्तव में, ये एजेंसियां उत्तर-पूर्व के शांतिप्रिय लोगों को भारत विरोधी कार्रवाई के लिए उकसाने का कोई रास्ता नहीं छोड़तीं, जब विपथन उनके रास्ते में आते हैं जैसा कि वास्तव में सोम में हुआ था। इस तरह के शत्रुतापूर्ण एजेंडे - जैसा कि अतीत में बार-बार देखा गया है, असम, कश्मीर और मणिपुर और भारत में कहीं और - देश की सुरक्षा को नुकसान पहुंचाने के अवसर को जाने नहीं देंगे। आखिरकार, उनका एकमात्र मकसद भारत को हजारों आघातों के साथ खून करना और 'सौ प्रैरी फायर' स्थापित करना है, जो न केवल एक क्षेत्रीय शक्ति के रूप में भारत की बढ़ती शक्ति को विफल करने की कोशिश करेगा, बल्कि अपने सुरक्षा बलों पर अपमान का ढेर लगाएगा। देश की आबादी को विकास वक्र और ऊपर की ओर गतिशीलता से गुमराह करने के लिए जिसे राष्ट्र हासिल करने के लिए पूरी तरह तैयार है। सोम घटना स्टॉक लेने के अभ्यास के लिए एक आदर्श अवसर प्रदान करती है। हालांकि यह विश्लेषण किया गया है कि प्रकरण निश्चित रूप से था - शेक्सपियर से एक कालातीत अभिव्यक्ति को स्पष्ट करने के लिए एक था - एक जिसे हमेशा पालन की तुलना में उल्लंघन में अधिक सम्मानित किया गया है, इस मामले का तथ्य यह है कि सुरक्षा बलों ने निश्चित और विश्वसनीय जानकारी है कि एक आतंकवादी संगठन, अर्थात् नेशनल

सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नागालैंड (खापलांग-युंग आंग) गुट नागालैंड के मोन जिले में तिरु के आसपास के क्षेत्र में छल करने के उद्देश्य से क्षेत्र में था। इसलिए, देशद्रोहियों के नापाक मंसूबों का मुकाबला करने के लिए क्षेत्र में सुरक्षा बलों द्वारा एक ऑपरेशन की योजना बनाई गई थी। ल%एफ़ेयर मोन उन घटनाओं के कारण हुआ, जिसमें तैयारी और कर्तव्य की भावना दोनों शामिल हैं, जिसके साथ सुरक्षा बल 13 नवंबर की घटना को दोहराने की कोशिश कर रहे थे, जब कर्नल के परिवार के रूप में गैर-लड़ाकों को निर्मम आतंकियों द्वारा जानबूझकर निशाना बनाया गया था।

मोन घटना, अगर निष्पक्ष खेल का सहारा लिया जाना है, तो यह भी ध्यान में रखना चाहिए कि 3 और 4 दिसंबर को मणिपुर के फेरज़ावल जिले में क्या हुआ था जब असम राइफल्स की वांग बटालियन अपना ऑपरेटिंग बेस खाली करने की प्रक्रिया में थी। परबुंग। महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों सहित परबुंग के ग्रामीण बड़ी संख्या में असम राइफल्स से क्षेत्र से बाहर न जाने का अनुरोध करने के लिए सामने आए। बल छुट्टी पर विचार कर रहा था क्योंकि उस स्थान पर उग्रवाद कम हो गया था। यह अभूतपूर्व घटना न केवल असम राइफल्स इकाई की असाधारण परिचालन उपलब्धि और नागरिक कार्रवाई नीतियों के कारण थी, विशेष रूप से ष्टह्रङ्कढ्ढष्ठ-19 महामारी के दौरान हर प्रकार की सहायता के प्रावधान के माध्यम से आबादी की सहायता के कारण, बल्कि इसलिए भी कि एक भावना की भावना थी। 2006 के बाद से परबुंग और असम राइफल्स के निवासियों के बीच विकसित हुआ था, जब असम राइफल्स के एक अधिकारी, लेफ्टिनेंट कर्नल राजीव बख्शी ने क्षेत्र में कर्तव्य की पंक्ति में सर्वोच्च बलिदान दिया था। वास्तव में, एक स्मारक फुटबॉल मैच, लेफ्टिनेंट कर्नल बख्शी मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट, हर साल परबुंग में आयोजित किया जाता है, जिस तरह से असम राइफल्स के अधिकारियों और पुरुषों ने पूर्वोत्तर के लोगों के लिए अपना जीवन समर्पित किया है। इसलिए, चीजों की उपयुक्तता में यह है कि जिस क्षेत्र के लिए असम राइफल्स ने अपने पूरे अस्तित्व को अलग रखा है, उसे वास्तव में पूर्वोत्तर के मित्र कहा जाता है।

आप की बात

आंतरिक सुरक्षा पर मंथन

भारत देश मे आंतरिक सुरक्षा के सामने वर्षो से आतंकवाद, अलगाववाद ,नक्सलवाद और अराजकता गम्भीर संकट पैदा कर रहे हैं। कश्मीर में आतंकवाद, उत्तरपूर्व में उग्रवाद और कई राज्यों में नक्सलवाद फैला हुआ है। इनके खिलाफ चलाये जा रहे अभियानों में कभी कभी निर्दोष लोगों की जाने चली जाती है। नागालैंड में हुई दुखद घटना नाकाम गुप्तचर तन्त्र के कारण हो गई। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना का राजनीतिक लाभ लेने की किसी भी दल को कोशिश नही करना चाहिये। जो गलती सुरक्षा बलों से हो गई है। उससे निपटने और पीड़ित परिवारों को सहानुभूति और आर्थिक मदद सरकार को करना चाहिए। गुप्तचर व्यवस्था को सुधारने ,आधुनिक हाई टेक टेक्नालॉजी का उपयोग ,ड्रोन का उपयोग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग होना चाहिये। इन अभियानों में हमारे देश के सुरक्षाबलों को अनेको बार हमलों का शिकार होना पड़े। इसे रोकने के लिये गुप्तचर व्यवस्था का जाल सारे देश मे फैलाना होगा। गुप्तचर व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिये इसे पुलिस विभाग से अलग करना होगा। भारतीय गुप्तचर और राज्य गुप्तचर सेवा बनाने कीओर केंद्र सरकार ध्यान दे।

- **कुलदीप मोहन त्रिवेदी**, जरगांव

उग्रवादी कहां हैं?

नागालैंड में जो हुआ वह दुर्भाग्यपूर्ण है। चाहे सुरक्षाबल हों या किसी भी राज्य की पुलिस अपराधियों को पकड़ने में उनका काम मुख्य रूप से प्राप्त विश्वसनीय खुफिया जानकारी पर निर्भर करता है। उसके अनुसार वे आगे की योजना बनाते हैं। उग्रवादीयों के बारे में सुरक्षाबलों को मिली विश्वसनीय खुफिया जानकारी संदेह के घेरे में आ गई है। जवानों की फायरिंग में मजदूर मारे गए है तो उग्रवादी कहां हैं? क्या किसी के पास उन्हें बिना मारे सुरक्षित रूप से छुटकारा पाने की कोई पूर्व नियोजित योजना होगी? इसे देखना होगा। स्थानीय लोग और सुरक्षा बलों के बीच दरार पैदा करने की कोशिश को नकारा नहीं जा सकता। ताकि स्थानीय लोग आक्रामक हो जाएं और सुरक्षा बलों पर टूट पड़े। स्थानीय लोगों में सुरक्षा बलों को लेकर गुस्सा कैसे आएगा? और इसका लाभ उठाकर जवानों का मनोबल कैसे कम किया जा सकता है? इसके लिए कौनसी ताकतें (उग्रवादी) काम कर रही हैं? इस पर भी गहन शोध करने की जरूरत है। इसे केवल उपर से नहीं, बल्कि बहुत बारीकी से देखना होगा। यह ध्यान रखना होगा कि देश के सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के मन में सुरक्षाबलों की छवि खराब न हो।

- **जयेश राणे**, मुंबई

कानून वापसी से नुकसान

हाल ही में तीन कृषि सुधार कानूनों की वापसी से कृषि-बाजार सुधारों की संभावना लगभग समाप्त हो गई है। हाल ही में इनके पुनर्जीवित होने की भी कोई संभावना नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने यह पता लगाने के लिए एक समिति गठित की है कि 'एमएसपी को कैसे ज्यादा प्रभावी बनाया जा सकता है', जबकि यह केवल सतही कदम है। इस बीच किसानों के नेता और मांगें पेश कर रहे हैं तथा सरकार रक्षात्मक दृष्टिकोण अपना रही है। इस प्रकार देश एक खतरनाक क्षेत्र में प्रवेश कर रहा है। एमएसपी की विधिक गारंटी राष्ट्रीय खजाने को दीवालिया कर सकती है। इससे भंडारण व परिवहन सुविधाओं पर भारी बोझ पड़ेगा, बरबादी कई गुना बढ़ेगी तथा भारत को खाद्य सब्सिडी के मामले पर डब्लूटीओ में शर्मिन्दा होना पड़ेगा क्योंकि किसानों को आसमान के तारे देने के लिए व्यापार विकृत हो जाएगा। किसानों को बिजली संशोधन कानून से अलग रखने से पहले से ही भारी घाटे का शिकार बिजली वितरण कंपनियों पर और अधिक बोझ पड़ेगा।

- **श्रीवत्स द्विवेदी**, वाराणसी

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
pioneerhry@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

फरमाया

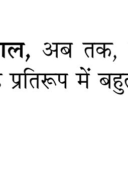

"**सरकार** नागालैंड की घटना पर तहेदिल से खेद जताते हुए प्रभावित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती है।

- **अमित शाह**
केंद्रीय गृहमंत्री

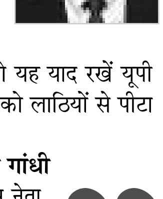

फिलहाल, अब तक, ऐसा तो नहीं लगता कि नए कोविड प्रतिरूप में बहुत गंभीरता है।

- **एंथनी फॉसी**
एनआईएआईडी निदेशक

जब भाजपा वोट मांगने आए तो यह याद रखें यूपी सरकार ने रोजगार मांगने वालों को लाठियों से पीटा था।

- **राहुल गांधी**
कांग्रेस नेता"

महोत्सव में सांस्कृतिक प्रस्तुति देते कलाकार।

महोत्सव में सेल्फी लेती कलाकार

महोत्सव में सांस्कृतिक प्रस्तुति देते कलाकार

देश-विदेश के लाखों लोग जुड़ेंगे गीता जयंती के साथ : ज्ञानानंद

जीओ गीता की तरफ से हरियाणा की सभी जेलों में होगा गीता यज्ञ और गीता पाठ

गुरजोत दुग्गल। कुरुक्षेत्र

गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने कहा कि जीओ गीता की तरफ से गीता जयंती पर्व के पावन पर्व साप्ताहिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों के साथ देश-विदेश के लाखों लोग स्वैच्छा से जुड़ेंगे और पवित्र ग्रंथ गीता के उपदेशों का मनन करेंगे।

इस वर्ष गीता जयंती को लेकर जीओ गीता की तरफ से गीता ज्ञान संस्थानम केन्द्र में 8 दिसंबर से 14 दिसंबर तक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही जीओ गीता की श्रीकृष्ण कृपा संस्थाएं प्रदेश के प्रत्येक नगर में साप्ताहिक कार्यक्रमों का भी आयोजन करेंगी। अहम पहलू यह है कि 11 दिसंबर को गीता ज्ञान संस्थानम केन्द्र में जीओ गीता युवा सम्मेलन का आयोजन

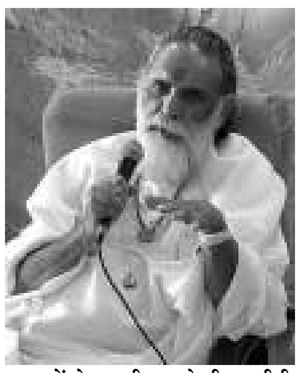
पत्रकारों से बातचीत करते गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज

सुबह 11.30 बजे होगा। इस सम्मेलन में प्रदेश भर से गीता प्रेमी 2500 युवा एकत्रित होंगे और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल इस कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद मंगलवार को गीता ज्ञान संस्थानम केन्द्र के सभागार में गीता जयंती को लेकर 8 से 14 दिसंबर को लेकर होने वाले कार्यक्रम पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की तरफ से कुरुक्षेत्र अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस महोत्सव के मुख्य कार्यक्रम 9 से 14 दिसंबर तक रहेंगे।

महोत्सव के साथ हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी गीता जयंती को लेकर जीओ गीता की तरफ से साप्ताहिक कार्यक्रमों का आयोजन 8 से 14 दिसंबर तक किया जा रहा है। यह कार्यक्रम श्रीमदभगवद गीता भाव से किए जाएंगे, 8 दिसंबर को गीता यज्ञ का आयोजन किया जाएगा। इस यज्ञ में कोविड-19 में दिवंगत आत्माओं की शांति और भविष्य में कोविड जैसी बीमारी से नागरिकों को बचाकर रखने के लिए प्रार्थना की जाएगी। उन्होंने कहा कि गीता जयंती पर गाय के गोबर से बने 18-18 दीपक जीओ गीता संस्थान से जुड़े सभी लोग अपने-अपने घरों में रोशन करेंगे और 14 दिसंबर को ही पवित्र ग्रंथ गीता को लेकर लिखी गई 4 पुस्तकों का भी विमोचन होगा।

इसके साथ प्रयास किया जाएगा कि जीओ गीता संस्थान स्लम बस्तियों में जाकर गीता पाठ व गीता यज्ञ का आयोजन करके सभी लोगों को साथ जोड़े। मौके पर केडीबी के मानद सचिव मदन मोहन छाबड़ा, प्रधान हंसराज सिंगला, महेन्द्र सिंगला, पवन शर्मा, मंगत राम जिंदल, मीडिया प्रभारी रामपाल शर्मा, केडीबी सदस्य विजय नरुला, दीपक आहुजा, राजन सपरा, राजेन्द्र चौपड़ा, केडीबी सदस्य सौरभ चौधरी आदि उपस्थित थे।

शिल्पकारों की शिल्पकला के मुरीद हुए पर्यटक

कला और कौशल का महासंगम अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती समारोह में देश के विभिन्न हिस्सों से दस्तकार अपनी-अपनी कला के नमूने सरस मेले के इस बाजार में प्रदर्शित कर रहे है और हरियाणा प्रदेश के विभिन्न जिलों के साथ साथ पड़ोसी राज्यों के पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित कर रहे है।

विभिन्न राज्यों के दस्तकारों व शिल्पकारों के इस एकीकरण से कला के कदरदान भी अपनी पसंद की कलात्मक वस्तुओं का चयन करने में पूरा समय लगा रहे है। सरस मेले में विभिन्न राज्यों से आए दस्तकार व शिल्पकार जो अपने-अपने राज्यों की कला विशेष को प्रस्तुत किये हुए है, उनमें देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश के बनारस से आए दस्तकार कड़ुआ बूटी प्रिंटिंग वाली मशहूर बनारसी साड़ियां, इसी राज्य के मनका युक्त आर्टिफिशियल आभूषण व चाइना मिट्टी से बने सेरामिक कोटरी व हैंड पेंटेड क्राकरी, पश्चिम बंगाल की विशेष टेराकोटा मिट्टी व लकड़ी से बनी दस्तकारी के सजावटी सामान, राजस्थान की वेलवेट परहैंड मेड वाटर कलर पेंटिंग, गुजराती दस्तकारों द्वारा सूती कपड़े पर हाथ की छपाई वाले आकर्षक डिजाइन से तैयार बेड शीट, सोफा कवर, पर्दे, तकिया कवर इत्यादि, पश्चिम बंगाल के सूखे सजावटी व आकर्षक फूल, आसाम के दस्तकारों द्वारा बम्बू से बनाई सजावटी व हाथ से प्रयोग होने वाली वस्तुएं, उत्तरप्रदेश के अलीगढ़ की ब्रास मेटल की आकर्षक मूर्तियां व अन्य कलाकृतियां, पंजाब की मशहूर फुलकारी के डिजाइन वाले वस्त्र, हरियाणा की हैंड एम्ब्रॉयडरी, राजस्थान के दस्तकारों द्वारा बनाई पत्थर की आकर्षक मूर्तियां, कश्मीर के दस्तकारों को विशेष पहचान दिलाने वाली पश्मीना शाल व अन्य कश्मीरी वस्त्र तथा देवभूमि हिमाचल के दस्तकारों द्वारा बनाई गई विशेष हिमाचली टोपी व अन्य डिजाईनर हाथ की कढ़ाई वाले गर्म कपड़े पर्यटकों के लिये आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

संक्षिप्त समाचार

आंगनबाड़ी वर्कर एवं हेल्पर यूनियन की हड़ताल आज से

बैठक को संबोधित करती प्रधान कलावती।

कुरुक्षेत्र। आंगनबाड़ी वर्कर एवं हेल्पर यूनियन ने जिला प्रधान कलावती की अगुवाई में बैठक कर अपनी मांगें पूरी न किए जाने के विरोध में आठ से 11 दिसंबर तक हड़ताल करने का निर्णय लिया है। यूनियन की प्रधान कलावती ने कहा कि यूनियनों की संयुक्त तालमेल कमेटी ने 22 नवंबर और 26 नवंबर को विभाग को निदेशिका को मांग पत्र व नोटिस भेजा था, लेकिन उन नोटिसों पर विभाग का कोई सकारात्मक रख सामने नहीं आया। जिसके चलते विरोध स्वरूप जिला की सभी आंगनबाड़ी वर्कर्स एवं हेल्पर्स 8 से 11 दिसंबर तक हड़ताल पर रहेंगी। यदि उसके बाद भी विभाग ने उनकी मांगें नहीं मानी तो संयुक्त तालमेल कमेटी हड़ताल को आगे बढाने पर विचार करेगी।

पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में रेनू अव्वल

जीवीएम गर्ल्ज कॉलेज में छात्राओं द्वारा बनाए पोस्टरों को देखती प्राध्यापिकाएं।

सोनीपत। जीवीएम गर्ल्ज कॉलेज में तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ के तत्वावधान में आयोजित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में रेनू अव्वल रही। संस्था के प्रधान डॉ. ओपी परुथी और प्राचार्य डॉ. रेनू भाटिया ने विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि तंबाकू के खिलाफ अधिकाधिक जागृति फैलाई जानी चाहिए।तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ की प्रभारी डॉ. सोनिया मित्तल ने बताया कि कमिट टू क्विट थीम के साथ कॉलेज छात्राओं के लिए पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में रेनू ने प्रथम और अनु राठी ने द्वितीय और इशिका व रितिका ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान हासिल किया। साथ ही नितिका को सांत्वना पुरस्कार से नवाजा गया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में प्राध्यापिका रोजी चोपड़ा व कमलेश चोपड़ा शामिल रही। प्रतियोगिता के समापन पर प्राचार्य डा. रेनू भाटिया ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि तंबाकू किसी भी रूप में लाभकारी नहीं है। इसलिए तंबाकू से दूर ही रहना चाहिए। तंबाकू के सेवन से होने वाली हानियों के प्रति जागरुकता के उद्देश्य से कालेज में प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। प्रकोष्ठ ने अपने दायित्व का निर्वहन करते हुए यह बेहतरीन आयोजन करवाया, जिसके लिए वे बधाई के पात्र हैं।

हरियाणा पेवेलियन में सांझी प्रतियोगिता का आयोजन 9 को

कुरुक्षेत्र। गीता जयंती महोत्सव में हरियाणा पवेलियन का रंग कुछ अलग ही नजर आएगा। कला एवं सांस्कृतिक विभाग हरियाणा की निदेशिका प्रतिमा चौधरी बताती है कि इस बार पवेलियन में सांझी प्रतियोगिता के इलावा अनेकों लोक प्रतियोगिताएं कराई जाएंगी। पहली बार हरियाणा पवेलियन में अपना गांव स्थापित किया जाएगा जिसमें हरियाणा के गांव की झांकियां स्थापित की जाएंगी जहां पर लोग खुद को अपने गांव में महसूस कर सकेंगे। अपना गांव में पुरानी छप्पर वाली झोपड़ी के इलावा ग्रामीण जीवन के दर्शन कराए जाएंगे। निदेशिका प्रतिमा चौधरी ने कहा कि इस बार पवेलियन में रोज कुश्ती प्रतियोगिताएं होंगी जिसमें हर वर्ग के बच्चे बूढ़े महिलाएं पुरानी मिट्टी के अखाड़े में कुश्ती प्रतियोगिता में भाग ले सकते है। प्रतिदिन होने वाली कुश्तियों में विजेताओं के नाम मीडिया में प्रकाशित कराए जाएंगे तथा उन्हें मेडल देकर प्रोत्साहित किया जाएगा। हरियाणवी पवैलियन में हरियाणवी बिंदरबाल, इंडी, गोपिया, चुंडा, गुडिया, पटोले व ग्रामीण महिलाओं द्वारा बनाई जाने वाली घर की कलाकृतियों को भी जगह दी गई है।

अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में पहली बार होगा प्लेनरी सत्र

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की ओर से अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव के अवसर पर आयोजित होने वाली अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में पहली बार देश भर के दिग्गज विद्वानों एवं श्रीमद्भगवदगीता चिंतकों का प्लेनरी सत्र होगा। इस सत्र की खूबी यह रहेगी कि इसमें देश व विदेशों से विद्वान विश्वगुरू भारत के निर्माण में श्रीमद्भगवद गीता से शिक्षाएं विषय पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के निदेर्शानुसार संगोष्ठी में उत्कृष्ट स्तर की चर्चा के लिए जाने माने पौराणिक कथाकार लेखक एवं वक्ता देवदत्त पटनायक को आमंत्रित किया गया है। देवदत्त पटनायक एक पौराणिक कथाकार के रूप में 50 पुस्तकें, 500 कार्यशालाएं, 1000 से अधिक कॉलम व 3000 से अधिक चित्र बना चुके हैं। उन्हें इस कार्यशाला में 10 दिसम्बर को होने वाले प्लेनरी सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया है। जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान की निदेशिका प्रो बिंदु शर्मा ने कहा कि सेमिनार निदेशक प्रो मंजुला चौधरी एवं संयोजन सचिव प्रो. तेजेन्द्र शर्मा ने विभाग को पहली बार प्लेनरी सत्र आयोजित करने का मौका दिया। इस अवसर का लाभ उठाते हुए संस्थान इस वर्ष होने वाली अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में दो प्लेनरी सत्र एवं एक तकनीकी सत्र आयोजित कर रहा है। उन्होंने बताया कि संगोष्ठी के पहले दिन होने वाले प्लेनरी सत्र में अंतरराष्ट्रीय जीवन प्रबंधन गुरु एवं मशहूर कथाकार पंडित विजय शंकर मेहता को आमंत्रित किया है। इसके साथ ही द स्पिकिंग ट्री समाचार पत्र की पूर्व संपादक नारायणी गणेश व महामण्डलेश्वर डॉ. शाश्वतानन्द जी महाराज को आमंत्रित किया गया है। प्रो बिंदु शर्मा ने बताया कि 10 दिसम्बर को डॉ. देवदत्त पटनायक प्लेनरी सत्र के मुख्य वक्त होंगे।

प्रदेश के 22 जिलों में मनाया जाएगा अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव

कुरुक्षेत्र। मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव एवं हरियाणा सूचना जनसम्पर्क एवं भाषा विभाग के महानिदेशक डा. अमित अग्रवाल ने कहा कि पवित्र ग्रंथ गीता हरियाणा की अनमोल संपति और प्राचीन सांस्कृतिक विरासत है।

सांस्कृतिक विरासत को विश्व के प्रत्येक नागरिक तक पहुंचाना है। इसी उदेश्य को लेकर मुख्यमंत्री मनोहर लाल के प्रयासों से जहां कुरुक्षेत्र में अंतर्राष्टद्द्रीय गीता महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। वहीं वर्ष 2016 से जिलास्तर पर गीता जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस गीता जयंती महोत्सव को आमजन का महोत्सव बनाना है ताकि प्रत्येक नागरिक हर वर्ष अपने आप इसे एक उत्सव के रुप में मनाए। इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव 2021 को लेकर प्रदेश के 22 जिलों में भव्य कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इन कार्यक्रमों के जरिए आम नागरिकों को पवित्र ग्रंथ गीता से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। इस महोत्सव को लेकर प्रदेश के सभी जिलों में 12 से 14 दिसंबर तक जिला स्तरीय कार्यक्रमों का आयोजन होगा।

बच्चों द्वारा बनाई गई हस्तकला कर रही आकर्षित

कुरुक्षेत्र। संस्कृति, कला कौशल का अद्भुत संगम दृश्य करुक्षेत्र के ब्रह्मसरोवर गीता महोत्सव में देखने को मिल रहा है। यहां कला और कौशल को कद्दानों पारखी नजरों को कोई कमी नहीं है। मेले के एक छोर से कला और कौशल की यात्रा जब आरंभ हो जाती है उसे निहारने के लिए पर्यटकों को अच्छा खासा समय देना पड़ता है। हर और कलाकारों ने अपने कौशल का जलवा बिखेर रखा है ऐसे में गीता जयंती की आभा बेहद अद्भुत हो जाती है। लकड़ी बांस से बने फर्नीचर पर बैठ कर उसकी मजबूती देखते और खरीदारी करते है।

योग करने से मिलती मन को शांति

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

हरियाणा योग आयोग पंचकूला के तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव एवं स्वाधीनता की 50वीं वर्षगांठ पर आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष में क्षेत्र के विशिष्ट योग संस्थाओं के सहयोग से पांच दिवसीय निशुल्क योग साधना शिविर का शुभारंभ हुआ।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा मेजर नितिन बाली गीता निकेतन स्कूल में पांच दिवसीय नि:शुल्क शिविर की सेवाएं दी जा रही है। इसमें मुख्य अतिथि हरियाणा

शिविर में मौजूद हरियाणा योगा आयोग के रजिस्ट्रार डॉ हरीश चंद्र व अन्य।

योगा आयोग के रजिस्ट्रार डॉ. हरीश चंद्र पधारे और साथ में ब्रह्मा कुमारी सरोज दीदी क्षेत्र सेवा केंद्र प्रभारी और साथ में मधु भी थे। डॉ. हरीश चंद्र ने सभी विद्यार्थियों को योग का महत्व बताया कि योग करने से मन को शांति मिलती है और जीवन में एकाग्रता आती है स्मरण शक्ति बढ़ती है और साथ में ब्रह्माकुमारी संस्था का धन्यवाद भी किया और कहा उनकी जीवनशैली से हमें सात्विक और शांत रह रहने की प्रेरणा मिलती है।

ब्रम्हाकुमारी सरोज दीदी ने सभी को विद्यार्थियों को राजयोग का महत्व बताया और उसका अर्थ बताया कि आत्मा परमात्मा के साथ मिलन ही योग है वह हम सबके मात पिता है उन्ही से ही हमें आत्मिक शांति प्राप्त होती हैं। मधु ने सभी विद्यार्थियों को बताया कि जीवन में निर्भय कैसे बने।

नंबरदारों के पद समाप्त करने का षडयंत्र रचा रही मौजूदा गठबंधन सरकार : सुनीता नेहरा

ग्रामीणों को संबोधित करती प्रदेश महिला कांग्रेस की वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनीता नेहरा।

कुरुक्षेत्र। प्रदेश महिला कांग्रेस की वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनीता नेहरा ने कहा कि सरकार एक रणनीति के तहत नंबरदारों के पद समाप्त करने का षडयंत्र रचा रही है। आजादी के समय से पहले नंबरदार गांव के मुखिया के तौर पर जाना जाता रहा है।

उन्होंने कहा कि नंबरदार गांव व सरकार में एक कड़ी का काम करता है। सुनीता नेहरा ने कहा कि पिछले कई महीनों से नंबरदारों को मानदेय न देना भी सरकार की गलत मंशा को उजागर कर रहा है। क्योंकि अब गठबंधन सरकार नंबरदारों को भी घर बैठाने पर उतारू हो चुकी है, क्योंकि सरकारें तो आती जाती रहती है, लेकिन नंबरदारी प्रथा राजा-महाराजाओं के समय से निरंतर चली आ रही है। नंबरदारों के बिना गांव व शहरों के बहुत से तहसील संबधी कार्य कराना संभव नहीं हैं। गांव के सरपंच व पार्षद को गांव व शहरों में विकास के कार्यों को लेकर अधिकारियों के पास जाना पड़ता है तो उनकी गैरमौजूदगी में नंबरदार के होने पर सरकारी कामकाज नहीं रुकते जिससे आमजन को परेशानी का सामना नहीं करना करना पड़ता।

जिला स्तरीय गीता जयंती महोत्सव का हो भव्य आयोजन

कुरुक्षेत्र की 48 कोस की परिधि में होंगे विशेष कार्यक्रम

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव एवं सूचना, जनसंपर्क तथा भाषा विभाग के महानिदेशक डॉ. अमित कुमार अग्रवाल तथा कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के सदस्य सचिव विजय सिंह दहिया ने वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से सभी उपायुक्तों के साथ जिलास्तर पर 12 से 14 दिसंबर तक आयोजित किए जाने वाले गीता जयंती महोत्सव की तैयारियों की समीक्षा की।

कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण करते एसडीएम शशि बसुंधरा।

उन्होंने कहा कि इस महोत्सव में ज्यादा से ज्यादा लोगों की भागीदारी करें और महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाए। कुरुक्षेत्र की 48 कोस की परिधि में पड़ने वाले पांच जिलों में विशेष कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। उपायुक्त ललित सिवाच ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा जिलास्तीय गीता जयंती महोत्सव की तैयारियां शुरू की दी गई हैं और उच्चाधिकारियों को ड्यूटी सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार तीन दिवसीय गीता जयंती महोत्सव का आयोजन कराया जाएगा।

उपायुक्त सिवाच ने कहा कि महोत्सव के लिए कार्यक्रम स्थल का चयन शीघ्र ही कर लिया जाएगा और जिला में कार्यरत सामाजिक, धार्मिक एवं शैक्षणिक संस्थाओं के साथ बैठक आयोजित करके उन्हें भी इस महोत्सव में शामिल किया जाएगा। तीन दिवसीय गीता जयंती महोत्सव के दौरान 12 दिसंबर को गीता पर आधारित प्रदर्शनी आयोजित होगी।

सोमानी सेरामिक्स ने सोनीपत और पानीपत में अपने सोमानी ग्रैंड आउटलेट किए लॉन्च

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत / पानीपत

सोमानी सेरामिक्स लिमिटेड सिरेमिक्स और अलाइड उत्पादों में एक जाना माना और प्रतिष्ठित नाम है। कंपनी हमेशा से उच्च स्तर के डिजाइनर और इनोवेटिव उत्पाद देने में यकीन रखती है एवं सतत रूप से प्रयासरत है, इन्ही उसूलों के कारण मंगलवार को सोमानी एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चुनिंदा ख्याति प्राप्त कंपनियों में शुमार है। उद्योग में अग्रणी होने और सम्पूर्ण भारत में उपस्थिति के साथ, कंपनी ने सोनीपत और पानीपत में क्रमशः सोनीपत ट्रेडिंग कंपनी एवं तनिष्क सिरेमिक्स के साथ सोमानी ग्रैंड आउटलेट खोलकर हरियाणा में अपनी रिटेल उपस्थिति का विस्तार करने जा रही है।

सोनीपत और पानीपत के आउटलेट क्रमशः 3650 वर्ग फीट और 2800 वर्ग फीट में फैले हुए हैं। यह रिटेल आउटलेट्स उपभोक्ताओं को अपनी विभिन्न श्रेणियों के

पोर्टफोलियो में दीवार और फर्श की टाइलों की विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित करने का एक अनूठा अनुभव प्रदान करेंगे। इन आउटलेट्स पर सेनेटरी वेयर और बाथ फिटिंग्स की एक विस्तृत रेंज को खूबसूरती के साथ प्रदर्शित किया है, जोकि ग्राहकों को इस ब्रांड का संपूर्ण अनुभव प्रदान करते हैं।

हरियाणा हमेशा से ही सोमानी के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार रहा है इसके साथ ही यह आउटलेट लॉन्चेज जीटी रोड सेगमेंट में सबसे पहले हैं, जो राज्य के सोनीपत और पानीपत में कंपनी की उपस्थिति को 18 आउटलेट तक बढ़ाएंगे। एक बाजार के रूप में हरियाणा में कंस्ट्रक्शन और विकास की गतिविधियों की दर उच्च है और कंस्ट्रक्शन उद्योग इसकी अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

अभिषेक सोमानी, एमडी एवं सीईओ, सोमानी सिरेमिक्स लिमिटेड ने कहा, सोमानी सेरामिक्स अपने सबसे बडे शोरूम फॉर्मेट ग्रैंड के सोनीपत और पानीपत में शुरू होने से अत्यंत गौरवान्वित है। सोमानी में, हमारा यह निरंतर प्रयास रहता है कि हम अपने ग्राहकों की जरूरतों के अनुरुप इनोवेशन और सेवाओं को आगे लेकर जाएँ, जिससे कि उन्हें लेटेस्ट ट्रेंड्स से जोड़ा जा सके। यह विस्तार काफी समय से लंबित था, अब अपने नए आउटलेट के साथ हम कंपनी के मौजूदा और संभावित ग्राहकों तक आसानी से पहुंच बना पाएंगे जिससे कि हमें ब्रांड को सही दिशा में ले जाने का भी मौका मिलेगा।

सैनिकों के बलिदानों के कारण ही हम ले रहे आजादी की खुली हवा में सांस

सोनीपत। उपायुक्त ललित सिवाच ने कहा कि आज हम सैनिकों के बलिदानों के कारण ही आजादी की खुली हवा में सांस ले रहें है। सैनिक देश की सीमाओ की रक्षा के लिए दिन-रात सीमा पर तैनात रहते हैं।

हमें अपने शहीद सैनिकों व ड्यूटी पर तैनात सैनिकों के बलिदानों को हमेशा याद रखना चाहिए। उपायुक्त ललित सिवाच मंगलवार को जिला सैनिक बोर्ड द्वारा सशस्त्र सेना झंडा दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थितगण को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने जिलावासियों का आह्वान किया कि वे सशस्त्र झण्डा दिवस निधि में सामर्थ्य अनुसार उदारता पूर्वक अंशदान करें।

प्रेरणा

पायनियर हरियाणा
हमेशा सच के साथ

विकेश भारतीय
लेखक एवं मोटिवेशनल स्पीकर

किताबें सबसे अच्छा पुरुस्कार हैं,
किताबें सबसे बड़ा उपहार हैं,
किताबें नर्क को स्वर्ग बना सकती हैं,
इसलिए किताबें धरा का श्रृंगार हैं।

Aavas FINANCIERS LTD
SAPNE AAPKE, SAATH HAMAARA

आवास फाइनेंसियर्स लिमिटेड
(पूर्व में ''ए यू हाउसिंग फायनेंस लिमिटेड'' के नाम से ज्ञात) (CIN: L65922RJ2011PLC034297)
पंजीकृत एवं निगमित कार्यालय: 201-202, द्वितीय मंजिल, साउथ एंड स्क्वायर, मानसरोवर इंडस्ट्रीयल एरिया, जयपुर-302020

कब्जा नोटिस

जबकि अधोहस्ताक्षरकर्ता **आवास फाइनेंसियर्स लिमिटेड (पूर्व में ''ए यू हाउसिंग फायनेंस लिमिटेड'' के नाम से ज्ञात)** का प्राधिकृत अधिकारी होते हुए ''वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002'' की धारा 13(12) और सहपठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम के नियम 9 के तहत प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में ऋणियों को मांग सूचना पत्र जारी किया गया। नीचे तालिका में उनके सामने दर्शाए अनुसार राशि का मांग पत्र प्राप्ति के 60 दिन के अंदर भुगतान करने की मांग की गयी। यह है कि ऋणी सम्बंधित राशियों का भुगतान करने में विफल रहे अत: ऋणीयों तथा आम जनता को सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता ने उक्त एक्ट की धारा 13(4) सहपठित नियम 9 के नियमों के तहत प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में नीचे वर्णित सम्पत्तियों का अधिपत्य तालिका में उनके सामने दर्शाई गई दिनांक को ग्रहण कर लिया है। ऋणियों व जमानतियों को विशिष्टया तथा सर्वसाधारण को सामान्यतया एतद् द्वारा सम्पत्तियों के साथ व्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है। इन सम्पत्तियों के साथ किसी भी प्रकार का व्यवहार निम्न खातों के सामने दर्शाई गई बकाया राशि तथा उन पर ब्याज व खर्चों के लिए आवास फाईनेंस **आवास फाइनेंसियर्स लिमिटेड (पूर्व में ''ए यू हाउसिंग फायनेंस लिमिटेड'' के नाम से ज्ञात)** के प्रभार के अध्यधीन होगा।

ऋणी का नाम	धारा 13 (2) के अन्तर्गत नोटिस की दिनांक व राशि	बंधक संपत्ति का विवरण	कब्जे की तारीख एवं प्रकार
सरबजीत सिंह, कमलजीत सिंह, इन्द्रजीत खाता सं. LNYMN03319-200115618	31 मार्च 2021 ₹ 952705/- बकाया दिनांक 31 मार्च 2021 तक	पीपीआईडी-280 सी325यू83, वार्ड/जॉन नं. 16, मकान नं. 1260-ए, नगर निगम सम्पत्ति नं. बी-9/ 1260 मौजा ससौली मौसुमा विष्णु नगर, तह. जगधारी, आईटीआई, यमुना नगर, हरियाणा **क्षेत्रफल 105 वर्ग गज**	सांकेतिक कब्जा दिनांक 27 नवम्बर 21

स्थान : जयपुर   दिनांक 08-12-2021   प्राधिकृत अधिकारी आवास फाइनेंसियर्स लिमिटेड

प्रदेश में अब 98 प्रतिशत बच्चों को जारी हो चुका है किताबों का पैसा

विद्यार्थियों तक किताब नहीं पहुंचने के कारण भी हो रही थी देरी

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

कोविड महामारी के चलते सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों के रोके गए किताबों के पैसे को जारी कर दिया गया है। सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले पहली से आठवीं कक्षा के करीब 98 प्रतिशत बच्चों को उनके खातों में सत्यापन उपरांत यह राशि जारी की गई है। प्रत्येक विद्यार्थी के हाथों तक किताब पहुंचने के बाद सरकार इसी माह पूरी क्षमता के साथ स्कूलों को खोलने की तैयारी कर रही है। दरअसल, कोविड महामारी के चलते सरकार स्कूली बच्चों को किताबों का पैसा जारी नहीं कर पाई थी। इस कारण विभिन्न जिलों में विधायकों के सामने अभिभावक इस समस्या को लेकर पहुंच रहे थे।

बीते विधानसभा सत्र में विधायक वरुण चौधरी इस मुद्दे पर ध्यानाकर्षण प्रस्ताव लेकर आए थे। जिस पर शिक्षा मंत्री कंवर पाल ने उन्हें भरोसा दिलाया था कि सरकार अतिशीघ्र किताबों का पैसा जारी करेगी। राशि जारी होने पर विधायक वरुण चौधरी ने शिक्षामंत्री का आभार व्यक्त किया है। पांचवीं तक 250 तो आठवीं तक के विद्यार्थियों

को मिलते हैं 400 रुपये हरियाणा सरकार द्वारा सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले पहली से पांचवीं कक्षा के विद्यार्थियों को किताबों के लिए 250 रुपये दिए जाते हैं जबकि छठी से आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों को 400 रुपये किताबों के जारी किए जाते हैं। विद्यार्थियों को यह पैसा उनके खातों में भेजा जाता है ताकि किसी भी स्तर पर लेट-लतीफी और भ्रष्टाचार होने की गुजांइश से बचा जा सके।

52.26 करोड़ का बजट किताबों के लिए निर्धारित

प्रदेश के 14,446 स्कूलों में पहली से आठवीं कक्षा के कुल 24,54,313 बच्चे पंजीकृत हैं। इनमें से 21,65,817 बच्चों के खातों का सत्यापन हो चुका है जबकि 21,31,551 बच्चों के खातों का अंतिम सत्यापन भी हो चुका है। इस तरह 98 प्रतिशत बच्चों के खातों में किताबों का पैसा जारी हो चुका है। शिक्षा विभाग के अधिकारियों की माने तो पहली से पांचवीं कक्षा में करीब 10.98 लाख बच्चे पंजीकृत हैं। सरकार द्वारा प्रति बच्चे को किताबों के 250 रुपये के हिसाब से कुल 10,98,498 बच्चों को 27.46 करोड़ रुपये दिए जाने हैं। इसी तरह से छठी से आठवीं कक्षा में करीब 6.20 लाख बच्चे पंजीकृत हैं। जिन्हें 400 रुपये के हिसाब से 24.80 करोड़ रुपये दिए किताबों की एवं में वितरित किए जाने हैं। मतलब किताबों के लिए सरकार द्वारा कुल 52.26 करोड़ रुपये विद्यार्थियों के खातों में भेजे जाने हैं।

राज्य के सभी नशा-मुक्ति केंद्रों के संबंध में तैयार की जाएगी एसओपी : अनिल विज

एसओपी अगले 15 दिनों के भीतर स्वास्थ्य सेवाएं विभाग की महानिदेशक की देखरेख में होगी तैयार

लखनऊ में आयोजित पुलिस कान्फ्रेंस में प्रधानमंत्री और केन्द्रीय गृह मंत्री द्वारा दिए निर्देशों को पहनाया जाएगा अमलीजामा

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा के गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने कहा कि राज्य के युवाओं को नशे से दूर करने और छुड़वाने के लिए राज्य के सभी जिलों में पुर्नवास केन्द्र (रिहैबलीटेशन सेंटर) अर्थात नशा-मुक्ति केन्द्र की स्थापना के संबंध में एसओपी को तैयार की जाएगी ताकि लोगों को नशा से मुक्त किया जा सके। उन्होंने कहा कि यह एसओपी अगले 15 दिनों के भीतर स्वास्थ्य सेवाएं विभाग की महानिदेशक की देखरेख में तैयार की जाएगी।

श्री विज मंगलवार को यहां गृह एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की एक बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने बताया कि इस संबंध में विभिन्न मापदण्ड तैयार किए जाएंगे जैसे कि हर नागरिक अस्पताल में नशा-मुक्ति केन्द्र की स्थापना, निर्धारित बिस्तरों की संख्या, स्टाफ की तैनाती, नशा छुड़वाने से संबंधित दवाइयां आदि की उपलब्धता शामिल हैं।विज ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे गत दिनों लखनऊ में आयोजित पुलिस कान्फ्रेंस में प्रधानमंत्री और केन्द्रीय गृह मंत्री द्वारा दिए निर्देशों को अमलीजामा पहनाने के लिए बिंदुवार जानकारी एकत्रित करें ताकि इन निर्देशों को बैठक करने के उपरांत क्रियान्वित किया जा सकें। इसके अलावा, विज ने कहा कि आगामी दो सप्ताह के भीतर नशीली दवाओं, पदार्थों से संबंधित जिलों के नोडल अधिकारी अर्थात डीएसपी, जिला सामाजिक न्याय व अधिकारिता अधिकारियों की ऑनलाईन बैठक बुलाई जाएगी और नशा मुक्ति के संबंध में समीक्षा की जाएगी।

बैठक के दौरान हरियाणा राज्य नारकोटिक कंट्रोल ब्यूरो के प्रमुख एवं एडीजीपी श्रीकांत जाधव ने गृह मंत्री को अवगत कराया कि इस साल नशीली दवाइयों की दस लाख गोलियां पकड़ी गई है लेकिन यह नशीली दवा मेडिकल स्टोर पर आसानी से उपलब्ध हो जाती है, इसलिए हम इस समस्या के उपाय के तौर पर एक ऐप को विकसित कर रहे हैं ताकि ऐसी प्रणाली के माध्यम से नशीली दवाइयों के बिक्री के संबंध में दवाई की पर्ची की जानकारी साझा हो सकें। उन्होंने बताया कि ब्यूरो ने अब तक 325 जागरुकता कैम्पों को लगाया है। इसके अलावा, उन्होंने बताया कि सिरसा, फतेहाबाद, कैथल, रोहतक, फरीदाबाद व करनाल आदि में नशे का कारोबार में लिप्त लोगों को ज्यादा पकड़ा गया है। इसके अलावा, उन्होंने हरियाणा राज्य नारकोटिक कंट्रोल ब्यूरो को सक्षम बनाने लिए अपने सुझाव भी बैठक के दौरान साझा किए और पावर प्वाईंट प्रस्तुति के माध्यम से जानकारी भी दी। बैठक में गृह एवं स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजीव अरोड़ा, पुलिस महानिदेशक पीके अग्रवाल, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून व्यवस्था) नवदीप सिंह विर्क तथा अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (सीआईडी) आलोक मित्तल, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एचएसएनसीबी) श्रीकांत जाधव, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ओपी सिंह, गृह विभाग के सचिव बलकार सिंह, स्वास्थ्य विभाग की महानिदेशक डॉ. वीना सिंह, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के निदेशक राजनारायण कौशिक सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

नशे से संबंधित दवाई की पर्ची के संबंध तैयार की जा रही है ऐप

इसके अलावा, उन्होंने बताया कि कैमिस्ट की दुकानों पर कुछ नशीली दवाइयों के बिक्री के संबंध में दवा की पर्ची के संबंध में भी एक ऐप विकसित की जा रही है ताकि एक ही पर्ची पर ऐसी नशीली दवा को युवा बार-बार न खरीद सकें। विज ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि राज्य में संचालित निजी नशामुक्ति केन्द्रों का समय-समय पर निरीक्षण किया जाए और वहां पर जांच करने के बाद रिपोर्ट उनके सम्मुख प्रस्तुत की जाए। ाज्य के युवाओं, लोगों को नशे से दूर करने व छुड़वाने के लिए उन्होंने कहा कि सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं को संगठित कर लोगों को नशे से दूर करने के लिए अपने-अपने क्षेत्रों में विभिन्न माध्यमों से जागरुकता अभियान चलाने के लिए इन संस्थाओं से आह्वान किया जाएगा ताकि लोगों को नशे की लत से दूर किया जा सकें। उन्हांने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य से नशे को खत्म करने के लिए एक प्राथमिक योजना, रणनीति पर काम किया जाए ताकि नशे का खात्मा किया जा सकें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि हमें ड्रग्स की आपूर्ति व मांग की चेन को तोड़ना है और इस दिशा में पुलिस व स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को मिलकर योजनागत तरीके से आगे बढ़ना होगा। उन्होंने कहा कि इसी कड़ी में गांव-गांव में नशे के विरुद्ध प्रचार व प्रसार करना होगा और इस संबंध में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अधिकारियों के आगे बढ़कर काम करना होगा।

प्रदेश सरकार और प्रशासन खिलाफ नारेबाजी करते कर्मचारी।

कर्मचारियों ने मांगों को लेकर सरकार और प्रशासन के खिलाफ की नारेबाजी

रणबीर रोहिल्ला। सोनीपत

सरकार और प्रशासन कर्मचारियों की मांगों को पूरा करने को लेकर गंभीर नहीं : विनोद शर्मा

हरियाणा गर्वनमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन संबंधित हरियाणा संयुक्त कर्मचारी मंच की जिला कमेटी की बैठक पब्लिक हेल्थ ब्रांच यूनियन कार्यालय नियर लघु सचिवालय जलघर प्रांगण में हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला प्रधान विष्णु दत्त भारद्वाज एवं संचालन जिला सचिव राम प्रसाद ने किया।

जिला प्रधान विष्णु दत्त भारद्वाज ने कहा कि आज सभी ब्रांचों के कर्मचारियों की मांगों एवं समस्याओं को लेकर आम सभा आयोजित की गई। सभा में सभी कर्मचारियों से विचार-विमर्श करने के बाद कर्मचारियों का मांग पत्र आला अधिकारियों को दिया जाएगा। जिसमें अधिकारियों को सभी मांगों को पूरा करने को कहा जाएगा। अगर कर्मचारियों की मांगों को पूरा नहीं किया गया तो संगठन को मजबूर होकर आगामी कार्रवाई करने पर बाध्य होना पड़ेगा। जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी विभाग के अधिकारियों और जिला प्रशासन की होगी। प्रदेश और ब्रांच सचिव विनोद शर्मा ने कहा कि सरकार और प्रशासन कर्मचारियों की मांगों को पूरा करने को लेकर गंभीर नहीं है। संगठन सरकार और प्रशासन से अपील करता है कि कर्मचारियों से किए गए वादों जल्द से जल्द पूरा करें। कर्मचारियों की मुख्यत मांगे एक वर्ष से बकाया, साबुन, तेल, डांगरी, रेन कोट, जूते, प्रमोशन आदि जिला स्तर पर और कच्चे कर्मचारियों को पक्का, जब तक पक्का नहीं किया जाता है तब तक समान काम समान वेतन, पुरानी पेंशन बहाल, खाली पड़े पदों पर स्थाई भर्ती, समय पर वेतन देने आदि मांगों को सरकार जल्द से जल्द पूरा करें। आज की मीटिंग में तेज प्रकाश गौड़, धूप सिंह, शंभू कुमार, अमित कुमार, रणबीर, सतबीर, नरेश, कमला, महेंद्र, रामेश्वर, सुरेन्द्र, देवेन्द्र, राजबीर, दलीप, धर्मेंद्र, याद सिंह, संजय, संदीप, कृष्ण, खुरचाली, भगवान सिंह, पवन आदि मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

मास्क नहीं पहनने वालों के चालान काटने के दिए निर्देश

भिवानी। उपायुक्त आरएस ढ़िल्लो की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग, आईएमए के प्रतिनिधि व अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक में कोरोना की संभावित तीसरी लहर व ओमीक्रॉन वेरिएंट से बचाव को को लेकर संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सरकार द्वारा जारी की गई हिदायतों को सख्ती से लागू करें। लोगों के लिए मास्क पहनना व सोशल दूरी बनाए रखना अनिवार्य करें। मास्क नहीं पहनने वालों के चालान किए जाएं। उन्होंने कहा कि लोगों में कोरोना के नए वेरिएंट से बचाव के प्रति जागरूकता भी लाई जाए। समीक्षा बैठक के दौरान ढिल्लो ने निर्देश देते हुए कहा कि अक्सर स्कूल, कॉलेज, परिवहन, दुकानदार, रेस्टोरेंट आदि में भीड़ का आलम बनता है और यदि कोई भी व्यक्ति कोरोना पॉजीटिव वहां पर होता है तो उससे अन्य लोगों के संक्रमित होने की संभावना होती है। ऐसे में भीड़-भाड़ की जगह पर सोशल दूरी बनाए रखना जरूरी है। इसके साथ ही मास्क पहनना भी अनिवार्य है। उपायुक्त ने कहा कि सरकारी व प्राइवेट संस्थानों के कार्यालयों में भी काम करने वाले अधिकारी व कर्मचारी भी सोशल दूरी बनाना व मास्क पहनना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने निर्देश दिए कि मास्क नहीं पहनने वालों के चालान किए जाएं। संस्था के मुखिया या सर्विस देने वालों के 500 रुपये और अन्य के 200 रुपये के चालान किए जाएं। उपायुक्त ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए कि सरकार द्वारा समय-समय पर चिन्हित किए जाने वाले देशों से आने वाले लोगों का कोरोना से संबंधित टेस्ट किया जाए और क्वारटाईन रखा जाए। उन्होंने एआईएम के पदाधिकारियों को भी निर्देश दिए वे अपने-अपने अस्पतालों में सख्ती से एसओपी लागू करें। उन्होंने कहा कि 50 बैड से अधिक क्षमता वाले अस्पतालों में ऑक्सीजन प्लांट लगाएं। कोरोना उपचार से संबंधित जरूरी संसाधन रखें।

हम सब ने ठाना है हर घर रक्तदाता बनाना है : राजेश डुडेजा

भिवानी। आज भिवानी शहर के एक निजी अस्पतालों में दो यूनिट फ्रैश रक्त की जरूरत पड़ी तो सुनील कुमार व देवेन्द्र सिंह ने आगे आ कर नि स्वार्थ भाव से रक्तदान किया। रक्तवीर राजेश डुडेजा ने बताया कि रक्तदान से बढ़कर कोई दान नही है, यह रक्त जरूरत मन्द आदमी को नया जीवनदान देता है। उन्होंने बताया कि रक्त की जरूरत थैलसीमिया ग्रस्त बच्चो, गर्भवती महिलाओं, दुर्घटनाग्रस्त लोगों के लिए प्लाज्मा व रक्त की सख्त जरूरत होती है। इसलिए सभी युवाओं से अपील की है कि रक्तदान के लिए आगे आये। रक्तवीर मनीष वर्मा ने रक्तदाताओ का आभार व्यक्त किया।

स्कूल बस और रोडवेज की हुई टक्कर में पांच बच्चों सहित 28 घायल

भिवानी। भिवानी-लोहारू मुख्य मार्ग पर गांव ललहाना के समीप आज मंगलवार सुबह निजी स्कूल की बस और रोडवेज बस की सीधी टक्कर हो गई। इस सड़क हादसे में बस में सवार व स्कूल बस में सवार करीब 28 लोगों को चोटें आई, जिन्हें गांव लोहानी व भिवानी के नागरिक अस्पताल लाया गया। हादसे की सूचना पुलिस को दी गई। रोडवेज की बस सतनाली से भिवानी आ रही थी, वहीं स्कूल बस एसईडी सीनियर सेकेंडरी स्कूल ढाणी शंकर जा रही थी। स्कूल बस में विद्यालय का शिक्षण स्टॉफ बैठा हुआ था। स्कूल बस में पांच से छह स्कूली बच्चे भी सवार थे, जिन्हें चोटें आई हैं। सभी घायलों को गांव लोहानी व भिवानी के नागरिक अस्पताल में उपचार के लिए लाया गया। हादसे की जानकारी मिलते सिविल सर्जन व प्रधान चिकित्सा अधिकारी भी आपात विभाग में पहुंचे और घायलों का हालचाल जाना। प्रधान चिकित्सा अधिकारी डाक्टर मंजू कादियान ने बताया कि सभी घायलों की हालत सामान्य है। जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद घर भेजा जाएगा। जूईकलां पुलिस थाना के एसएचओ सतपाल सिंह भी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और हालातों का जायजा लिया। बताया जा रहा है कि सड़क हादसा धूंध की वजह से हुआ है। फिलहाल पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है। सड़क हादसे में रोडवेज बस चालक मांगेराम को भी चोटें आई हैं।

धार्मिक व सामाजिक संस्थाएं मिलकर गीता महोत्सव बनाएं

भिवानी। सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के महानिदेशक अमित अग्रवाल ने धार्मिक व सामाजिक सस्थाओं से आह्वान किया है कि प्रदेशभर में 12 से 14 दिसंबर को आयोजित होने वाले गीता जयंती महोत्सव में जनभागीदार बनकर इसे आमजन का महोत्सव बनाएं। उन्होंने कहा कि गीता से हरियाणा ही नहीं बलिक भारत की संस्कृति समृद्ध बनी है। उन्होंने कहा कि गीता का संदेश प्रत्येक मानव प्राणी के लिए है। अग्रवाल को वीसी के माध्यम से गीता जयंती महोत्सव को लेकर प्रदेशभर के जिलाधाकारियों के साथ गीता महोत्सव की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर आयोजित होने वाले गीता महोत्सव में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी हो, इसके लिए धार्मिक संस्थाओं व सामाजिक संस्थाएं भी आगे आएं। उन्होंने कहा कि मंदिर व अन्य आश्रमों को गीता महोत्सव के दौरान तीनों दिन दीपावली पर्व की तरह ही लाईटों से रोशन हो ताकि गीता महोत्सव की भव्यता और अधिक बने। उन्होंने कहा कि हरियाणा के साथ-साथ गीता के संदेश को विश्व के दूसरे देशों तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गीता महोत्सव का शुभारंभ हवन के साथ किया जाएगा। इसी प्रकार से गीता महोत्सव में गीता पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे, जिसमें स्थानीय स्कूली बच्चे व मुख्यालय से भी कलाकार भेजे जाएंगे।

डॉ. मंगलसेन ऑडिटोरियम में मनाया जाएगा 3 दिवसीय गीता जयंती महोत्सव

करनाल। करनाल के डा. मंगल सेन आडिटोरियम में तीन दिवसीय गीता जयंती महोत्सव बडे ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। इसके साथ ही महाभारत कालीन 48 कोस की परिधि में आने वाले 34 तीर्थों पर भी गीता जयंती महोत्सव मनाया जाएगा। मंगलवार को सूचना, जनसम्पर्क एवं भाषा विभाग के महानिदेशक अमित अग्रवाल के साथ सम्पन्न हुई वीडियों कान्फ्रेंस के बाद अतिरिक्त उपायुक्त योगेश कुमार ने यह जानकारी दी। वीसी में कार्यक्रमों के नोडल व नगर निगम के संयुक्त आयुक्त गगनदीप सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी राजपाल, डीआईपीआरओ कृष्ण कुमार आर्य व राजकीय कॉलेज के प्रतिनिधि प्राध्यापक भी शामिल हुए। उन्होंने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशानिर्देश दिए और उनकी जिम्मेदारियों सौपी। करनाल की सभी सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं की एक अहम बैठक नौ दिसम्बर को 11 बजे उपायुक्त कार्यालय में आयाजित की जाएगी।

11 दिसम्बर को राष्ट्रीय लोक अदालत

करनाल। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण द्वारा 11 दिसम्बर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इसमें अधिकतम मामलों को आपसी तालमेल से सुलझाने का प्रयास होगा। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकारण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी सुश्री जसबीर ने बताया कि इस लोक अदालत में सभी बीडीपीओ, तहसीलदार, नायब तहसीलदार तथा अन्य अधिकारी मौजूद रहेगें ताकि लोगों के मामलों का तुरंत निपटान किया जा सकें।

बिना एसएलसी सरकारी स्कूलों और 134 ए में दाखिले दिलवाए सरकार : विमल किशोर

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

कोरोना काल में आर्थिक संकट के कारण अभिभावक अपने बच्चों की फीस व एनुअल चार्ज नहीं भर सके। परिणाम स्वरूप निजी स्कूल

संचालकों ने बच्चों को स्कूल से निकाल दिया है या अभिभावक अपने बच्चों को स्कूल नहीं भेज पा रहे। ऐसे हजारों बच्चे पढ़ाई से वंचित हैं और उनका भविष्य अधर में लटका हुआ है। दूसरी तरफ बकाया फीस व एनुअल

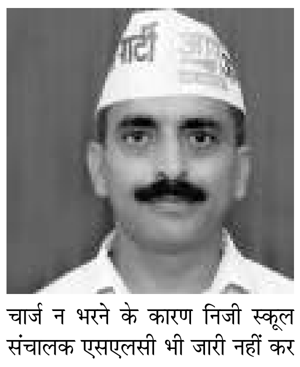

चार्ज न भरने के कारण निजी स्कूल संचालक एसएलसी भी जारी नहीं कर रहे। बिना एसएलसी के बच्चे ना तो सरकारी स्कूल में दाखिला ले पा रहे हैं और ना ही 134 ए में दाखिला ले पा रहे हैं। उक्त बातें छात्र अभिभावक संघ के संयोजक विमल किशोर ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहीं। छात्र अभिभावक संघ के संयोजक विमल किशोर ने जारी विज्ञप्ति में बताया कि कोरोना काल में अभिभावकों की परेशानी को देखते हुए सरकार ने सरकारी स्कूलों में बिना एसएलसी दाखिले के आदेश तो जारी किए थे।

फॉर्च्यूनर कार और 20 लाख कैश पर अड़ा दूल्हा

करनाल शहर के एक निजी होटल में शादी समारोह का था आयोजन

नहीं बैठा मंडप में, पीएचडी पास दुल्हन ने कराया केस दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

केंद्रीय कृषि विभाग में वैज्ञानिक के तौर पर कार्यरत दूल्हे को दहेज में फॉर्च्यूनर कार और 20 लाख रुपये कैश की मांग करना इतना महंगा पड़ा कि पीएचडी पास दुल्हन ने पुलिस को शिकायत देकर दुल्हे सहित तीन के खिलाफ केस दर्ज करा दिया। अब दूल्हा दहेज व कैश मांगने की बातों से इंकार कर रहा है।

एक निजी होटल में शादी समारोह का आयोजन था, बारात आ चुकी थी, रीति रिवाज अनुसार दुल्हन पक्ष वाले बारातियों की आवभगत में जुटे थे। फेरों के पहले की रस्में पूरी हो चुकी थी, ऐन वक्त पर दूल्हे के परिजनों ने फेरे कराने से इंकार कर दिया। दूल्हे के परिजनों से बातचीत करने का प्रयास किया, मान मनोव्वल किया गया। जब बात पता चली तो दुल्हन के परिजन सकते में आ गए। दुल्हन के परिजनों ने आरोप लगाया कि दूल्हा और उसके परिजन 20 लाख कैश सहित फॉर्च्यूनर कार दहेज में मांग रहे थे। जब तक उनकी डिमांड पूरी नहीं होगी, फेरे नहीं होंगे। दुल्हन के परिजन सुबह 8 बजे तक दूल्हा व उसके परिजनों का मान मनोव्वल करते रहे, तब तक दूल्हन शादी के जोड़े में परेशान-हताश बैठी रही। जब कोई हल नहीं निकला तो दुल्हन ने पुलिस बुलाकर दूल्हा बने नसीब, उसके पिता करतार सिंह और उसके भाई के खिलाफ केस दर्ज करा दिया। हालांकि पुलिस के आते ही दूल्हा फेरे लेने के लिए एकदम तैयार हो गया।

लग्न की रस्म के समय ही दूल्हे ने बहनाई-भाई के लिए चेन की डिमांड कर दी : लड़की के ताऊ योगेंद्र तोमर ने बताया कि बरात आई तो 80 बारातियों को चांदी का एक-एक सिक्का दिया। उसके बाद लग्न की रस्म हुई। उसमें उन्होंने सामर्थ्य के अनुसार होने वाले समधी को अंगूठी और दूल्हे को चेन पहनाई। लग्न की रस्म पूरी होने के बाद वहां से उठे तो लड़के ने तुरंत चेन गले से खींचकर फेंक दी। हम हाथ जोड़कर उनसे प्रार्थना करते हुए कारण पूछने लगे। सामने आया कि लड़के के बहनोई और दूसरे भाई के लिए भी चेन की डिमांड थी।

पिता यूपी के किसान.. 8 साल से नहीं मिला गन्ना का पैसा

कोमल ने बताया कि वह हायर एजुकेशन डिपार्टमेंट में लीगल लॉयर हैं। ऐसे दहेज लोभियों के साथ बिल्कुल शादी नहीं करना चाहती। दूल्हा पक्ष ने कहा कि आप सामान की बजाय कैश दे दो। पिता यूपी के किसान हैं। 8 साल से उन्हें गन्ना का पैसा नहीं मिला। वह ब्याज पर पैसे उठाकर शादी कर रहे थे। उन्होंने चार-पांच दिन का टाइम मांगा कि सब अरेंज कर देंगे। कोमल ने बताया कि दूल्हे का भाई प्रीतम और पिता बिल्कुल भी नहीं माने। इसके बाद नसीब, प्रीतम और उनके पिता के खिलाफ शिकायत दी है।

बहनोई ने दी धमकी.. 2 मिनट में बेल करवा लूंगा

लकड़ी पक्ष के परिजनों ने आरोप लगाते हुए कहा कि लडके के बहनोई ने उन्हें धमकाते हुए कहा कि वे दिल्ली में क्राइम ब्रांच में कार्यरत है,गाड़ी की बात हुई थी, कहां है गाड़ी। जल्दी-जल्दी फैसला करो। जब हमने पुलिस बुलाई तो बोला- मैं चुटकियों में, 2 मिनट में बेल करवा लूंगा। कोमल की मां ने कहा कि उसने लडके पक्ष के लोगों के पैर भी पकड़े। कोई मानने को तैयार नहीं हुआ।

दूल्हे का दावा.. नहीं की कोई डिमांड : दूल्हे नसीब ने दावा किया कि उनकी तरफ से कोई डिमांड नहीं की गई। बहनोई ने कहा कि उसकी भी बहन है, उसकी भी शादी हुई है। बेटी भी है। कोई भी बाप-भाई लोभियों को अपनी बहन-बेटी को नहीं देना चाहेगा। लड़के और उसके परिवार की तरफ से कोई डिमांड नहीं की गई।

दुल्हन बोली, नहीं करनी शादी

दुल्हन बनी कोमल ने कहा कि पापा ने आकर बताया कि दूल्हे ने चेन और अंगूठी उतार कर फेंक दी। दूल्हे ने कहा कि उसके दो बहनोई और बड़े भाई के लिए कुछ नहीं दिया। समाज में बेइज्जती कर दी। वह लॉ में पीएचडी हैं, जो उसके साथ ऐसा कर सकता है, वह आम लड़की के साथ कैसा व्यवहार करेंगे।

फेरों पर आने से मना कर दिया

दूल्हा पक्ष मना करते हुए गाली-गलौज कर फेरों के लिए आने से मना कर दिया। इसके बाद दूल्हे पक्ष से बात सामने आई कि गाड़ी भी कहीं नहीं दिख रही। फॉर्च्यूनर गाड़ी की बात कही थी... ऐसे तो रुपए भी नहीं देंगे। लंबे समय तक दूल्हे पक्ष के लोगों में खुसर-फुसर होती रही। हम उन्हें बुला रहे थे और वह हमें लगातार टालते रहे। योगेंद्र तोमर ने बताया कि उनकी बेटी कोमल पीएचडी पास है। जॉब करती है। जब दहेज के लोभी किसी की बेटी को ऐसे छोड़ दे तो कोई पिता क्या करे ?

रीप्ले 2021 : जियोसावन ने देश भर में इस वर्ष के टॉप ऑडियो स्ट्रीमिंग रुझानों को दर्ज किया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

रीप्ले 2021 के साथ, दक्षिण एशिया की सबसे बड़ी म्युजिक और ऑडियो-स्ट्रीमिंग सेवा, जियोसावन ने पूरे भारत से प्राप्त जनवरी और नवंबर 2021 के अपने प्लेटफॉर्म डेटा का विश्लेषण किया, जिसमें जियोसावन ने ऑडियंस की सबसे पसंदीदा प्लेलिस्ट, आर्टिस्ट और पॉडकास्ट का पता लगाने के लिए देश भर में नवीनतम रुझानों को दर्ज किया है।

अर्थव्यवस्था के खुलने के साथ ही, यूजर्स सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक सुनने के कोविड-पूर्व व्यवहार पर लौट आए हैं और प्लेटफॉर्म का अधिकांश उपयोग कर रहे हैं। एकत्र किए गए डेटा से पता चलता है कि जस्टिन बीबर और जुबिन नौटियाल जियोसावन पर सबसे अधिक स्ट्रीम किए गए कलाकार हैं, जबकि एलन वॉकर और डीजे स्नेक जैसे अंतरराष्ट्रीय कलाकारों, अरिजीत सिंह और अलका याज्ञनिक जैसे भारतीय कलाकारों ने क्रमशः अंग्रेजी और हिंदी भाषाओं के सबसे लोकप्रिय कलाकारों के रूप में अपनी रैंक बनाए रखी। बीटीएस 2021 में सबसे ज्यादा स्ट्रीम किया जाने वाला के-पॉप बैंड रहा।

भारतीय कलाकारों द्वारा बनाए गए नए संगीत के साथ जुड़ने और उसको फॉलो करने वाले प्रशंसकों के विविध समुदायों के कारण, विभिन्न शैलियों के स्वतंत्र कलाकारों द्वारा बनाए गए गीतों को भी बहुत पसंद किया गया। बी प्राक, पायल देव और स्टेबिन बेन जैसे स्वतंत्र भारतीय कलाकार इस साल प्लेटफॉर्म पर टॉप आर्टिस्ट बन कर उभरे हैं। गीतों में, पीचेस, स्टे और एट माई वर्स्ट अंग्रेजी भाषा में सबसे अधिक स्ट्रीम किए गए और अंतरराष्ट्रीय संगीत में पॉप पसंदीदा शैली बना रहा। टेशर की जलेबी बेबी और धारिया की शुगर एंड ब्राउनीज भी 2021 में सबसे ज्यादा स्ट्रीम किए जाने वाले गानों में शामिल रहे। लुट गए सबसे ज्यादा स्ट्रीम किया जाने वाला हिंदी गाना रहा, जिसके बाद थोड़ा थोड़ा प्यार और बारिश बन जाना रहा। 2021 की शुरुआत में महामारी के दौरान नई रिलीज़ में ठहराव के परिणामस्वरूप, पुराने कैटलॉग गानों ने जो 12 महीने से अधिक पुराने थे, अधिक लोकप्रियता हासिल की। कुमार शानू और अलका याज्ञनिक का मेरा दिल भी कितना पागल है ऐप पर इस साल के टॉप 20 गानों में शामिल रहा।

एक शैली के रूप में के-पॉप ने अप्रैल 21 से अगस्त 21 तक स्ट्रीमिंग में लगातार वृद्धि दर्ज की और तब से लगातार अपनी उसी स्थिति में बना हुआ है। पॉप, ईडीएम और हिप हॉप के अलावा, दो शैलियों, भक्ति और देसी हिप-हॉप, में भी वृद्धि का रुझान देखा गया। एक शैली के रूप में भक्ति ने जुलाई 21 से महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज की, और इस वर्ष के लिए अक्टूबर 21 में ऑल-टाइम हाई स्ट्रीमिंग को रिकॉर्ड करते हुए महीने दर महीने बढ़ती रही। 2020 के अंत से आउटपरफॉर्मर रही केटेगरी, देसी हिप-हॉप ने भी जुलाई 21 में वृद्धि दर्ज की।

1962 की लड़ाई के 59 वर्षों बाद चीन के साथ सीमा पर तनाव व्याप्त लेकिन तवांग बेखबर

जयंत रॉय चौधरी। तवांग (अरुणाचल प्रदेश)

ढलाव वाली टिन की छत, लकड़ी और ईंट से बने घरों के छोटे-से शहर तवांग में आने वाले पर्यटकों के लिए यह विश्वास करना मुश्किल है कि आजादी के बाद भारत की सबसे निर्णायक लड़ाइयों में से एक इसी शहर में 59 साल पहले लड़ी गई थी। हर जगह नूडल्स से लेकर डोसा तक बेच रहे रेस्त्रां और नए कारोबारी उद्देश्यों के लिए घर लौट रहे स्थानीय लोगों को देखकर यह अंदाजा लगा पाना कठिन है कि इस शहर से उत्तर की ओर 40 किलोमीटर दूर सीमा पर कहीं तनाव भी बना हुआ है। तवांग अरुणाचल प्रदेश की राजधानी ईटानगर से करीब 445 किलोमीटर दूर और 10,000 फुट की ऊंचाई पर स्थित है।

चीन के साथ लगती सीमा पर हिमालय के बर्फीले हिस्से में स्थित इस शहर की रक्षा के लिए सुरक्षाबलों का काफिला मौजूद रहता है। भारत के उत्तरी पड़ोसी चीन ने 1962 में तवांग पर हमला किया था, जिसमें करीब 800 भारतीय सैनिक मारे गए थे और 1,000 सैनिकों को बंधक बना लिया गया था। चीन पिछले एक दशक से सीमा के करीब सैन्य ढांचों का निर्माण कर रहा है जिनमें नए राजमार्ग, सैन्य चौकियां, हेलीपैड और तिब्बत के पठार पर मिसाइल प्रक्षेपण स्थल शामिल हैं। सैन्य सूत्रों के अनुसार, बर्फ से ढकी पर्वतीय सीमा पर चीन की ओर से गश्त दोगुनी करने और कई मौकों पर अनजाने में सीमा पार करने के जवाब में भारतीय सेना ने भी वास्तविक नियंत्रण रेखा पर गश्त तेज कर दी है। करीब 14,000 लोगों की आबादी वाले इस शहर का केंद्र प्राचीन तवांग मठ है जिसका निर्माण 1680 में किया गया था और इसमें ज्यादातर बौद्ध मोनपा और तिब्बती लोग रहते हैं। कुछ नेपाली, मारवाड़ी, असमी और बंगाली निवासी भी यहां रहते हैं।

चीन के साथ सीमा पर तनाव के बावजूद और सीमा से महज तीन घंटे या कई बार उससे भी कम की दूरी पर स्थित तवांग अपनी सामरिक स्थिति से बेखबर दिखाई देता है। शहर में 2016 में पांच होटल थे और अब यह संख्या बढ़कर 20 हो गई है। और भी होटलों का निर्माण किया जा रहा है। तवांग वापस लौटे, लंदन में प्रशिक्षित वकील ल्हामो यांगजोम एक लघु फुटबॉल स्टेडियम बनाना चाहते हैं। उन्होंने एजेंसी से कहा, कारोबार अच्छा चल रहा है। देश और विदेश में बड़े शहरों में जाने के बाद युवा अब घर लौट रहे हैं और उन्होंने नई दुकानें, पर्यटक कंपनियां और होटल खोले हैं। मैं खुद फुटबॉल स्टेडियम बनाने पर विचार कर रहा हूं।

हालांकि, कहीं न कहीं पृष्ठभूमि में चीनी ड्रैगन लोगों के दिमाग में बैठा हुआ है। यांगजोम ने कहा, कई बार मेरी कार के रेडियो में केवल चीनी एफएम बजता है, मुझे नहीं पता कि यह कैसे होता है। कई बार फोन दिखाता है कि जिस विहंगम पर्वत या झरने की मैंने तस्वीरें ली हैं वे चीन में किसी स्थान की हैं... ऐसा लगता है कि जैसे हर समय कोई हमें देख रहा है। लेकिन अब भी लोगों के जेहन में 1962 अक्टूबर की यादें बसी है जब तवांग में लड़ाई हुई थी। जब धोन्दुप परिवार ने सुना था कि तवांग घाटी और बोमडिला के बीच एक और पर्वतीय क्षेत्र सेला में भारतीय रक्षा बल कमजोर पड़ गए हैं तो वे घबराकर उस काफिले का हिस्सा बन गए जो सुरक्षा के लिए असम की ओर रवाना हुआ था। उसी साल 23 अक्टूबर को चीनी सेना के करीब 16,000 सैनिकों ने तवांग को घेर लिया था। तवांग जिले के कुछ लोग तिब्बत और भूटान चले गए जबकि कुछ ने वहीं रुकने का साहस दिखाया।

1914 में मैकमोहन रेखा पर बनी थी सहमति

तवांग मठ के थुप्तेन शेरिंग ने कहा, ज्यादातर लामा (बौद्ध भिक्षु) भाग गए क्योंकि चीनी पीएलए का धर्म विरोधी इतिहास रहा है...हालांकि उनमें से 20-30 वहीं रह गए थे। विश्लेषकों के अनुसार, चीनियों ने पूर्व नियोजित रणनीति के तहत वहीं रह गए कुछ लोगों को लुभाया और मठ या शहर में लूटपाट नहीं की। कुछ ऐसा ही उन्होंने तिब्बत में किया जिस पर उन्होंने 1950 में कब्जा जमाया था। सुरक्षा विश्लेषक मेजर जनरल बिस्वजीत चक्रवर्ती (सेवानिवृत्त) ने कहा, चीनियों ने तवांग पर ध्यान केंद्रित किया जो आज अरुणाचल प्रदेश में है और फिर नॉर्थ ईस्ट फ्रंटियर एजेंसी को बुलाया क्योंकि वहां तिब्बत के छठे दलाई लामा का जन्म हो चुका था और ए क्षेत्र उस सांस्कृतिक-धार्मिक क्षेत्र का हिस्सा थे जहां तिब्बती बौद्ध धर्म का बोलबाला था। दलाई लामा की सरकार और नई दिल्ली के बीच 1914 में मैकमोहन रेखा पर सहमति बनी थी जिसमें हिमालई क्षेत्र पर भारत और तिब्बत के बीच सीमा निर्धारित की गई। हालांकि, चीन ने कभी इस सीमा को स्वीकार नहीं किया। तवांग में एक घर पर हर साल पांच रुपए का कर लगाया जाता है ताकि उन्हें इस बात पर राजी किया जा सके कि उन्हें भारतीय नागरिक के तौर पर मान्यता दी गई है।

पीएम मोदी का सपा पर हमला, कहा लाल टोपी वाले उत्तर प्रदेश के लिए खतरे की घंटी

एजेंसी। गोरखपुर (उत्तर प्रदेश)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश के मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) पर करारा हमला किया। उन्होंने कहा कि अपनी तिजोरी भरने और आतंकवादियों पर मेहरबानी दिखाने के लिए सत्ता चाह रहे लाल टोपी वाले लोग प्रदेश के लिए खतरे की घंटी हैं। प्रधानमंत्री ने गोरखपुर एम्स, खाद कारखाने और आईसीएमआर के क्षेत्रीय केंद्र का लोकार्पण करने के बाद अपने संबोधन में सपा पर हमला करते हुए कहा, 'लोहिया जी और जयप्रकाश नारायण के आदर्शों और अनुशासन को यह लोग कब का छोड़ चुके हैं। आज पूरा उत्तर प्रदेश अच्छी तरह जानता है कि लाल टोपी वालों को लाल बत्ती से मतलब रहा है। उनको आपके दुख तकलीफ से कोई लेना देना नहीं है।'

मोदी ने आरोप लगाया, 'लाल टोपी वालों को सत्ता चाहिए। घोटालों के लिए, अपनी तिजोरी भरने के लिए, अवैध कब्जों के लिए, माफियाओं को खुली छूट देने के लिए। लाल टोपी वालों को सरकार बनानी है आतंकवादियों पर मेहरबानी दिखाने के लिए, उन्हें जेल से छुड़ाने के लिए इसलिए याद रखिए कि लाल टोपी वाले यूपी के लिए रेड अलर्ट हैं। यानी खतरे की घंटी हैं।' गौरतलब है कि लाल टोपी समाजवादी पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं की पहचान है। उन्होंने कहा, 'उत्तर प्रदेश के गन्ना किसान नहीं भूल सकते कि प्रदेश में भाजपा सरकार से पहले की जो सरकार थी उसने कैसे गन्ना किसानों को पैसे के भुगतान में रुला दिया था। किस्तों में जो पैसा मिलता था उसमें भी महीनों का अंतर होता था। उत्तर प्रदेश में चीनी मिलों को लेकर कैसे-कैसे खेल होते थे। क्या-क्या घोटाले किए थे। इससे पूरे उत्तर प्रदेश के लोग अच्छी तरह परिचित हैं।' मोदी ने प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार की तारीफ करते हुए कहा, 'हमारी डबल इंजन की सरकार आपकी सेवा करने में जुटी है। आपको विरासत में जो मुसीबतें में मिली हैं, हम नहीं चाहते कि वह मुसीबतें विरासत में आपकी संतानों को मिलने की नौबत आए। पहले की सरकारों के वह दिन भी देश ने देखे हैं जब अनाज होते हुए भी गरीबों को नहीं मिलता था, आज हमारी सरकार ने सरकारी गोदाम गरीबों के लिए खोल दिए हैं। योगीजी पूरी ताकत से हर घर तक अन्य पहुंचाने में जुटे हुए हैं। इसका लाभ यूपी के लगभग 15 करोड़ लोगों को हो रहा है।'

प्रधानमंत्री ने दावा किया कि पहले की सरकारों ने अपराधियों को संरक्षण देकर उत्तर प्रदेश का नाम बदनाम कर दिया था। आज माफिया जेल में हैं और निवेशक दिल खोलकर उत्तर प्रदेश में निवेश कर रहे हैं। यही डबल इंजन का डबल विकास है। इस पर जनता को विश्वास है और हमें उम्मीद है कि आपका आशीर्वाद आगे भी मिलता रहेगा। मोदी ने इससे पहले 600 एकड़ क्षेत्र में 8603 करोड़ रुपए की लागत से बने हिंदुस्तान उर्वरक रसायन लिमिटेड के खाद कारखाने, 112 एकड़ क्षेत्र में 1011 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित एम्स और गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में स्थित आईसीएमआर के रीजनल मेडिकल रिसर्च सेंटर का लोकार्पण किया।

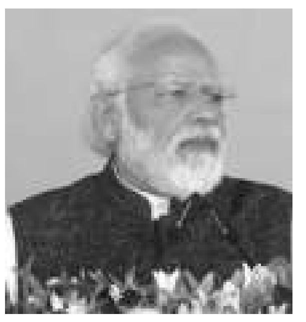

सशस्त्र बलों की दृढ़ता और साहस उत्कृष्ट: मोदी

नई दिल्ली। सशस्त्र बल झंडा दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को सैन्य बलों के अतुलनीय योगदानों की सराहना की और कहा कि उनमें उत्कृष्ट दृढ़ता और साहस है। वर्ष 1949 से, 7 दिसंबर को पूरे देश में सशस्त्र सेना झंडा दिवस के रूप में मनाया जाता है ताकि शहीदों और वर्दी में उन लोगों को सम्मानित किया जा सके, जिन्होंने देश के सम्मान की रक्षा में देश की सीमाओं पर बहादुरी से दुश्मनों का मुकाबला किया और अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। मोदी ने एक ट्वीट में कहा, सशस्त्र बल झंडा दिवस के अवसर पर मैं एक बार फिर सैन्य बलों के अतुलनीय योगदानों को रेखांकित करना चाहूंगा। उनकी दृढ़ता और साहस उत्कृष्ट है। उन्होंने कहा, मैं आप सभी से आग्रह करूंगा कि आप भी हमारी सेना के कल्याण में योगदान दें।

गोरखपुर में बरसों से थी एम्स की मांग

उन्होंने कहा कि गोरखपुर में एम्स की मांग बरसों से हो रही थी लेकिन 2017 से पहले जो सरकार चला रहे थे उन्होंने एम्स के लिए जमीन देने में हर तरह के बहाने किए। जब बात आर या पार की हो गई तब बहुत बेमन से मजबूरी में उस वक्त की सरकार ने एम्स के लिए जमीन आवंटित की थी। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण की शुरुआत पुरबिया बोली से की और क्षेत्र के लोगों को इन विकास परियोजनाओं के लोकार्पण की बधाई दी। उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की वजह से गोरखपुर और बस्ती मंडलों के सात जिलों में दिमागी बुखार के मामले लगभग 90 फीसद तक कम हो चुके हैं। मोदी ने कहा, 'पहले किसानों को खाद के लिए लाठी-गोली तक खानी पड़ती थी। इसलिए हमने अभियान के तहत गोरखपुर के इस फर्टिलाइजर प्लांट समेत देश के चार और बड़े खाद कारखाने खोलने के लिए चुने। आज उनमें से एक की शुरुआत हो गई है बाकी भी अगले वर्षों में शुरू हो जाएंगे।' प्रधानमंत्री ने कहा, 'कोविड-19 के चलते आपूर्ति श्रृंखला टूट गई, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खाद की कीमतें बहुत ज्यादा बढ़ गई लेकिन किसानों के लिए समर्पित और संवेदनशील हमारी सरकार ने यह सुनिश्चित किया कि दुनिया में फर्टिलाइजर के दाम भले बढ़े लेकिन वह बोझ हम किसानों पर नहीं जाने देंगे।'

राज्यसभा में गतिरोध के लिए सरकार जिम्मेदार, 12 सदस्यों का निलंबन रद्द हो: खड़गे

एजेंसी। नई दिल्ली

राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अशोभनीय आचरण के लिए 12 सांसदों को निलंबित किए जाने के बाद से राज्यसभा में चल रहे गतिरोध के लिए सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए मंगलवार को कहा कि अगर इन सदस्यों का निलंबन रद्द कर दिया जाता है, तो सदन सुचारू से चल सकता है, लेकिन ऐसा लगता है कि सरकार सदन नहीं चलाना चाहती है।

उन्होंने संसद भवन के बाहर संवाददाताओं से कहा कि अगर निलंबन जल्द रद्द नहीं हुआ तो राज्यसभा के विपक्षी सदस्य निलंबित सदस्यों के समर्थन में पूरे दिन धरने पर बैठेंगे। खड़गे ने आरोप लगाया, राज्यसभा में जो गतिरोध पैदा हो रहा है, उसके लिए सरकार जिम्मेदार है। हमने बहुत कोशिश की है कि सदन चले। हम बार-बार सदन के नेता (पीयूष गोयल) और सभापति (वेंकैया नायडू) से हमने बार-बार यही कहा कि आप नियम तहत ही निलंबित कर सकते हैं, लेकिन आपने नियम को छोड़ दिया और मानसून सत्र की घटनाओं के लिए हमारे 12 सदस्यों का गलत तरीके से निलंबित किया।

उनके मुताबिक, निलंबित करने से पहले सदस्यों को नामित किया जाना चाहिए। इसके बाद प्रस्ताव आता और फिर निलंबन होना चाहिए। यह भी उसी दिन यानी 11 अगस्त, 2021 को होना चाहिए था। खड़गे ने दावा किया, विपक्षी सदस्यों को अलोकतांत्रिक तरीके से निलंबित किया गया है। हम बार बार सभापति से निवेदन कर रहे हैं कि हमारे सदस्यों के अधिकारों की रक्षा करना आपका फर्ज है। क्या वह सरकार के दबाव में हैं, यह हमें मालूम नहीं है। उन्होंने कहा, इस सत्र में हम बहुत मुद्दे उठाने चाहते थे। इससे पहले 12 सदस्यों को निलंबन रद्द करने का आग्रह किया। लेकिन सरकार नहीं मानी। ऐसा लगता है कि सरकार की मंशा चर्चा करने की नहीं है। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, हमारी आवाज दबाने की कोशिश की जा रही है। मोदीजी तानाशाही तरीके सदन और सरकार चलाना चाहते हैं। द्रमुक के तिरुची शिवा ने कहा, हम शुरू से कह रहे हैं कि निलंबन का फैसला अलोकतांत्रिक है और नियमों के मुताबिक नहीं है। इसलिए हम इसे रद्द करने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा यह भी कहा कि सरकार एक तरह से यह आरोप लगाना चाहती है कि विपक्ष चर्चा से भाग रहा है, जबकि ऐसा नहीं है। लोकसभा में सभी दल चर्चा में शामिल हैं। राज्यसभा में सदस्यों के अधिकारों और संसद के सुचारू से चलाने के लिए लड़ रहे हैं। सिर्फ निलंबन रद्द करने से ही सदन चल सकता है।

संक्षिप्त समाचार

नगालैंड ने आम नागरिकों की मौत के विरोध में हॉर्नबिल उत्सव समाप्त किया

कोहिमा। नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफियू रियो के मंत्रिमंडल ने सेना की कार्रवाई में 14 आम नागरिकों की मौत के खिलाफ प्रदर्शन स्वरूप हॉर्नबिल उत्सव को समाप्त करने का मंगलवार को फैसला लिया। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि राज्य सरकार ने सशस्त्र बल (विशेष अधिकार) कानून रद्द करने की मांग करते हुए केंद्र को पत्र लिखने का भी फैसला किया है। राज्य का सबसे बड़ा पर्यटन आधारित मनोरंजन कार्यक्रम 10 दिवसीय हॉर्नबिल उत्सव राजधानी के समीप किसामा में नगा हेरिटेज गांव में आयोजित किया गया था। यह उत्सव 10 दिसंबर को खत्म होना था। राज्य सरकार ने सोमवार को आयोजन स्थल पर उस दिन का कार्यक्रम रद्द कर दिया। पूर्वी नगालैंड और राज्य के अन्य हिस्सों की कई जनजातियों ने मोन जिले में आम नागरिकों की मौत पर सभी गतिविधियों को निलंबित कर दिया। रियो ने सोमवार को मोन शहर में 14 आम नागरिकों के अंतिम संस्कार में भाग लेते हुए अफस्पा को निरस्त करने की मांगों का समर्थन किया। यह कानून अशांत इलाकों में सुरक्षाबलों को विशेष अधिकार देता है।

मेडप्लस हेल्थ का आईपीओ 13 दिसंबर को खुलेगा

नई दिल्ली। दवा खुदरा श्रृंखला मेडप्लस हेल्थ सर्विसेज का 1,398 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 13 दिसंबर को खुलेगा। कंपनी ने आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 780 से 796 रुपये प्रति शेयर रखा है। कंपनी ने मंगलवार को बताया कि तीन दिन तक चलने वाला आईपीओ 15 दिसंबर को बंद होगा तथा एंकर निवेशकों के लिए बोली दस नवंबर को खुलेगी। आईपीओ के तहत 600 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए जाएंगे। इसके अलावा प्रवर्तक तथा मौजूदा शेयरधारक 798.30 करोड़ रुपये के शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) करेंगे। कंपनी ने अपने ओएफएस आकार को 1,038.71 करोड़ रुपये से घटाकर 798.30 करोड़ कर दिया है। इस निर्गम में कंपनी के कर्मचारियों के लिए पांच करोड़ रुपये मूल्य के शेयर आरक्षित होंगे। कर्मचारियों को अंतिम निर्गम मूल्य से 78 रुपये प्रति शेयर की छूट भी मिलेगी।

इजराइल का लताकिया बंदरगाह पर मिसाइल से हमला

दमिश्क। सीरिया की सेना ने कहा है कि इजराइल के लड़ाकू विमानों ने तटीय शहर लताकिया के बंदरगाह पर मंगलवार तड़के मिसाइलें दागीं। उसने बताया कि हमले में किसी की मौत नहीं हुई है। सीरिया के सरकारी मीडिया ने एक सैन्य अधिकारी के हवाले से बताया कि बंदगाह पर उस स्थान पर मिसाइलें गिरीं जहां अनेक कंटेनर रखे हुए थे, हमले से कई कंटेनरों में आग लग गई। लताकिया आयात के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण बंदरगाह है। सीरिया के सरकारी टीवी पर बताया गया कि बंदरगाह पर पांच बार धमाकों की आवाज आई, कंटेनर जहां रखे थे उस क्षेत्र में बड़े पैमाने पर आग लग गई जिसके बाद दमकल की गाड़ियों को उस ओर भेजा गया। इस बारे में इजराइल की सेना की ओर से अभी कोई टिप्पणी नहीं की गई है।

विदेश सचिव हर्षवर्धन दो दिवसीय यात्रा पर ढाका पहुंचे

ढाका। विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर मंगलवार को ढाका पहुंचे। बांग्लादेश और भारत के मैत्री दिवस मनाने के एक दिन बाद देश के शीर्ष नेतृत्व से मिलने तथा दोनों पड़ोसियों के बीच व्यापक सहयोग की समीक्षा करने के लिए श्रृंगला यहां पहुंचे हैं। बांग्लादेश के विदेश सचिव मसूद बिन मोमेन ने राजधानी में हवाई अड्डे पर श्रृंगला का स्वागत किया। विदेश सचिव बुधवार को बांग्लोदश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के अलावा, अपने समकक्ष और विदेश मंत्री एके अब्दुल मोमेन के साथ भी बैठक करेंगे।भारतीय विदेश मंत्रालय के एक बयान में कहा गया कि बांग्लादेश की यात्रा दोनों देशों के बीच व्यापक सहयोग की समीक्षा करने का अवसर प्रदान करेगी। यह यात्रा 15 से 17 दिसंबर के बीच राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद की बांग्लादेश की राजकीय यात्रा की तैयारी में भी मदद करेगी। भारत और बांग्लादेश ने सोमवार को मैत्री दिवस मनाया था। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1971 में भारत द्वारा बांग्लादेश को मान्यता देने के अवसर पर छह दिसंबर को मैत्री दिवस मनाया जाता है।

आजादी के बाद से जातिवार गणना नहीं की गई: सरकार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सरकार ने मंगलवार को बताया कि देश में आजादी के बाद से जनगणना में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के अलावा अन्य जातिवार गणना नहीं की गई है। लोकसभा में डा. थोल थिरूमावलवन के प्रश्न के लिखित उत्तर में गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने यह बात कही। उनसे पूछा गया था कि क्या सरकार की वंचितों को सामाजिक आर्थिक दृष्टि से ऊपर उठाने के लिए जातिवार गणना करने की कोई योजना है ?इस पर केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि जातियों एवं जनजातियों को समय-समय पर यथा संशोधित (अनुसूचित जाति) आदेश 1950 तथा संविधान अनुसूचित जनजाति आदेश 1950 के तहत विशेष रूप से अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के रूप में अधिसूचित किया गया है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार ने आजादी के बाद से जनगणना में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के अलावा अन्य जातिवार गणना नहीं की है। गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि जनगणना अनुसूची केंद्रीय मंत्रालयों सहित विभिन्न पक्षकारों के साथ परामर्श करके तैयार की जाती है।

मुंबई में ट्रेन की चपेट में आने से जवान की मौत

मुंबई। मुंबई में ट्रेन की चपेट में आने से सेना के एक जवान की मौत हो गई। 31 वर्षीय जवान पिछले एक सप्ताह से लापता था। यह दुर्घटना दो दिन पहले हुई है। जीआरपी ने मामले की जांच शुरू कर दी है। राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि भूपेंद्र सिंह ओमप्रकाश टोकस तकनीकी पाठ्यक्रम के लिए मुंबई आए थे। उन्होंने बताया कि मीरा रोड और दहिसर स्टेशनों के बीच पटरियों को पार करते वक्त रविवार मध्यरात्रि को वह एक ट्रेन की चपेट में आ गए। जीआरपी के कर्मी उन्हें अस्पताल ले गए जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

'पूर्वोत्तर के राज्यों से आफ्सपा हटाया जाए'

एजेंसी। नई दिल्ली

नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) की सांसद अगाथा संगमा ने नगालैंड में सुरक्षाबलों की गोलीबारी में 14 लोगों के मारे जाने की घटना का मुद्दा मंगलवार को लोकसभा में उठाया और कहा कि पूर्वोत्तर के राज्यों से सशस्त्र बल विशेषाधिकार कानून (आफ्सपा) हटाया जाना चाहिए। उन्होंने सदन में शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाया।

पूर्व केंद्रीय मंत्री और मेघालय से लोकसभा सदस्य अगाथा संगमा ने कहा कि यह पहली बार नहीं है कि निर्दोष लोगों को आफ्सपा की वजह से जान गंवानी पड़ी है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में भाजपा की सहयोगी एनपीपी की नेता ने पूर्वोत्तर में पहले की कुछ घटनाओं का उल्लेख किया और कहा, कई नेताओं ने यह मुद्दा उठाया है। अब समय आ गया है कि आफ्सपा को हटाया जाए। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने सीमा पर चीन की आक्रामकता का मुद्दा शून्यकाल में उठाया। उन्होंने दावा किया कि अरुणाचल प्रदेश में चीन ने हमारी सीमा के भीतर गांव बना लिए हैं और पूर्वी लद्दाख में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार से आग्रह है कि इस विषय पर सदन में चर्चा कराए और वास्तविक स्थिति सदन के समक्ष रखे।

लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने नीट-पीजी की काउंसलिंग में विलंब के खिलाफ चिकित्सकों की हड़ताल का मुद्दा शून्यकाल में उठाया और कहा कि सरकार को जरूरी कदम उठाने चाहिए। भाजपा सांसद राजीव प्रताप रूडी ने नीति आयोग की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि गरीबी सूचकांक में बिहार सबसे नीचे है, तमिलनाडु सबसे ऊपर है। उन्होंने कहा कि बिहार काफी पिछड़ा गया है।

ओमिक्रॉन: बाद में पछताने से बेहतर है अभी त्वरित कदम उठाकर सुरक्षित रहें

एजेंसी। ऑक्सफोर्ड (यूके)

ओमिक्रॉन संस्करण की खोज पर, कई देशों ने यात्रा प्रतिबंध और अन्य सार्वजनिक स्वास्थ्य उपायों को लागू करने के लिए तेजी से कदम उठाए, जैसे मॉस्क अनिवार्य रूप से पहनना। लेकिन, इस संबंध में आंकड़ों की कमी को देखते हुए, क्या यह कार्रवाई का सबसे अच्छा तरीका है? इन उपायों की भारी कीमत चुकानी पड़ती है, और कुछ ने तर्क दिया है कि ये उपाय एक अति-प्रतिक्रिया हैं। यात्रा प्रतिबंध के आलोचकों का दावा है कि नए उपायों से वैरिएंट के प्रसार को महत्वपूर्ण रूप से नहीं रोका जा सकेगा।

दरअसल, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अधिकारियों ने देशों से जोखिम विश्लेषण और विज्ञान-आधारित दृष्टिकोण की वकालत करने के बजाय जल्दबाजी में यात्रा प्रतिबंध नहीं लगाने का आग्रह किया है। दूसरों का सुझाव है कि अब तक अपेक्षाकृत हल्की बीमारी की रिपोर्ट को देखते हुए, वायरस के इस नए संस्करण के नुकसान को अधिक महत्व नहीं दिया जाना चाहिए। फिर भी, यूके में वैज्ञानिक सलाहकारों ने चेतावनी दी है कि ओमिक्रॉन के प्रति बहुत सख्त प्रतिक्रिया की आवश्यकता हो सकती है। महामारी के दौरान, नीति निर्माताओं को इस मुद्दे का सामना करना पड़ा है कि अनिश्चितता का प्रबंधन कैसे किया जाए। ओमिक्रॉन संस्करण का उभरना इसका एक और उदाहरण है।

इस क्षेत्र में नीति के लिए पूरी तरह से विज्ञान आधारित दृष्टिकोण अपनाने के डब्ल्यूएचओ के सुझाव के साथ एक समस्या यह है कि वर्तमान में हमारी वैज्ञानिक समझ सीमित है। संक्रमण और अस्पताल में भर्ती होने के साथ-साथ वर्तमान टीकों, परीक्षणों और उपचार की प्रभावशीलता को लेकर अभी भी निश्चित रूप से ज्यादा कुछ कहा नहीं जा सकता है। हालांकि इन मामलों की जांच के लिए परीक्षण चल रहे हैं, सबूत जुटाने में समय लगेगा। फिलहाल, हमारे सामने आने वाले जोखिमों का सटीक आकलन करना मुश्किल है। यहां भी नीति निर्माताओं को दुविधा का सामना करना पड़ता है। यदि वे आगे के डेटा की प्रतीक्षा करते हैं, ताकि वे पूरी तरह से साक्ष्य-आधारित निर्णय ले सकें, तो लागू की जाने वाली किसी भी नीति का पूरा लाभ मिलने में बहुत देर हो सकती है। इसके विपरीत यदि वे अभी प्रतिबंध लगाने का दूसरा रास्ता चुनते हैं, तो नुकसान को कम करने की अधिक संभावना है। लेकिन ऐसी नीति को अपनाने के लिए ठोस सुबूत की कमी का आरोप लगाया जा सकता है और बाद में यह भी हो सकता है कि वायरस का यह संस्करण उतना नुकसानदेह न हो जितना सोचकर प्रतिबंध लगाए गए थे और यह नीति एक गलत फैसला साबित हो।

वैज्ञानिक मुद्दा नहीं

हमें अनिश्चितता का प्रबंधन कैसे करना चाहिए यह कोई वैज्ञानिक मुद्दा नहीं है, यह एक नैतिक मुद्दा है कि हमें विभिन्न नीतियों को लागू करने से पहले उनके नफा नुकसान को कैसे संतुलित करना चाहिए। सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रतिबंध को जल्दी लागू करने से व्यक्तिगत स्वतंत्रता और सेहत जैसे पहलुओं पर बुरा असर पड़ता है। इसी तरह यात्रा प्रतिबंधों के आर्थिक निहितार्थ हैं और इससे अंतरराष्ट्रीय एकजुटता को नुकसान हो सकता है। यदि आंकड़े बाद में दिखाते हैं कि दरअसल यात्रा प्रतिबंधों की जरूरत नहीं थी तो इनके लगाने से होने वाले नुकसान और अधिक कष्टदायक होते हैं। फिर भी इन प्रतिबंधों को कम किया जा सकता है जब सबूत बताते हैं कि ऐसा करना सुरक्षित है।

इसके विपरीत, प्रतिबंध लगाने में देरी करने की कीमत और भी अधिक हो सकती है। यदि एक अधिक पारगम्य संस्करण को अनियंत्रित होने दिया जाता है, तो इससे संक्रमणों में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। बदले में, इससे अधिक लोगों को कोविड से गंभीर परिणाम भुगतने होंगे यह इस बात पर निर्भर करता है कि वर्तमान टीकों ने ओमिक्रॉन के खिलाफ सुरक्षा कम कर दी है या नहीं। स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों को गंभीर रूप से बीमार लोगों की ऐसी लहर से बचाने के लिए, और भी अधिक प्रतिबंधात्मक और दूरगामी नीतियों को लागू करना आवश्यक हो सकता है, जो मॉस्क पहनने और यात्रा प्रतिबंधों से परे हैं। उन्हें लंबी अवधि के लिए लगाना भी आवश्यक हो सकता है। स्वतंत्रता और सेहत के लिए ऐसी नीतियों की लागत वर्तमान में लागू नीतियों की तुलना में कहीं अधिक हो सकती है, और उनसे अन्य सामाजिक नुकसान हो सकते हैं, उदाहरण के लिए, यदि उनमें शिक्षा में रुकावट शामिल है।

हमने महामारी की इस पूरी अवधि के दौरान जो गलतियां की हैं, हमें उनसे सबक लेना चाहिए। महामारी के प्रति शुरुआती प्रतिक्रिया दिखाने में आलस बरतने पर यूके सरकार की चहुं ओर निंदा हुई थी। यदि हम लंबे समय तक व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा करने, जीवन बचाने और अपनी नीति बनाने वाली संस्थाओं में विश्वास बनाए रखने में रुचि रखते हैं, तो बेहतर होगा कि अभी कदम उठाए जाएं।

ओमिक्रॉन बनाम डेल्टा: कोरोना के स्वरूपों पर वैज्ञानिक समुदाय की नजर

वाशिंगटन। दक्षिण अफ्रीका में कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमिक्रॉन के प्रसार और दुनिया भर में कई देशों से इसके मामले सामने आने के बाद चिंतित वैज्ञानिक एक ऐसी लड़ाई को देख रहे हैं, जो महामारी का भविष्य तय करेगी। क्या ओमिक्रॉन दुनिया में तबाही मचा चुके डेल्टा से आगे निकलेगा?

हार्वर्ड मेडिकल स्कूल नीत एक अनुसंधान में कोविड के स्वरूपों की निगरानी करने वाले डॉक्टर जैकब लेमिक्स ने कहा, अब भी शुरुआत ही है, लेकिन बढ़ते समय के साथ आंकड़े आ रहे हैं जो इस ओर इशारा करते हैं कि ओमिक्रॉन सभी जगह तो नहीं, लेकिन कुछ जगहों पर डेल्टा स्वरूप को पीछे छोड़ सकता है। उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से खतरे की आशंका है। लेकिन अन्य की राय में अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि ओमिक्रॉन का प्रसार डेल्टा से ज्यादा तेज गति से होगा और अगर ऐसा होता है तो कितनी तेजी से यह आगे निकलेगा। रोचेस्टर के मायो क्लीनिक के नैदानिक विषाणु विज्ञान के निदेशक मैथ्यू बिन्किर ने बताया कि खास तौर पर अमेरिका में डेल्टा के मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा रही है और ओमिक्रॉन इससे आगे बढ़ पाएगा, इसका पता अगले दो सप्ताह में चलेगा। ओमिक्रॉन के बारे में कई सवालों के जवाब भी तलाशे जाने हैं कि इस स्वरूप से मरीज आंशिक या गंभीर रूप से पीड़ित होता है और यह टीका या पूर्व में संक्रमण से पैदा हुए प्रतिरोधक क्षमता से कितना बच पाता है। वहीं ओमिक्रॉन के प्रसार के मुद्दे पर वैज्ञानिक दक्षिण अफ्रीका की तरफ इशारा करते हैं, जहां इस स्वरूप का मामला सबसे पहले सामने आया।

पायनियर
हरियाणा, बुधवार, 08 दिसंबर, 2021

कोरोना के नए वैरिएंट से नोएडा में अलर्ट

ऑक्सीजन की सप्लाई दुरुस्त रखने के लिए तैयारियां शुरू, जल्द शुरू होगा नया प्लांट

- रिफिलिंग क्षमता 300 से बढ़कर 900 सिलेंडर होगी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गौतमबुद्ध नगर जिला प्रशासन और जिला स्वास्थ्य विभाग कोरोना वायरस के नए वैरिएंट ओमीक्रोन को लेकर अलर्ट हो गया है।

कोरोना की तीसरी लहर को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। अगर कोरोना की संभावित तीसरी लहर ओमीक्रोन आई तो ऑक्सीजन की दिक्कत ना होए इसको लेकर औषधि निरीक्षक ने सूरजपुर इंडस्ट्रियल एरिया का निरीक्षण किया है।

निरीक्षण के दौरान मेडिकल ऑक्सीजन निर्माण, टेस्टिंग और फिलिंग संबंधित सभी उपकरण व अभिलेखों की जांच की गई। औषधि निरीक्षक ने 5 ऑक्सीजन सिलेंडर के प्रेशर की जांच की, जो सही पाई गई। मेडिकल ऑक्सीजन का उत्पादन आत्यनुधिक उपकरणों से किया जा रहा है। आईनॉक्स एयर प्रोडक्ट्स वर्क्स के मैनेजर नवीन मिश्र ने बताया कि मेडिकल ऑक्सीजन की रिफिलिंग क्षमता 300 सिलेंडर प्रति शिफ्ट से 900 सिलेंडर प्रति 3 शिफ्ट में की जा सकती है, जिसे बढ़ाकर जिलाधिकारी सुहास एलवाई के निर्देशों अनुसार 1100 सिलेंडर प्रति 3 शिफ्ट तक रिफिलिंग करने की तैयारी चल रही है।

इनॉक्स एयर प्रोडक्ट्स कंपनी जल्द जिले को एक अन्य मेडिकल ऑक्सीजन रिफिलंग प्लांट देगी, जिसकी क्षमता 300 सिलेंडर प्रति शिफ्ट होगी। नया प्लांट तैयार करने की प्रक्रिया चल रही है, जिसका निर्माण कार्य प्रगति पर है।

औषधि निरीक्षक ने बताया कि निर्माण कार्य पूर्ण होने पर मेडिकल ऑक्सीजन रिफिलिंग यूनिट का निरीक्षण भारत सरकार, औषधि निरीक्षक और राज्य सरकार के औषधि निरीक्षक संयुक्त रूप से करेंगे, जिसके बाद जनपद गौतमबुद्ध नगर को मेडिकल ऑक्सीजन रिफिलिंग प्लांट यूनिट संचालन करने की अनुमति जल्द मिल जाएगी। इससे जिले की क्षमता बढ़ेगी।

प्रताप विहार में सफाई अभियान की शुरुआत

गाजियाबाद। कोरोना वायरस के नए वेरिएंट की दस्तक के साथ ही खोड़ा नगर पालिका परिषद हरकत में आ गई है । इसी कड़ी में खोड़ा नगर पालिका ने पूरे नगर पालिका क्षेत्र में सफाई एवं जागरूकता अभियान युद्ध स्तर पर शुरू कर दिया है। यह अभियान 13 दिसंबर तक चलेगा। प्रताप विहार के वार्ड संख्या 30 में इस अभियान की शुरुआत हो गई।

खोड़ा नगर पालिका के चेयरमैन रीना भाटी और अधिशासी अधिकारी कृष्ण कांत मिश्रा ने झाड़ू लगाकर इस अभियान की शुरुआत की। इस मौके पर बड़ी संख्या में पालिका के सफाई कर्मचारी मौजूद थे। पालिका के अधिशासी अधिकारी कृष्ण कांत मिश्रा ने बताया कि हर मोहल्ले में जा रहे हैं और जहां भी गंदगी मिल रही है उसे हटा रहे हैं। सेनेटरी एंड फूड इंस्पेक्टर संजीव कुमार अवाना ने बताया कि पूरे इलाके को सेक्टर में बांटकर यह अभियान चलाया जा रहा है।

राशिफल ज्योतिष गुरु राजेश जी सेक्टर-19 फरीदाबाद

मेष

दिन की शुरुआत अच्छी रहेगी। ऑफिस का माहौल बेहतर रहेगा। काम से दूसरों को इम्प्रेस करने की कोशिश करेंगे। अध्यापकों के लिए दिन अच्छा रहेगा। मेहनत रंग ला सकती है। घर-परिवार में सुख बना रहेगा। कॅरियर में फैसले लेने पड़ सकते हैं। कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी। दिन शुभ रहेगा। दोस्तों के साथ सैर-सपाटा कर सकते है। संयम और साहस का दामन थामे रखें।

(चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)

भाग्यांक: 5

विशेष: मां दुर्गा को लाल चुनरी चढ़ाएं।

वृष

आकस्मिक मुनाफे के जरिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। आर्थिक मामलों को जरूरत से ज्यादा गंभीरता से लेगा और घर में तनाव भी पैदा होगा। रोमांस में दिमाग का उपयोग भी करें, दफ्तर में अपनी गलती स्वीकार करना आपके पक्ष में जाएगा। आपकी वजह से जिसे नुकसान हुआ हो, उससे माफी मांगने की जरूरत है। आपके साथ सब बेहतर होगा।

(ई, ऊ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)

भाग्यांक: 4

विशेष: ब्राह्मण के पैर छूकर उन्हें उपहार दे।

मिथुन

आज सोच-समझकर फैसले लेकर आगे बढ़ सकते हैं। अपने विचारों से दूसरों को सहमत कराने में सफल हो सकते हैं। दायरा बढ़ सकता है। नई जगह पर भी जाने के योग हैं। नए लोगों से भी मुलाकात हो सकती है। इससे फायदा होगा। जितनी मेहनत करेंगे, उतने ही सफल हो सकते हैं। बेरोजगार लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है। धन में वृद्धि होगी। सेहत का ध्यान रखे।

(का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, हा)

भाग्यांक: 2

विशेष: मंदिर जाकर भगवान के दर्शन करें।

कर्क

जीवनसाथी पर पैसा खर्च कर सकते हैं। बच्चों के भविष्य को लेकर आप गंभीर रहेंगे। छात्र पढ़ाई समाप्त कर नौकरी कर सकते हैं। जीवनसाथी का पूरा सहयोग प्राप्त होगा। आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर होगी। पार्टनर के साथ संबंध मधुर होंगे। शेयर-सट्टे में संभलकर चलिएगा। मन में खिन्नता का अनुभव कर सकते हैं। खर्चों में वृद्धि होने से मन परेशान रह सकता है। आपके काम आसान होंगे।

(ही, हूं, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो)

भाग्यांक: 5

विशेष: गायत्री मंत्र का जप करें।

सिंह

आज का आपका दिन सामान्य रहेगा। रिश्तों को संजोने की कोशिश कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में बाधाएं आ सकती हैं। ऑफिस में देर तक काम करना पड़ सकता है। घर में बड़ों से डांट पड़ सकती है। लोग आपकी एडवाइस से असहमत हो सकते हैं। पैसों के विवाद में पड़ने से बचें। आपकी सभी परेशानियों का हल निकलेगा। सबके साथ संबंध अच्छे रहेंगे।

(मा, मी, मू, में, मो, टा, टी, टू, टे)

भाग्यांक: 4

विशेष: ईष्टदेव को फूल अर्पित करें।

कन्या

लोगों को महत्वपूर्ण फैसला लेने के लिए बाध्य होना पड़ सकता है। तनावग्रस्त और चिंतित हो सकते हैं। जमा-पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। दिन के उत्तरार्ध में आई अच्छी खबर पूरे परिवार को खुशी देगी। प्रेम हमेशा आत्मीय होता है और यही बात आप आज अनुभव करेंगे। आज के दिन आप सबके ध्यान का केंद्र होंगे और सफलता पहुंच में होगी। सभी काम बनते नजर आएंगे।

(टो, पा, पी, पू, ष, ष, ण, ठ, पे, पो)

भाग्यांक: 2

विशेष: मंदिर में चंदन का टुकड़ा दान करें।

तुला

आज खुश रहने की कोशिश करें। जो लोग आ धोखा देना चाह रहे हैं। आप उनका झूठ भी समझ सकते हैं। भावनाएं जताने की कोशिश करेंगे तो प्रेमी मन की बात समझ सकता है। रिश्तेदार के साथ बिताया गया समय बहुत उपयोगी साबित हो सकता है। बजुर्ग की राय से लाइफ में फायदेमंद बदलाव हो सकता है। सब अच्छा होगा। वाणी पर संयम रखें तो अच्छा होगा। खुद को नियंत्रण में रखें। कार्यक्षेत्र में नया डिसीजन न लें। आपके साथ सब ठीक होगा। बिजनेस के मामले में निर्णय सफल होंगे।

(रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते,)

भाग्यांक: 5

विशेष: रोटी का चूरमा बनाकर चिड़ियों को डालें।

वृश्चिक

घर में धन से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा मिलेगा। बच्चों की तरफ से शुभ समाचार मिल सकते हैं। आर्थिक स्थिति में सुधार आयेगा, मन पसंद की कोई चीज खरीद सकते हैं। धन संबंधी समस्याओं का निपटारा होगा। संतान से सुख प्राप्त होगा। सावधानी से कदम बढाना होगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। वस्त्रों के प्रति रुझान रहेगा। मेहनत का परिणाम जरूर मिलेगा। व्यवहार दूसरों को प्रभावित कर सकता है। ऑफिस में सभी लोग काम से खुश हो सकते हैं। आर्थिक मामले में शांत मन से विचार करना अच्छा होगा।

तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू,)

भाग्यांक: 6

विशेष: शिवलिंग पर जल चढ़ाएं।

धनु

खुद पर गर्व महसूस करेंगे। संतान पक्ष से खुशी मिलने वाली है। घर में लोग बधाई देने आ सकते हैं। ऑफिस के काम समय से पूरे हो जाएंगे। जीवनसाथी काम में हाथ बटाएंगे। रिश्तों में प्यार बढ़ेगा। परिवार के साथ दिन अच्छा बीतेगा, घूमने का प्लान बना सकते हैं। योजनाएं सफल होंगी। तनाव से बचने के लिए संगीत का सहारा लें। बड़ी योजनाओं के जरिए लोगो का ध्यान आकर्षित कर सकते है। सेहत का ध्यान रखे।

(ये, यो, भा, भी, भू, ध, फा, ढा, भे)

भाग्यांक: 3

विशेष: भगवान नारायण का ध्यान करें।

मकर

मानसिक लाभ के लिए ध्यान करना उपयोगी रहेगा। खर्च करते वक्त खुद आगे बढ़ने से बचें। घर में छोटे-मोटे बदलाव घर की सजावट में चार चांद लगा देंगे। एकतरफा प्यार निराश कर सकता है। योग्य कर्मियों को पदोन्नति या आर्थिक मुनाफा हो सकता है। सोच-समझकर कदम बढ़ाने की जरूरत है। दिमाग का ज़्यादा इस्तेमाल करना होगा। काम में फायदा होगा। धार्मिक स्थान पर जाकर मन को शांति और सुकून मिलेगा।

(भो, जा, जी, खी, खू, खा, गा, गी)

भाग्यांक: 3

विशेष: गणेश जी को हल्दी की गांठ चढ़ाएं।

कुंभ

लोगों से मिलने और बातें करने में सफल हो सकते हैं। आसपास के लोगों पर ध्यान रखें। ऑफिस में जिम्मेदारी वाला काम मिल सकता है। दूसरों की मदद से किए कामों में उलझ सकते हैं। परिवार के साथ मांगलिक काम हो सकते हैं। दोस्तों से मदद मिल सकती है। पैसे कमाने की कोशिशों में सफलता मिलने की संभावना बन रही है। सब अच्छा होगा। नौकरी में प्रदर्शन पहले से बेहतर हो सकता है। पैसों के काम से छोटी यात्रा हो सकती है।

(गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)

भाग्यांक: 1

विशेष: चिड़ियों को दाना खिलाएं।

मीन

बेवजह तनाव लेने की जरूरत नहीं है। प्रेमी से मुलाकात आपके लिए लाभदायक रहेगी। शत्रु चिंतित करेंगे। संपत्ति से लाभ होगा। निवेश तथा नौकरी के अनुकूल परिणाम होंगे। नए लोगों से मुलाकात हो सकती है। आपके घर मेहमानों का आगमन हो सकता है। रुका हुआ व्यापार फिर से चलने लगेगा। आपके मददगार रवैये और खुशमिजाजी के कारण समाजिक क्षेत्र में आपका मान बढ सकता है। दिनभर पॉजिटिव ऊर्जा बनी रहेगी।

(दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची)

भाग्यांक: 8

विशेष: 'ऊँ' का उच्चारण करें।

विवाद में भाइयों ने व्यक्ति को कार से कुचला

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा के घरबरा गांव में पैसों के लेनदेन में एक व्यक्ति की कार से कुचलकर हत्या कर दी थी। ग्रेटर नोएडा के ईकोटेक-1 थाना क्षेत्र में एक वारदात हुई थी।

पुलिस ने इस मामले में कार से कुचलकर हत्या करने वाले एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, दूसरा आरोपी अभी फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है। अपर पुलिस उपायुक्त विशाल पांडे ने बताया कि थाना ईकोटेक-1 क्षेत्र के घरबरा गांव में रहने वाले नितिन का मोबाइल फोन की दुकान चलाते हैं। वह ऑनलाइन पैसे ट्रांसफर करने का भी काम करते हैं। अरुण और नकुल नामक दो भाइयों का पैसे ट्रांसफर करने वाले नितिन से पैसे के लेनदेन को लेकर विवाद था।

दोस्त की गर्दन काटी, युवक गिरफ्तार

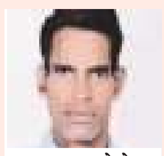

फाइल फोटो

गाजियाबाद। लाल कुआं इलाके में युवक की गर्दन काटकर हत्या करने के मामले का कविनगर पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने मृतक के दोस्त को गिरफ्तार किया है। प्रमोद लोधी नामक एक युवक की लाश उसके घर के पास से कूड़े के ढेर से बरामद हुई थी। पुलिस अधीक्षक नगर द्वितीय नितिन अग्रवाल ने बताया कि प्रमोद प्रेजिशन प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में मशीन ऑपरेटर की नौकरी करता था। प्रदीप मिश्रा भी मशीन ऑपरेटिंग की नौकरी करता था। मशीन खराब होने पर आरोप अक्सर संदीप पर आता था। इसी बात को लेकर संदीप और प्रमोद में अक्सर विवाद रहता था। करीब एक महीने पहले भी दोनों में विवाद हुआ था, जिसके बाद संदीप ने प्रमोद को रास्ते से हटाने का फैसला कर लिया था।

नोएडा एक्सप्रेसवे पर सड़क हादसे

स्कॉर्पियो कार अनियंत्रित होकर पलटी

- हादसे में 8 लोग गंभीर रूप से घायल

पायनियर समाचा सेवा। नोएडा

नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर बीती रात को बड़ा हादसा हुआ है। इस हादसे में 8 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिनको इलाज के लिए नोएडा के 2 अस्पताल में एडमिट करवाया गया।

घटना की जानकारी मिलने के बाद नोएडा पुलिस और एक्सप्रेसवे राहत टीम मौके पर पहुंची। सभी लोगों को अस्पताल में भर्ती करवा कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। गौतमबुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरेट के मीडिया प्रभारी ने बताया कि नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर बीती देर रात को फेस-2 थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक बड़ा हादसा हुआ। यह हादसा पंचशील अंडरपास के ऊपर नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर हुआ है। एक्सप्रेसवे पर एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो कार अनियंत्रित होकर पलट गई। पुलिस ने बताया कि हादसे के वक्त स्कॉर्पियो कार में 8 लोग सवार थे। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल 4 यात्रियों को फि लिक्स अस्पताल और 4 यात्रियों को यथार्थ अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घायलों की पहचान राहुल, अनिल, राजेश, विशाल, गगन गुप्ता, चेतन, अमित तथा शिव के रूप में हुई है। सभी यात्री खतरे से बाहर है और उपचार किया जा रहा है। वहीं ग्रेटर नोएडा के बीटा-2 थाना प्रभारी ने बताया कि मंगलवार की सुबह करीब 3:30 बजे यमुना एक्सप्रेसवे पर एक बड़ा हादसा हुआ।

अज्ञात वाहन से टकराया कंटेनर

एक्सप्रेसवे पर जेवर से नोएडा जाते समय एचपी पेट्रोल पंप से पहले एक कंटेनर किसी अज्ञात वाहन से टकरा गया। इस हादसे में कंटेनर चालक चंद्रवीर उर्फ रवि निवासी टप्पल अलीगढ़ की मौत हो गई। थाना प्रभारी ने बताया कि नोडा पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कंटेनर मालिक और मृतक के परिजनों को घटना की जानकारी दे दी गई है। इस मामले में उस वाहन की भी तलाश की जा रही है, विश्वास से टकराकर कंटेनर चालक की मौत हुई है। इस मामले में बीटा-2 पुलिस छानबीन कर रही है। वहीं लोगों से पूछताछ की जा रही है।

जीडीए ने दो महीने में बेची 200 करोड़ की संपतियां

अशोक निर्वाण। गाजियाबाद

गाजियाबाद में संपत्ति की मांग धीरे-धीरे बढ़ती जा रही है। इसी कड़ी में गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने पिछले दो महीनों के दौरान करीब 200 करोड़ रुपए की अपनी संपत्ति बेचने में सफलता पाई है। इसमे खास बात यह है कि जितनी भी संपत्ति की बिक्री हुई है उसमें ज्यादातर व्यवसायिक या फिर औद्योगिक उपयोग की है। जीडीए के आंकड़े बताते हैं कि आवासीय संपत्ति की उस स्तर पर बिक्री नहीं हो पाई जिसकी उम्मीद जीडीए अधिकारियों को थी। फिर भी कुल मिलाकर संपत्ति बेचने के जो नतीजे पिछले 2 महीने के दौरान आए हैं उनसे जीडीए के अधिकारी उत्साहित हैं। जीडीए के सहायक अभियंता व्यवसायिक मनोज सागर में बताया कि जीडीए ने अपनी संपत्ति को बेचने के लिए 21 अक्टूबर से शिविर आदि लगाने का काम शुरू किया था।

मधुबन बापूधाम योजना में बढ़ी लोगों की रूचि

सबसे ज्यादा संपत्ति जीडीए की मधुबन बापूधाम योजना में बेची गई है। उसमें भी ज्यादातर संपत्ति औद्योगिक व व्यवसायिक उपयोग की थी। इसके अलावा इंदिरापुरम में भी जीडीए ने कुल 24 आवासीय भूखंडों की बिक्री के लिए नीलामी निकाली थी। जिसमे से 23 भूखंडों की बिक्री हो चुकी है। इससे जीडीए को करोड़ों की आय हुई है।

निजी बैंकों व फाइनेंस कंपनियों से करोड़ों की ठगी करने वाले दो गिरफ्तार

नोएडा। फर्जी दस्तावेज के आधार पर निजी बैंकों और फाइनेंस कंपनियों से करोड़ों का ऋण लेने वाले गिरोह के दो लोगों को थाना सेक्टर 20 पुलिस ने सोमवार रात को गिरफ्तार किया है। पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि आरोपी प्रधानमंत्री आवास योजना की वेबसाइट से डेटा लेकर फर्जी आधार कार्ड और पैन कार्ड बनवाते थे। उन्होंने बताया कि इन लोगों ने सेक्टर में ठगी करने के लिए एक कंपनी खोली थी। पुलिस को इनके 21 बैंक खातों के बारे में जानकारी मिली है जिनमें 75 लाख रुपये जमा हैं। अपर पुलिस उपायुक्त (जोन प्रथम) रणविजय सिंह ने बताया कि आरोपियों के कब्जे से पांच लैपटॉप, आठ मोबाइल फोन और 20 फर्जी पैन कार्ड मिले हैं। इनके कुछ साथी फरार हैं जिनकी पुलिस तलाश कर रही है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच कर रही पुलिस ने सोमवार की रात को उक्त धोखाधड़ी के मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

दहेज हत्या के आरोप में युवक को आठ साल जेल की सजा

नोएडा। नोएडा में दहेज के लिए विवाहिता की हत्या करने के दोषी एक व्यक्ति को यहां की एक स्थानीय अदालत ने आठ साल जेल की सजा सुनाई है और मामले में सह-आरोपी व्यक्ति की मां को सात साल जेल की सजा सुनाई है।

अभियोजन अधिकारी ब्रह्मजीत भाटी ने बताया कि नोएडा के फेज-तीन थाने में अक्टूबर 2018 में एक युवक ने मामला दर्ज कराया था कि दहेज के लिए उसकी बहन के पति पंकज और सास श्रीदेवी ने उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने मामले में जांच के बाद आरोपियों के खिलाफ अदालत में आरोपपत्र दायर किया। उन्होंने बताया कि अदालत ने मामले में सुनवाई के दौरान सभी पक्षों पर गौर करने के बाद पंकज को आठ और श्रीदेवी को सात वर्ष के कारावास की सजा सुनाई और उन पर पांच-पांच हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया।

संक्षिप्त समाचार

औद्योगिक इलाकों से डोर-टू डोर कूड़ा कलेक्शन शुरू

गाजियाबाद। औद्योगिक नगरी गाजियाबाद के औद्योगिक क्षेत्रों में पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (ट्रिपल पी) मॉडल के आधार पर डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन का कार्य शुरू कर दिया गया। महापौर आशा शर्मा व नगर आयुक्त महेंद्र सिंह तंवर ने बुलंदशहर रोड औद्योगिक क्षेत्र में कूड़ा कलेक्शन वाहन को हरी झंडी दिखाई। पहले चरण में बुलंदशहर रोड औद्योगिक तथा अमृत स्टील कंपाउंड में कूड़ा कलेक्शन होगा। नगर आयुक्त ने इस अवसर पर बताया कि सभी औद्योगिक इकाइयों से कूड़ा एकत्र किया जाएगा, जिसका व्यय औद्योगिक क्षेत्रों द्वारा वहन किया जाएगा। जिससे औद्योगिक क्षेत्र आत्मनिर्भर बनेंगे। नगर स्वास्थ अधिकारी डॉ. एमके सिंह ने बताया कि शहर को कचरा मुक्त करने का कार्य और बेहतर तरीके से करने के लिए इस योजना को धरातल पर लाया गया है।

तीन बाइकों पर चोरों ने किया हाथ साफ

मसूरी। मसूरी थाना क्षेत्र के नाहल गांव में 3 दिन में चोरों ने तीन बाइको पर दिनदहाड़े हाथ साफ कर फरार हो गए। हुसैन और फारुख के घर के बाहर खड़ी बाइक पर चोरों ने दिनदहाड़े चोरी कर ली। कलेक्ट्रेट मोहल्ले में भी चोरों ने एक युवक की बाइक पर हाथ साफ कर दिया यानी कि 3 दिन में तीन बाइक पर चोरों ने हाथ साफ कर दिया। एसएचओ योगेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है। जल्द ही चोरों को गिरफ्तार कर वाहनों को बरामद कर लिया जाएगा।

तमंचे के साथ दो शातिर बदमाश गिरफ्तार

गाजियाबाद। मोदीनगर थाने की पुलिस ने मंगलवार को कादराबाद बम्बे के पास दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से एक देशी तमन्चा, दो चार जिन्दा कारतूस व एक देशी पोनिया बरामद किये हैं। पुलिस क्षेत्राधिकारी मोदीनगर सुनील कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों में भदौडा मोदी नगर निवासी शैलेंद्र कुमार मलिक तथा ईसापुर भोजपुर निवासी चिंकू हैं। आरोपी कई अपराधिक वारदातों को अंजाम दे चुके हैं।

नोएडा प्राधिकरण और किसानों के बीच टकराव

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा प्राधिकरण और नोएडा एंप्लाइज एसोसिएशन के अध्यक्ष कुशलपाल चौधरी के बीच मंगलवार को टकराव हुआ है।

इस टकराव के दौरान पुलिस ने जबरदस्ती कुशलपाल चौधरी को अंदर घुसा दिया, जिसके बाद किसानों में भारी रोष है। ऐसे में किसानों का कहना है कि कुशलपाल चौधरी अब प्राधिकरण दफ्तर में घुस तो गए लेकिन अब उनको बाहर नहीं निकलने दिया जाएगा। नोएडा प्राधिकरण पर इस समय टकराव की स्थिति बनी हुई है।

दरअसल नोएडा में पिछले लगभग 3 महीनों से किसानों ने नोएडा प्राधिकरण का घेराव किया हुआ है। पिछले कुछ दिनों से किसानों ने प्राधिकरण के सभी गेट पर ताले जड़ दिए है, जिसके कारण प्राधिकरण के अफसर और कर्मचारी अंदर नहीं घुस पा रहे हैं।

यह अधिकारी आसपास में मौजूद कंपनियों में बैठकर नोएडा प्राधिकरण का काम कर रहे हैं। नोएडा एम्पलाइज एसोसिएशन के अध्यक्ष कुशलपाल चौधरी अपने साथियों के साथ प्राधिकरण पहुंचे और वहां पहुंच कर उन्होंने अपने दफ्तर में जाने की बात किसानों से कही। जिसके बाद गेट नंबर-3 पर बैठे किसानों और कुशलपाल चौधरी के तीखी नोकझोंक देखने को मिली। इसी नोकझोंक के बाद भारी संख्या में किसान और कुशलपाल चौधरी संग उनके साथियों के बीच तकरार होने लगी।

14वीं मंजिल से कूदकर महिला ने की आत्महत्या

नोएडा। थाना सेक्टर-49 क्षेत्र के सेक्टर-76 स्थित स्काईट्रेक मेट्रो सोसायटी में रहने वाली एक 65 वर्षीय महिला ने 14वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। वह मानसिक रूप से तनाव में थी।थाना सेक्टर-49 के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार सिंह ने बताया कि गीता वह काफी समय से बीमार थी। वहीं थाना सेक्टर 20 क्षेत्र में रहने वाले शोभित कुमार 21 वर्ष नामक युवक ने मानसिक तनाव के चलते पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया।

कासा ग्रीन सोसाइटियों में शुरू हो सकता है रजिस्ट्री

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा वेस्ट के कासा ग्रीन के निवासियों के फ्लैटों की रजिस्ट्री की पुरानी मांग जल्द पूरी हो सकती है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की पहल पर बिल्डर और खरीदारों की बैठक में इस मसले पर सहमति बन गई है। ग्रेटर नोएडा के बिल्डर प्रोजेक्ट से जुड़े फ्लैट खरीदारों के मसले सुलझाने के लिए प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी नरेंद्र भूषण के निर्देश पर बिल्डर-बायर्स बैठकें लगातार हो रहीं हैं।

प्राधिकरण के ओएसडी और बिल्डर सेल के प्रभारी संतोष कुमार की अगुवाई में कासा ग्रीन के फ्लैट खरीदारों और बिल्डर प्रतिनिधियों

की बैठक हुई। कासा ग्रीन के फ्लैट खरीदारों ने बताया कि कासा ग्रीन के करीब 300 फ्लैट ऐसे हैं, जिनकी रजिस्ट्री जल्द हो सकती है, बशर्ते बिल्डर प्राधिकरण का बकाया रकम चुकता करके अनुमति प्राप्त कर ले। खरीदारों ने बताया कि इनमें से कुछ फ्लैटों के लिए ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट बिल्डर पहले ही प्राप्त कर चुका है। शेष फ्लैट भी बनकर तैयार हैं।

अगर बिल्डर इनकी भी ऑक्यूपेंसी सर्टिफि केट प्राप्त कर ले इन फ्लैटों की रजिस्ट्री शीघ्र हो सकती है। ओएसडी ने बिल्डर को निर्देश दिए कि जिन फ्लैटों की ऑक्यूपेंसी सर्टिफि केट मिल चुकी है, उनकी रजिस्ट्री की अनुमति प्राप्त कर फ्लैट खरीदारों के नाम शीघ्र रजिस्ट्री शुरू करे।

देरी हुई तो लगेगी पेनल्टी

निवासियों की मांग पर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण अपनी टीम भेजकर कासा ग्रीन के एसटीपी के फंक्शनल होने की जांच कराएगा। कोविड को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन से अनुमति मिली तो क्लब की सुविधाएं भी शीघ्र शुरू हो जाएंगी। रजिस्ट्री में देरी के कारण प्राधिकरण से लगने वाली पेनल्टी को बिल्डर खुद से वहन करेगा। इस बैठक में बिल्डर प्रतिनिधियों में डॉली सिंह और विशाल पासी मौजूद रहे, जबकि खरीदारों की तरफ से महेश यादव, वीरेंद्र बत्रा, एसपी गुप्ता, करुणाकर बिस्वाल, निधि सक्सेना और सतीश श्रीवास्तव मौजूद रहे।

क्षमा और शांति

संत राजिंदर सिंह का कहना है कि क्षमा आंतरिक शांति की ओर ले जाती है। दूसरी ओर आंतरिक शांति बाहरी शांति के रूप में फूटती है और प्रत्येक दिल को समृद्ध करती है

अगर हम चाहते हैं कि पिछली सदी में हमने जो देखा है, उससे बेहतर दुनिया हो, तो हमें शांति और प्रेम को अपने जीवन का हिस्सा बनाने के लिए तैयार रहना चाहिए। हमें हर प्रकार की नफरत और पूर्वाग्रहों को खत्म करना चाहिए जिन्होंने हमारे दिल और आत्मा को दागदार बनाया है। अगर हम चाहते हैं कि दूसरे शांतिपूर्ण रहें, तो हमें खुद उसकी मिसाल या शांत बनना चाहिए।

पहला कदम

किसी ने नहीं कहा कि शांति पाना आसान है। शांति का जो पहला सबसे कठिन कदम है, वो है क्षमा। हमें अतीत को भूलकर अपने शत्रुओं को क्षमा करना सीखना चाहिए। हमें उन लोगों के लिए करुणा विकसित करनी चाहिए जिन्होंने हमें अतीत में चोट पहुंचाई है। हमें यह महसूस करना चाहिए कि हम सभी अपने पूर्वजों की घृणा और कलह के शिकार हुए हैं। इसे रोकने का समय आ गया है। प्रतिशोध को क्षमा व करुणा द्वारा प्रतिस्थापित किया जाना चाहिए।

हम वह पहला कदम कैसे उठा सकते हैं? हम अपने आप को क्रोध और घृणा से कैसे मुक्त कर सकते हैं और उन्हें प्रेम व क्षमा में बदल सकते हैं? अध्यात्म के जरिए करुणा, क्षमा और शांति हममें आ सकती है।

अध्यात्म क्या है?

अध्यात्म की यह मान्यता है कि हमारा सच्चा स्व ही हमारी आत्मा है। यह इस बात को पहचानना है कि हमारी आत्मा ईश्वर के साथ एकाकार है। यह महसूस करना है कि हम केवल हमारा शरीर और मन नहीं हैं, बल्कि एक आत्मा हैं जो शरीर में निवास करती है। हम खुद को एक नामधारी काया के रूप में सोच सकते हैं, कि हम भारत या कोलंबिया या फ्रांस के नागरिक हैं, या कि हम एक निश्चित जाति या धर्म से हैं। लेकिन आध्यात्मिकता यह पहचानना रही है कि इन बाहरी नामों और बाहरी लेबलों के पीछे हम सभी आत्माएं हैं, एक निर्माता का हिस्सा हैं। हम सभी अपनी आत्मा के स्तर पर जुड़े हुए हैं क्योंकि हम एक ही सृष्टा की संतान हैं।

शांतिपूर्ण भविष्य के निर्माण के लिए इसे अपने जीवन का हिस्सा बनाएं

जब हम इस दृष्टिकोण को विकसित करते हैं, तो हम पूर्वाग्रह और भेदभाव की आंखों से नहीं देखते हैं। हम उन बाधाओं को तोड़ना शुरू करते हैं जो एक इंसान को दूसरे इंसान से अलग करती हैं। हमें ऐसा लगने लगता है कि हम सब आत्मा के स्तर पर जुड़े हुए हैं। जब हम अपनी एकता और जुड़ाव का अनुभव करते हैं, तो हम एक-दूसरे की परवाह करने लगते हैं। हम एक दूसरे की मदद और सेवा करना चाहते हैं। हमारे पड़ोसी के बच्चों के भूखे रोने से हमें उतना ही दर्द होगा जितना हमारे अपने बच्चों के रोने से। हम बेघर व्यक्ति को सड़क पर ऐसे देखेंगे, जैसे वे हमारे खुद के दादा हों,, और हम उसकी मदद करने के लिए प्रेरित होंगे। हमारी दृष्टि व्यापक होगी और हम सभी मनुष्यों की पीड़ा के लिए दयालु होंगे और पूरे दिल से उनकी मदद करना चाहेंगे।

> ध्यान में हम एक दिव्य शक्ति के संपर्क में आते हैं। यह शक्ति स्वयं को एक प्रेमपूर्ण प्रकाश के रूप में प्रकट करती है।

हम इस नेक दृष्टि को कैसे विकसित कर सकते हैं?

ऐसा हम आध्यात्मिक रूप से जागरुक होकर कर सकते हैं। यह विधि हमारी आध्यात्मिक दृष्टि जगा सकती है ताकि हम घृणा को मिटा सकें और इसे प्रेम और शांति में बदल सकें। वह विधि ध्यान की एक सरल तकनीक है, कुछ देर शांत बैठ कर हम अपनी आत्मा के संपर्क में आ सकते हैं। हम पाएंगे कि हम इस बाहरी शरीर और मन से कहीं अधिक हैं। हम अपने आध्यात्मिक सार की खोज करेंगे जो प्रेम, शांति और आनंद से भरा है। जब हम अपनी आत्मा के साथ तादात्म्य स्थापित करते हैं, तो हमें ईश्वर के साथ अपनी एकता का एहसास होता है।

हममें से कितने लोगों ने ईश्वर के दिव्य दर्शन की लालसा की है? कई लोगों के लिए, ईश्वर को पाना एक ऐसा सपना है जो शायद ही संभव लगता है, लेकिन कई लोगों ने सदियों से ईश्वर को देखा है। वे भगवान में विलीन हो गए हैं। उन्होंने यह कैसे किया? वे सभी एक ही तकनीक का इस्तेमाल करते थे। हम उस तकनीक को अंतर्ध्यान, एकाग्रता या ध्यान कह सकते हैं। वे स्थिरभाव में बैठते थे, उन्होंने अपना ध्यान अपने भीतर निर्देशित किया, और अंतत: अपनी आत्मा और ईश्वर की खोज की। जब हम ऐसा करते हैं, तो हम सभी महान संतों और धर्म-संस्थापकों द्वारा प्राप्त अवस्था को प्राप्त करते हैं। हम प्यार करने वाले, दयालु, शांतिपूर्ण और देने वाले इंसान बनते हैं।

ध्यान में हम एक दिव्य शक्ति के संपर्क में आते हैं। यह शक्ति स्वयं को एक प्रेमपूर्ण प्रकाश के रूप में प्रकट करती है। जब हम अपने भीतर इस प्रकाश से संपर्क करते हैं, तो हम इस दुनिया में किसी भी तरह की गहन शांति, आनंद, खुशी का अनुभव नहीं करते हैं। ध्यान का सौंदर्य यह है कि यह नशा हमारे दैनिक कार्यों की पुन: शुरुआत करने के बाद भी हमारे साथ रहता है।

जब हम अपनी भौतिक काया से ऊपर उठते हैं और दिव्य प्रकाश का अनुभव करते हैं, तो हम यह भी देखते हैं कि अन्य सभी प्राणी भी आत्मा हैं। हम देखते हैं कि वही प्रकाश हमारे भीतर है, जो बाकी सबके भीतर है। हमें यह एहसास होने लगता है कि हम सभी आत्माएं हैं, सभी ईश्वर के अंश हैं। इस प्रकार हम सभी जीवित चीजों की परवाह करना शुरू कर देते हैं। इस तरह, शांति और खुशी की हमारी व्यक्तिगत प्राप्ति पृथ्वी पर शांति व खुशी के स्वर्ण युग की स्थापना में योगदान देगी।

आंतरिक शांति बाहरी शांति की ओर ले जाती है

हम अपने आध्यात्मिक पक्ष का विकास कर सकते हैं। ध्यान सीखकर हम प्रत्येक दिन अपने भीतर ईश्वर के संपर्क में होने का कुछ समय बिता सकते हैं। जैसे ही ईश्वर हमें प्रेम और आनंद से नहलाते हैं, हम उन वर्षों की आदतों से मुक्त हो जाते हैं जिनके कारण हमें घृणा और पूर्वाग्रहों का सामना करना पड़ा। शांति और प्रेम की इस स्थिति में, हम उन लोगों के प्रति क्षमा और करुणा के गुणों को विकसित करने में सक्षम होते हैं जिन्होंने हमें चोट पहुंचाई है। ईश्वर ने हमें प्रेम, क्षमा और करुणा के गुण दिए हैं। जब हम मेल-मिलाप और शांति की ओर अपना पहला कदम बढ़ाते हैं तो प्रभु हमारे हाथ पकड़ते हैं। जैसे-जैसे हम स्वयं अधिक शांत होते जाते हैं, हम उन सभी को शांति देना शुरू करते हैं जिनके हम संपर्क में आते हैं। शांति हमारे साथ शुरू होती है। खुद को बदलकर हम दूसरों को बदल सकते हैं, जिसमें हमारा परिवार, समुदाय, समाज और अंतत: पूरी दुनिया शामिल है। इस तरह, हम अपने बच्चों, भावी पीढ़ी और स्वयं के लिए एक शांतिपूर्ण, सुरक्षित विश्व का निर्माण करेंगे। यह सब जिस पहले कदम से शुरू होता है, वह है क्षमा। क्षमा आंतरिक शांति की ओर ले जाएगी, और यह आंतरिक शांति दुनिया में बाहरी शांति में खिलेगी, हर दिल को समृद्ध करेगी और इस दुनिया को रहने के लिए एक बेहतर और शांतिपूर्ण जगह बनाएगी।

-लेखक एक आध्यात्मिक नेता हैं

आधुनिक समय की नैतिकता

प्रमोद पाठक

हम अजीब समय में हैं। परस्पर विरोधी चीजें एक साथ आगे बढ़ रही हैं। यह भोंड़े उपभोक्तावाद का समय है। ये बेशर्म व्यावसायीकरण का दौर है। ये अबाधित उपभोग का दौर हैं। अहंकार बढ़ रहा है। लेकिन एक और चलन जोर पकड़ रहा है। एक प्रवृत्ति जो कि जो कुछ भी समझ में आता है, उसके अनुरूप नहीं है। अनुकम्पा और दया के अनारक्षित प्रदर्शन की प्रवृत्ति। इसलिए हम पाते हैं कि दया और करुणा के सजग कृत्यों को संस्थागत और उसका विपणन किया जा रहा है। बाजार को खास दिन सदियों पुराने मूल्य लगते हैं। अतीत में जिन मूल्यों का पालन किया जाता था, वे एक फैशन बन रहे हैं। इसलिए हम विश्व दया दिवस और ऐसे कई दिवस मनाते हैं। यहां तक कि अहंकार द्वारा संचालित अनावश्यक निजी उपभोग अनियंत्रित जारी है, हम पाते हैं कि करुणा व दया का प्रदर्शन भी बहुत जोरशोर के साथ होता है, और अहंकार से भी प्रेरित होता है। कभी सार्वजनिक उपभोग के लिए तो कभी प्रचार के लिए। जबकि प्राचीन भारतीय विचार 'गुप्त दान' या विनम्रता और शांति के साथ दान करने का उल्लेख करते हैं, जबकि वर्तमान दिनों में, धूमधाम और दिखावा है। मकसद दान के उन कृत्यों को नीचा दिखाने या करुणा के पीछे के मकसद पर सवाल उठाने का नहीं है। लेकिन निश्चित रूप से एक सौम्य चेतावनी है कि अहंकार से प्रेरित दान भावुक करुणा के रूप में प्रभावशाली नहीं होता है। फिजूलखर्ची वास्तविक करुणा के विपरीत है। एक उदाहरण भोजन की बर्बादी का मामला है जो कुलीन रेस्तरां में होता है, जो करीब से देखने पर पुराने रोमन राजाओं की याद दिलाता है, जिन्होंने खाया, पिया और जितना वे चबा सकते थे उससे अधिक बार-बार उसका मजाक उड़ाते थे। पार्टी में भोजन की बर्बादी एक ऐसी चीज है जिसे अपराधी के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है क्योंकि अनुशासित खाने से भी जरूरतमंदों के लिए बहुत कुछ उपलब्ध जा सकता है। विडंबना यह है कि यह वही वर्ग है जो कुलीन भोजनालयों में भोजन बर्बाद करता है जो करुणा के उन कृत्यों को भी जोरशोर से करता है। इन दिनों राजनीतिक शुद्धता और सामाजिक स्वीकृति की अत्यधिक मांग की जाती है और यह मानव क्रिया को चलाने वाली प्रमुख प्रेरक शक्तियां बन गई हैं। यह अच्छा है या बुरा, इस पर बहस किए बिना, आइए हम नैतिकता के सार के बारे में सोचें जो इन दिनों लोकप्रिय चर्चा का विषय बन गया है। गोस्वामी तुलसीदास ने बहुत सफलतापूर्वक बताया था कि करुणा धर्म का सार है जबकि अभिमान पाप का स्रोत है। लेकिन आजकल हम देखते हैं कि करुणा भी गर्व का उपोत्पाद है। इसलिए करुणा के कार्य भी अभिमान को खुराक देते हैं, हालांकि वे परस्पर अनन्य हैं। कर्तव्यनिष्ठ उपभोग और भावुक करुणा को स्वयं पर लगाई गई आचार संहिता होने की आवश्यकता है। दुनिया में अभी भी हर किसी की जरूरत के लिए पर्याप्त है। लेकिन समस्या लालच की है। एक आदमी का लालच भी सेब की गाड़ी को खराब कर सकता है। हम कहां गलत हो जाते हैं? जवाब बहुत आसान है। बस आत्ममंथन करने का प्रयास करें, कि जो कुछ भी हम चाहते हैं वह वास्तव में आवश्यक है ? अगली बार जब आप किसी रेस्तरां में खाना खाने जाते हैं, जो आपको किसी प्रदत्त मूल्य के लिए जो कुछ भी आप खा सकते हैं, उसकी पेशकश करता है, तो पहले अपनी जरूरत का आकलन करें। आप कितना खा सकते हैं? लोगों को अपने द्वारा भुगतान किए गए भुगतान का पूर्ण मूल्य प्राप्त करने के लिए अतिरिक्त ऑर्डर करते हुए देखना आम बात है। थोड़ा समझदार बनें और उन लोगों के बारे में सोचें जो अभी भी एक दिन में एक बार का भोजन पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। शायद आप बहुत सारे भोजन की बर्बादी को बचा लेंगे। गरीबी कम करने की संख्या से सरकारों पर फर्क पड़ता है, शासितों पर नहीं। जीडीपी वृद्धि और बढ़ती अर्थव्यवस्था के बारे में उन सभी आंकड़ों के बावजूद गरीबी अभी भी एक ऐसी समस्या है जिससे दुनिया को जूझने की जरूरत है।

- लेखक प्रबंधन-प्रोफेसर और एक प्रशंसित सार्वजनिक वक्ता हैं।

स्वच्छ हवा के लिए

एयर प्यूरीफायर

रवि कौशिक एक आवश्यक मार्गदर्शिका साझा कर रहे हैं जिससे आपको यह समझने में मदद मिलेगी कि आपको वायु शोधक की आवश्यकता कब और क्यों है :

यह कई लोगों के लिए आश्चर्य की बात हो सकती है लेकिन घर के अंदर अक्सर बाहर की तुलना में अधिक प्रदूषित होते हैं। पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 के अनुसार, घर के अंदर वायु प्रदूषण का स्तर बाहर की तुलना में दो-पांच गुना अधिक है, जिसका अर्थ है कि आवासीय घरों में रहने वाले या कार्यालयों में काम करने वाले लोग इसे महसूस किए बिना भी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से ग्रस्त हैं।

घर के अंदर कुछ खतरनाक प्रदूषकों का स्तर बाहर की तुलना में 100 गुना अधिक हो सकता है। यहीं से एयर प्यूरीफायर का महत्व सामने आता है। ये उत्पाद घर के अंदर स्वच्छ हवा में मदद करते हैं, जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, कणों, धूल और पराग के कारण प्रदूषित हो सकता है। इसके अलावा, ये प्यूरिफायर पालतू जानवरों की रूसी, मोल्ड स्पोर्स और रैगवीड जैसी समस्याओं को दूर करने में मदद कर सकते हैं।

स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से, यह ध्यान रखना आवश्यक है कि दुनिया में सूचीबद्ध 25 सबसे प्रदूषित स्थानों में 12 भारतीय शहर शामिल हैं। इसलिए, नियंत्रणीय प्रदूषण को ध्यान में रखते हुए, वायु शोधक की भूमिका नकारा नहीं जा सकता है।

l आपको वायु शोधक की आवश्यकता कब होती है?

इस प्रश्न का एक विशिष्ट उत्तर है। आपको अभी एक एयर प्यूरीफायर की जरूरत है क्योंकि अभी-अभी चर्चा की गई डरावने विवरणों की वजह से आपको एयर प्यूरीफायर की जरूरत है। दुनिया के लगभग सभी हिस्सों में बिगड़ती वायु गुणवत्ता के अलावा, इनडोर क्षेत्र भी लोगों के स्वास्थ्य और भलाई के लिए एक महत्वपूर्ण खतरा पैदा करते हैं। एक व्यक्ति को घर के अंदर प्रदूषकों का स्तर नहीं मिल सकता है, लेकिन वे वहां बहुत अधिक हैं और सांस लेने की समस्याओं और दीर्घकालिक बीमारियों को बढ़ा सकते हैं। इसलिए, वायु शोधक प्राप्त करने का समय अब यह सुनिश्चित करने के लिए है कि आप स्वस्थ रूप से रहते हैं और एक अच्छी तरह से काम करने वाली प्रतिरक्षा प्रणाली है।

l आपको एयर प्यूरीफायर की आवश्यकता क्यों है?

इस प्रश्न के विभिन्न उत्तर हो सकते हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि आप स्वस्थ हैं और किसी भी प्रदूषक से मुक्त हैं, आपको एक वायु शोधक की आवश्यकता है। भले ही स्वस्थ और एलर्जी मुक्त रहना एक वायु शोधक प्राप्त करने के लिए पर्याप्त कारण होना चाहिए, यहां अन्य कारणों की एक सूची है जो आपको यह खरीदारी निर्णय लेने में और प्रेरित करेगी :

घर के अंदर बाहर की तुलना में अधिक प्रदूषित हैं: इस पर कुछ उदाहरणों में चर्चा की गई है, और इस तथ्य को किसी व्यक्ति को यह खरीदारी करने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

घर में बच्चे या बुजुर्ग होना : बच्चों और बुजुर्गों को एलर्जी और बीमारियों का खतरा अधिक होता है, खासकर प्रदूषकों से होने वाली बीमारियों से। इसलिए, यदि किसी घर में बच्चे और बुजुर्ग हैं, तो एक वायु शोधक आवश्यक हो जाता है।

घर में एक गर्भवती महिला है : इनडोर प्रदूषक भ्रूण के स्वास्थ्य को उतना ही प्रभावित कर सकते हैं जितना कि इसे ले जाने वाली महिला। इसलिए, यदि कोई परिवार में बच्चे के जन्म की उम्मीद कर रहा है, तो एक वायु शोधक आवश्यक है।

व्यस्त सड़क या औद्योगिक सुविधा के पास रहना: घर या कार्यालय किसी औद्योगिक सुविधा या व्यस्त राजमार्ग के पास होने पर घर के अंदर प्रदूषित होने की संभावना बहुत अधिक होती है।

घर पर पालतू जानवर रखना: पालतू जानवर हवा में उड़ने वाले पालतू बालों, रूसी और गंध के स्रोत हो सकते हैं, इन सभी को आपके निपटान में एक वायु शोधक द्वारा संबोधित किया जा सकता है।

होम ऑफिस सेटअप : होम ऑफिस उपकरण जैसे कंप्यूटर, लैपटॉप, राउटर, प्रिंटर, फैक्स, प्रोजेक्टर और मोबाइल फोन न्यूनतम रसायनों के स्रोत हैं जिन्हें एयर प्यूरीफायर का उपयोग करके संबोधित किया जा सकता है।

कैंसर, एचआईवी, हृदय की समस्याओं और अधिक जैसी बीमारियों से पीड़ित- जो लोग कैंसर, एड्स, हृदय संबंधी समस्याओं और फुफ्फुसीय संबंधी विकारों से पीड़ित हैं, वे प्रदूषण से गंभीर रूप से प्रभावित होने वाले प्राथमिक हैं। इसलिए, अपने परिवेश को कीटाणुरहित करने वाले वायु-शोधक का उपयोग करने से वे वायु प्रदूषकों के खिलाफ लड़ाई हारे बिना स्वतंत्र रूप से सांस लेने और अपने संबंधित स्वास्थ्य मुद्दों से निपटने की अनुमति देंगे।

अन्य कारक : एक आधुनिक, सुविधाजनक घर या कार्यालय जिसमें ड्राई क्लीनिंग, प्लास्टिक, फ्लेम रिटार्डेंट, नॉन-स्टिक सतह, दाग-प्रतिरोधी कपड़े, कीटनाशक, रासायनिक सफाई उत्पाद, व्यक्तिगत स्वच्छता उत्पाद और उपकरण शामिल हैं, जीवन को अधिक प्रबंधनीय बनाता है। हालांकि, ये महत्वपूर्ण इनडोर प्रदूषकों के स्रोत हैं, जिन्हें अक्सर अनदेखा कर दिया जाता है।

इसके अलावा, भवन में कोई भी नागरिक समस्या या वेंटिलेशन की समस्या भी घर के अंदर प्रदूषकों के संचय का कारण बन सकती है। मुद्दे (जैसे सफाई की कमी) भी समग्र प्रदूषक स्तर को बढ़ा सकते हैं। ऐसी सभी परिस्थितियों में, वायु शोधक होने से ऐसे प्रदूषकों को कम करने में मदद मिल सकती है और यह सुनिश्चित हो सकता है कि ऐसे कारकों से उत्पन्न होने वाले दीर्घकालिक स्वास्थ्य मुद्दों को भी संबोधित किया जा सकता है।

संक्षेप में, एयर प्यूरीफायर अब मेट्रो शहरों में स्थित कुछ घरों या कार्यालयों के लिए एक लक्जरी वस्तु नहीं है। देश में बढ़ता प्रदूषण हर किसी के लिए अपने घर के अंदर/काम के माहौल को इससे बचाना जरूरी बनाता है। भले ही इस लेख में दिए गए कारणों की सूची अनन्य नहीं है, अगर कोई किसी भी कारक से पहचान कर सकता है, तो वायु शोधक खरीदने का निर्णय प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए।

(लेखक दुनिया के पहले एंटीमाइक्रोबियल एयर प्यूरीफायर ब्रांड एआईआरटीएच के संस्थापक हैं।)

जिंदगी में बदलाव के बारे में पता नहीं, लेकिन न्यूजीलैंड के लिए 89-90 टेस्ट खेलना चाहता हूं: पटेल

एजेंसी। मुंबई

भारत में जन्मे न्यूजीलैंड के क्रिकेटर ऐजाज पटेल को यह नहीं पता है कि टेस्ट मैच की एक पारी में 10 विकेट झटकने के बाद उनकी जिंदगी में क्या बदलाव आएगा, लेकिन इस प्रदर्शन के बाद उन्हें अपने देश के लिए 80-90 टेस्ट खेलने की उम्मीद है। मुंबई में जन्मे 33 साल के इस बाएं हाथ के गेंदबाज ने पिछले सप्ताह इतिहास की किताबों में अपना नाम दर्ज कराया। उन्होंने भारत की पहली पारी में सभी 10 विकेट लिए। वह जिम लेकर और अनिल कुंबले के बाद ऐसा करने वाले सिर्फ तीसरे क्रिकेटर बने।

ऐजाज के परिवार के कई सदस्य अब भी मुंबई में रहते हैं। भारतीय टीम से टेस्ट श्रृंखला को 0-1 से गंवाने के बाद यहां से न्यूजीलैंड लौटने से पहले उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि के बाद वह पैसे की बारिश की उम्मीद नहीं कर रहे हैं, लेकिन उनकी कोशिश एशियाई मूल के बच्चों को न्यूजीलैंड में खेल से जुड़ने के लिए प्रेरित करने की होगी। ऐजाज से जब इस प्रदर्शन के बाद जिंदगी में आए बदलाव के बारे में पूछा

गया, तो उन्होंने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मैंने इसके बारे में कुछ सोचा नहीं है। मैं इस समय अपने वर्तमान में हूं। उन्होंने कहा, हां, मैंने कुछ अद्भुत हासिल किया है, लेकिन यह एक नया दिन है और अभी और क्रिकेट खेलना बाकी है। मेरे लिए यह जमीन से जुड़े रहने के बारे में है। उन्होंने कहा, यह वास्तव में मुझ पर बहुत अधिक प्रभाव डालने वाला नहीं है क्योंकि मैं जानता हूं कि मेरे कॅरियर में अभी बहुत कुछ बाकी है। और अगर आप मेरे कॅरियर को देखें, तो मैंने अभी सिर्फ 11 मैच खेले हैं। मैं उन क्रिकेटरों की सूची में शामिल होना चाहता हूं, जिन्होंने न्यूजीलैंड के लिए 80 या 90 टेस्ट मैच खेले हैं। ऐजाज ने इस मौके पर नस्लवाद और 2019 में क्राइस्टचर्च में मस्जिद पर हुए आतंकवादी हमले के बारे में भी बात की। ऐसे समय में जब ब्रिटिश एशियाई क्रिकेटर अजीम रफीक ने लगाए गए नस्लवाद के आरोपों से इंग्लैंड के क्रिकेट में भूचाल आया है तब ऐजाज ने कहा कि न्यूजीलैंड में उन्हें कभी भेदभाव का सामना नहीं करना पड़ा। उन्होंने कहा, हम अब एक खेल के नजरिए से विविधता और नस्लवाद के बारे में बात करते हैं, लेकिन मुझे नहीं लगता कि यह कुछ ऐसा है, जिसने मुझे विशेष रूप से मेरी संस्कृति में इतना प्रभावित किया है। उन्होंने कहा, मैंने वास्तव में अपनी यात्रा के दौरान न्यूजीलैंड में काफी सहज महसूस किया है। जैसे ही मैं आया, मैं ब्लैककैप्स (न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम) के वातावरण की तुलना में बहुत आभारी हूं और वे मेरी संस्कृति, मेरी मान्यताओं का बहुत सम्मान करते हैं, जैसे कि अगर मुझे हलाल भोजन की आवश्यकता होती है, तो वे इसे कहीं से भी मंगवाएंगे।

उन्होंने क्राइस्टचर्च हमले के बाद अपने पड़ोसियों से मिले समर्थन को भी याद किया। ऐजाज ने कहा, जब ऐसा हुआ तो इसका मुस्लिम समुदाय पर बहुत प्रभाव पड़ा था। हम सभी उस समय डरे हुए थे। लेकिन जिस तरह से हमारी सरकार ने इसे और पूरे समुदाय को संभाला, उससे हमें बहुत प्यार मिला। उन्होंने अपने कोच रोलैंड बैरिंगटन को भी सफलता का श्रेय दिया। कर्नाटक के पूर्व क्रिकेटर बैरिंगटन न्यूजीलैंड में बस गए थे। उन्होंने कहा कि भारत की पहली पारी में नौवां विकेट लेने से पहले उनका ध्यान उपलब्धि से ज्यादा बेहतर गेंदबाजी करने पर था। उन्होंने कहा, ईमानदारी से कहूं तो नौवां विकेट मिलने तक मैं इसके बारे में बिल्कुल नहीं सोच रहा था क्योंकि मेरा स्पैल काफी लंबा था। एक स्पिनर के रूप में आप एक समय में एक गेंद पर ध्यान केंद्रित करते हैं और बहुत आगे की नहीं सोचते है। ऐजाज ने कहा, इसलिए मेरा मुख्य ध्यान सिर्फ सर्वश्रेष्ठ गेंद डालने पर था। मैं जानता था कि अगर मैं सभी 10 विकेट ले ले लूंगा तो यह एक विशेष उपलब्धि होगी।

स्पिन गेंदबाजी कौशल विकसित करने के लिए समय और पैसा लगाएं : कोनी

क्राइस्टचर्च। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान जेरेमी कोनी का मानना है कि भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट में करारी शिकस्त मिलने के बाद उनकी टीम को अच्छी स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ कौशल विकसित करने के लिए साहसी बनना होगा और इसमें समय और पैसा लगाने की जरूरत है। मुंबई में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड के बल्लेबाज भारतीय स्पिनरों के खिलाफ संघर्ष करते दिखे और दोनों पारियों में महज 62 तथा 167 रन ही बना सके। टीम ने सोमवार को यह टेस्ट मैच रिकॉर्ड 372 रन से गंवा दिया।

कोनी ने एसईएनजेड पर कहा, मुझे लगता है कि न्यूजीलैंड क्रिकेट को साहसी होने की जरूरत है। उन्हें स्पिन गेंदबाजी में विश्वास करने और खेल के उस हिस्से के विकास के लिए समय और पैसा देने की जरूरत है। इस 69 साल के पूर्व खिलाड़ी ने कहा, हमें ऐसी जगह चाहिए जहां खिलाड़ी बल्लेबाजी कोच की देख रेख में स्पिन का सामना करें। हमें खिलाड़ियों को भारत भेजने का प्रयास करना चाहिए। भारत में जन्मे न्यूजीलैंड के स्पिनर ऐजाज पटेल ने इस मैच की पहली पारी में सभी 10 विकेट लेकर आश्चर्यचकित प्रदर्शन किया। वह इस रिकॉर्ड को बनाने वाले तीसरे गेंदबाज है। उन्होंने दूसरी पारी में भी चार विकेट लिए थे। न्यूजीलैंड के लिए 52 टेस्ट में 2668 रन बनाने वाले कोनी ने कहा, एक और विकल्प यह है कि हम न्यूजीलैंड में ऐसे विकेट तैयार करे जहां दूसरों की तुलना में गेंद को अधिक स्पिन मिले। इससे बल्लेबाजों के साथ विकेटकीपर और क्षेत्ररक्षकों को भी इन पिचों के बारे में समझने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा, ये सभी पूर्णकालिक क्रिकेट है और मुझे लगता है कि हमें इस पर और अधिक काम करने की जरूरत है। न्यूजीलैंड की यह रनों के लिहाज से सबसे बड़ी हार है। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने उसे 2007 में जोहानिसबर्ग में 358 रन से पराजित किया था।

भारतीय श्रृंखला के लिए दक्षिण अफ्रीकी टीम में दो नए चेहरे

एजेंसी। जोहानिसबर्ग

दक्षिण अफ्रीका ने 26 दिसंबर से भारत के खिलाफ शुरू होने वाली तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए मंगलवार को 21 सदस्यीय टीम घोषित की, जिसमें तेज गेंदबाज सिसांडा मगाला और विकेटकीपर बल्लेबाज रेयान रिकेलटन के रूप में दो नए चेहरे शामिल हैं। डीन एल्गार की अगुवाई वाली टीम में तेज गेंदबाज डुआने ओलिवर को भी जगह मिली है जिन्होंने अपना आखिरी टेस्ट मैच 2019 में खेला था। अनुभवी तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा और एनरिक नोर्किया की टीम में वापसी हुई है। उन्हें नीदरलैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला के लिए विश्राम दिया गया था। ग्लेनटन स्टुरमैन और प्रेनलान सुब्राएन की भी टीम में वापसी हुई है।

दक्षिण अफ्रीका में कोविड-19 का नया स्वरूप पाए जाने के बाद अब पहला टेस्ट मैच एक सप्ताह बाद 26 दिसंबर से शुरू होगा। कोविड-19 का नया स्वरूप मिलने के कारण एक समय श्रृंखला पर ही खतरा मंडरा रहा था, लेकिन भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) और क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) दोनों ने कहा कि श्रृंखला कार्यक्रम में कुछ बदलावों के साथ खेली जाएगी। सीएसए की चयनसमिति के समन्वयक विक्टर एमपिटसैंग ने कहा, सीएसए के लिए यह प्रारूप बेहद महत्वपूर्ण है तथा इसे प्रासंगिक बनाए रखना संगठन की प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा, हम डीन एल्गार और उनके साथियों की मैदान पर वापसी का वास्तव में बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हमने पिछली बार उन्हें वेस्टइंडीज पर दबदबा बनाते हुए देखा था और तब से काफी समय बीत गया है। एमपिटसैंग ने कहा, हमें उस टीम पर भरोसा है जिसे हमने चुना है और हमने पिछले दो सत्रों में जिस प्रतिभा को तराशा है उसका पूरा समर्थन करते हैं। तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा होगी। भारत दक्षिण अफ्रीका में अपनी पहली श्रृंखला जीतने की भी कोशिश करेगा।

पहला टेस्ट मैच सेंचुरियन में बॉक्सिंग-डे (26 दिसंबर) से खेला जाएगा। दूसरा टेस्ट तीन जनवरी से जोहानिसबर्ग और तीसरा मैच 11 जनवरी से केपटाउन में खेला जाएगा। इसके बाद तीन एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला होगी तथा मूल कार्यक्रम का हिस्सा रहे चार टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों का आयोजन बाद में किया जाएगा। सीएसए ने सोमवार को संशोधित कार्यक्रम जारी किया था।

दक्षिण अफ्रीकी टीम: डीन एल्गार (कप्तान), तेम्बा बावुमा (उप-कप्तान), क्विंटन डिकॉक (विकेटकीपर), कैगिसो रबाडा, सारेल इरवी, बेउरन हेंड्रिक्स, जॉर्ज लिंडे, केशव महाराज, लुंगी एनगिडी, एडेन मार्कराम, वियान मुल्डर, एनरिक नोर्किया, कीगन पीटरसन, रासी वान डर डुसेन, काइल वेरेन, मार्को जेन्सन, ग्लेनटन स्टुरमैन, प्रेनेलान सुब्रायन, सिसांडा मगाला, रेयान रिकेलटन, डुआने ओलिवर।

बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक का राजनयिक बहिष्कार करेगा अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिका ने चीन में मानव अधिकारों के हनन को देखते हुए बीजिंग में होने वाले आगामी शीतकालीन ओलंपिक खेलों का राजनयिक बहिष्कार करने का फैसला किया है। व्हाइट हाउस के प्रेस सचिव जेन साकी ने सोमवार को कहा कि अमेरिकी खिलाड़ी प्रतियोगिताओं में भाग लेंगे और उन्हें हमारा पूरा समर्थन मिलेगा, लेकिन उन्होंने कहा, हम खेलों से जुड़े विभिन्न समारोहों का हिस्सा नहीं बनेंगे। साकी ने संवाददाताओं से कहा, चीन के शिनजियांग में मानवाधिकारों के हनन और अत्याचार को देखते हुए अमेरिकी राजनयिक या आधिकारिक प्रतिनिधित्व इन खेलों को आम घटनाक्रम की तरह ही लेगा। उन्होंने कहा, मानव अधिकारों को बढ़ावा देने के लिए हमारी मौलिक प्रतिबद्धता है। हम चीन और उसके बाहर मानवाधिकारों को आगे बढ़ाने के लिए कार्रवाई करना जारी रखेंगे।

आस्ट्रेलिया नई शुरुआत करेगा

इंग्लैंड की निगाह 11 साल पुराना प्रदर्शन दोहराने पर

एजेंसी। ब्रिसबेन

तेज गेंदबाज पैट कमिंस की अगुवाई में आस्ट्रेलिया बुधवार से यहां शुरू होने वाली एशेज श्रृंखला में अपने नए क्रिकेट युग की शुरुआत करने उतरेगा, तो इंग्लैंड की निगाह 11 साल पुराने प्रदर्शन को दोहराने पर होगी जब उसने आखिरी बार आस्ट्रेलियाई धरती पर श्रृंखला जीती थी। दोनों टीम के लिए ऐतिहासिक एशेज श्रृंखला की शुरुआत अनुकूल नहीं रही। इंग्लैंड की टीम नस्लीय टिप्पणियों के आरोपों के साए में यहां पहुंची है, जबकि आस्ट्रेलिया के कप्तान टिम पेन को अपनी सहयोगी को अश्लील संदेश भेजने के कारण न सिर्फ अपना पद छोड़ना पड़ा बल्कि वह अनिश्चितकाल के लिए अवकाश पर चले गए। यही नहीं खराब मौसम के कारण दोनों टीम को पर्याप्त अभ्यास का मौका भी नहीं मिला।

लेकिन अब दोनों टीम इन बातों को पीछे छोड़कर एशेज की दशकों पुरानी परंपरा और प्रतिद्वंद्विता में नए अध्याय जोड़ने के लिए मैदान पर उतरेंगी। आस्ट्रेलिया ने पेन के हटने के बाद कमिंस को कप्तानी सौंपी है और यह 1956 के बाद पहला अवसर होगा जबकि कोई तेज गेंदबाज उसकी कमान संभालेगा। पेन के अनिश्चितकाल के अवकाश पर चले जाने से विकेटकीपर एलेक्स कैरी को टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण का मौका मिला है। कैरी पर्याप्त अनुभवी हैं। उन्होंने 45 वनडे और 38 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और सीमित ओवरों में आस्ट्रेलिया की अगुवाई भी कर चुके हैं। आस्ट्रेलिया के आक्रमण में हालांकि वे चारों गेंदबाज शामिल हैं जिन्होंने चार साल पहले टीम की 4-0 से जीत में अहम भूमिका निभाई थी। मिशेल स्टार्क को झाय रिचर्डसन पर प्राथमिकता मिलने से यह तय है कि वह जोश हेजलवुड के साथ नई गेंद संभालेंगे। कमिंस और ऑफ स्पिनर नाथन लियोन आस्ट्रेलियाई आक्रमण के अन्य प्रमुख स्तंभ है। कैमरन ग्रीन आलराउंडर की भूमिका निभाएंगे। आस्ट्रेलिया ने अपना आखिरी टेस्ट मैच 11 महीने पहले खेला था और लियोन तब से 400 टेस्ट विकेट के क्लब में शामिल होने के लिए इंतजार कर रहे हैं। इसके लिए उन्हें केवल एक विकेट की जरूरत है। आस्ट्रेलिया से अब तक शेन वार्न और ग्लेन मैकग्रा ही इस मुकाम पर पहुंचे हैं। आस्ट्रेलिया ने रविवार को ही अपनी अंतिम एकादश घोषित कर दी थी।

टीमें

आस्ट्रेलिया : डेविड वार्नर, मार्कस हैरिस, मार्नस लाबुशेन, स्टीवन स्मिथ, ट्रैविस हेड, कैमरून ग्रीन, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), पैट कमिन्स (कप्तान), मिशेल स्टार्क, नाथन लियोन, जोश हेजलवुड।

इंग्लैंड : रोरी बर्न्स, हसीब हमीद, जॉक क्राउली, डाविड मालन, जो रूट (कप्तान), बेन स्टोक्स, ओली पोप, जॉनी बेयरस्टॉ, जोस बटलर (विकेटकीपर), डॉम बेस, क्रिस वोक्स, ओली रॉबिन्सन, मार्क वुड, स्टुअर्ट ब्रॉड, जैक लीच में से।

संक्षिप्त समाचार

अमन फरोग संजय ने जीता दक्षिण अफ्रीका में खिताब

जोहानिसबर्ग। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी अमन फरोग संजय ने दक्षिण अफ्रीका इंटरनेशनल फ्यूचर सीरीज के फाइनल में यहां दूसरी वरीयता प्राप्त रॉबर्ट समर्स पर संघर्षपूर्ण जीत से लगातार दूसरा पुरुष एकल खिताब जीता। विश्व में 300वीं रैंकिंग के अमन ने दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी से पहला गेम गंवाने के बाद शानदार वापसी की और 44 मिनट तक चले मैच में 15-21, 21-16, 21-12 से जीत दर्ज की। मौजूदा खेलो इंडिया युवा खेलों के चैंपियन 21 वर्षीय अमन ने पिछले सप्ताह बोत्सवाना इंटरनेशनल फ्यूचर सीरीज का खिताब जीता था। अमन ने इस साल अगस्त में बेनिन ओपन का खिताब जीता था और 2019 में कीनिया इंटरनेशनल फ्यूचर सीरीज में उप विजेता रहे थे।

आर्सनल को हराकर जीत की राह पर लौटा एवर्टन

लिवरपूल। डेमाराइ ग्रे के अंतिम क्षणों में किए गए गोल की मदद से एवर्टन ने इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल प्रतियोगिता में आर्सनल को 2-1 से हराकर पिछले आठ मैचों में अपनी पहली जीत दर्ज की। ग्रे ने दूसरे हाफ के इंजुरी टाइम के दूसरे मिनट में विजई गोल दागा। इससे पहले रिचार्लीसन ने 79वें मिनट में एवर्टन को बराबरी दिलाई थी। मार्टिन डेगार्ड ने पहले हाफ के इंजुरी टाइम में गोल करके आर्सनल को बढ़त दिलाई थी। मैच समाप्त होने के बाद एवर्टन के प्रशंसकों ने स्टेडियम के अंदर ही जमकर जश्न मनाया। इससे पहले 27 मिनट के खेल के बाद एवर्टन के कुछ समर्थकों ने क्लब के अधिकारियों के विरोध में मैच का बहिष्कार करते हुए स्टेडियम छोड़ दिया था। एवर्टन पिछले 27 वर्षों से ट्राफी नहीं जीत पाया है। आर्सनल की यह लगातार दूसरी हार है। इससे पहले गुरुवार को उसे मैनचेस्टर यूनाईटेड ने 3-2 से हराया था।

पहले एशेज टेस्ट में नहीं खेलेंगे जेम्स एंडरसन

ब्रिसबेन। इंग्लैंड ने कार्यभार प्रबंधन की अपनी नीति के तहत तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन को आस्ट्रेलिया के खिलाफ बुधवार से यहां शुरू होने वाले पहले एशेज टेस्ट क्रिकेट मैच में विश्राम देने का निर्णय किया है। टीम प्रबंधन का मानना है श्रृंखला के पहले मैच में नहीं खेलने से एंडरसन इसके बाद एडीलेड में होने वाले दिन रात्रि टेस्ट के लिए बेहतर तैयार रहेंगे। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने बयान में कहा, जिम्मी खेलने के लिए फिट है और उन्हें किसी तरह की चोट नहीं है। छह सप्ताह के अंदर पांच टेस्ट मैच खेलने हैं और ऐसे में उन्हें एडीलेड में होने वाले दूसरे टेस्ट के लिए तैयार रखना है। यह निर्णय इंग्लैंड की खराब मौसम के कारण सीमित तैयारियों को देखकर भी लिया गया है। बयान में कहा गया है, हमें दौरे में अब तक सीमित अभ्यास का मौका मिला है तथा वह (एंडरसन) और टीम प्रबंधन किसी तरह का जोखिम नहीं लेना चाहते हैं विशेषकर 2019 में एजबेस्टन में जो कुछ हुआ उसे देखते हुए जब वह मैच की पहली सुबह ही चोटिल हो गए थे।

मुंबई में रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे हार्दिक

बड़ौदा के लिए विजय हजारे ट्रॉफी में नहीं खेलेंगे

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय टीम से बाहर चल रहे आलराउंडर हार्दिक पंड्या ने बुधवार से शुरू हो रही विजय हजारे ट्रॉफी (राष्ट्रीय एकदिवसीय टूर्नामेंट) में हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया है क्योंकि वह गेंदबाजी फिटनेस हासिल करने के लिए कड़ी रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। बीसीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर एजेंसी को बताया, बड़ौदा क्रिकेट संघ (बीसीए) ने विजय हजारे ट्रॉफी के लिए उपलब्धता के बारे में पूछते हुए हार्दिक को ईमेल भेजा था। पिछले तीन साल में वह बमुश्किल ही बड़ौदा की ओर से खेला है। हालांकि उसने एक पंक्ति में जवाब दिया है कि वह अभी मुंबई में रिहैबिलिटेशन से गुजर रहा है।

हार्दिक की चोट के बारे में पूछने पर अधिकारी ने कहा, बीसीए को भी इसकी जानकारी नहीं है। समझा जा रहा है कि वह अपनी कमर को मजबूत करने का प्रयास कर रहा है जो 2019 में सर्जरी के बाद से काफी अच्छी स्थिति में नहीं है। अधिकारी ने बताया कि हार्दिक के बड़े भाई कृणाल एक हफ्ते के बड़ौदा के सत्र पूर्व हजारे शिविर से जुड़ गए थे क्योंकि राज्य बोर्ड ने उन्हें निर्देश दिया था कि टीम का हिस्सा बनने के लिए शिविर में हिस्सा लेना अनिवार्य है। सूत्र ने कहा, बीसीए ने कृणाल से कहा कि वह सिर्फ टूर्नामेंट के दौरान टीम का हिस्सा नहीं बन सकता और उसे शिविर का भी हिस्सा बनना होगा। इसके बाद वह आया और टीम के साथ एक हफ्ते ट्रेनिंग की। अगर हार्दिक घरेलू टूर्नामेंट में नहीं खेलते हैं तो भारत की सीमित ओवरों की टीम में उनकी वापसी पर विचार नहीं किया जाएगा। सूत्र ने कहा, मौजूदा राष्ट्रीय चयन समिति ने उन सभी खिलाड़ियों को जो भारतीय टीम का हिस्सा नहीं है, कह दिया है कि वे घरेलू क्रिकेट-हजारे और रणजी ट्रॉफी में खेलें। मुंबई में रिहैबिलिटेशन के बावजूद हार्दिक को राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में वहां के कोच के समक्ष फिटनेस साबित करनी होगी।

वॉर्नर, साउदी, आबिद आईसीसी महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार के लिए नामांकित

एजेंसी। दुबई

ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर, पाकिस्तान के बल्लेबाज आबिद अली और न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज टिम साउदी को मंगलवार को नवंबर माह के लिए आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) के महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार के लिए नामंकित किया गया। महिला वर्ग में इस सूची में वेस्टइंडीज की हरफनमौला हेली मैथ्यूज के साथ पाकिस्तान की बाएं हाथ की स्पिनर अनम अमीन और बांग्लादेश की नाहिदा अख्तर शामिल है।

नवंबर के महीने का नामांकन संयुक्त अरब अमीरात एवं ओमान में हुए आईसीसी पुरुष टी-20 विश्वकप के मैचों सहित सभी प्रारूपों में प्रदर्शन के आधार पर है। आईसीसी की एक स्वतंत्र मतदान अकादमी और दुनिया भर के प्रशंसक विजेताओं का फैसला करने के लिए मतदान कर सकते हैं, जिसकी घोषणा अगले सप्ताह की जाएगी। प्रशंसकों को रविवार तक मत डालने के लिए आमंत्रित किया गया है। वार्नर टी-20 विश्वकप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट थे। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल में 49 और न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में 53 रनों की शानदार पारी खेली थी। इस दौरान टी-20 अंतरराष्ट्रीय की चार पारियों में उन्होंने 69.66 के औसत और 151.44 के स्ट्राइक रेट से 209 रन बनाए।

हरभजन बड़ी आईपीएल फ्रेंचाइजी के सहयोगी स्टाफ से जुड़ने की तैयारी में

कुशान सरकार। नई दिल्ली

भारत के पूर्व आफ स्पिनर हरभजन सिंह अगले साल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की एक बड़ी फ्रेंचाइजी के सहयोगी स्टाफ के अहम सदस्य के रूप में नजर आएंगे। पिछले आईपीएल के पहले चरण में 41 साल के हरभजन ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की ओर से कुछ मुकाबले खेले थे लेकिन लीग के यूएई चरण में एक भी मैच नहीं खेले।

उम्मीद है कि हरभजन अगले हफ्ते प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से आधिकारिक रूप से संन्यास की घोषणा करेंगे और इसके बाद उनके कुछ फ्रेंचाइजी के सहयोगी स्टाफ से जुड़ने की पेशकश में से किसी एक को स्वीकार करने की उम्मीद है।

आईपीएल के एक सूत्र ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर एजेंसी को बताया, यह भूमिका सलाहकार, मार्गदर्शक या सलाहकार समूह का हिस्सा बनने की हो सकती है, लेकिन वह जिस फ्रेंचाइजी से बात कर रहा है वह उसके अनुभव का इस्तेमाल करना चाहती है। वह नीलामी में खिलाड़ियों को चुनने में भी फ्रेंचाइजी की मदद करने में सक्रिय भूमिका निभाएगा। हरभजन ने हमेशा खिलाड़ियों को निखारने में रुचि दिखाई है और एक दशक तक मुंबई इंडियन्स से जुड़े रहने के दौरान बाद के वर्षों में टीम के साथ उनकी यही भूमिका थी।

पिछले साल केकेआर के साथ जुड़े रहने के दौरान हरभजन ने वरूण चक्रवर्ती का मार्गदर्शन करने में काफी समय बिताया। आईपीएल के पिछले सत्र की खोज रहे वेंकटेश अय्यर ने इससे पहले खुलासा किया था कि हरभजन ने केकेआर की ओर से उनके एक भी मैच नहीं खेलने से पहले कुछ नेट सत्र के बाद कहा था कि वह लीग में सफल रहेंगे। यहां तक कि पिछले सत्र में केकेआर के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम और कप्तान इयोन मोर्गन ने भी टीम चयन के मामलों में हरभजन की सलाह मानी थी।

जोकोविच एटीपी कप में खेलेंगे: आयोजक

एजेंसी। सिडनी

नोवाक जोकोविच को जनवरी में होने वाले एटीपी कप के लिए सर्बिया की टीम में शामिल किया गया है, जिससे इस बात का संकेत मिलता है कि वह टीकाकरण की अपनी स्थिति पर विवाद के बावजूद वह इस टूर्नामेंट के एक सप्ताह बाद आस्ट्रेलियाई ओपन में खेल सकते हैं। आयोजकों ने मंगलवार को कहा कि दुनिया के शीर्ष 20 खिलाड़ियों में से 18 खिलाड़ी एक से नौ जनवरी तक सिडनी में होने वाले 16 देशों के टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे, जिसमें जोकोविच शीर्ष वरीयता प्राप्त सर्बिया का प्रतिनिधित्व करेंगे।

जोकोविच ने आस्ट्रेलियाई ओपन के अपने खिताब का बचाव करने को लेकर सार्वजनिक रूप से प्रतिबद्धता नहीं जताई है।

उन्होंने इस ग्रैंड स्लैम के लिए जरूरी अपनी टीकाकरण की स्थिति का खुलासा नहीं किया है। आस्ट्रेलियाई ओपन के आयोजकों ने इसमें भाग लेने वालों के लिए पूर्ण टीकाकरण को अनिवार्य किया है। एटीपी कप टूर्नामेंट में हालांकि ऑस्ट्रेलियाई ओपन जैसे नियम नहीं है, लेकिन सिडनी में खेलने के बाद इस बात की संभावना बन सकती है वह मेलबर्न पार्क में अपने 10 वें खिताब और कुल 21 वें ग्रैंड स्लैम एकल खिताब का सपना पूरा कर सके। सिडनी में खेलने के लिए हालांकि जोकोविच को 14 दिनों तक पृथकवास में रहना होगा। सर्बिया ग्रुप ए में दावेदार के तौर पर अपने अभियान को शुरू करेगा। इस ग्रुप में नॉर्वे, चिली और स्पेन भी शामिल है। विश्व रैंकिंग के छठे पायदान के खिलाड़ी राफेल नडाल को स्पेन की टीम में जगह दी गई है। आस्ट्रेलिया को ग्रुप बी में गत चैंपियन रूस और इटली और आस्ट्रिया की मजबूत टीमों के साथ है। जर्मनी, कनाडा, ब्रिटेन और अमेरिका ग्रुप सी में हैं, जबकि यूनान, पोलैंड अर्जेंटीना और जॉर्जिया ग्रुप डी में है। एटीपी कप सिडनी में केन रोजवेल एरिना और टेनिस स्टेडियम सिडनी ओलंपिक पार्क में खेला जाएगा।

मानसिक अवकाश लेगी आंद्रीस्कू आस्ट्रेलियाई ओपन में नहीं खेलेगी

वाशिंगटन। यूएस ओपन 2019 की चैंपियन बियांका आंद्रीस्कू टेनिस से मानसिक अवकाश लेगी और आस्ट्रेलियाई ओपन सहित अगले सत्र के शुरू में होने वाली प्रतियोगिताओं में भाग नहीं लेगी। कनाडा की इस 21 वर्षीय खिलाड़ी ने ट्विटर पर लिखा है कि वह कोविड-19 के कारण कई सप्ताह तक पृथकवास पर रही है जिसने उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि उनकी दादी कोरोना वायरस के कारण कई सप्ताह तक अस्पताल के आपात चिकित्सा कक्ष में रही जिसका उन पर गहरा असर पड़ा है।

आंद्रीस्कू ने कहा, कई ऐसे दिन भी गुजरे जब मुझे खुद का होने का अहसास नहीं होता था विशेषकर अभ्यास और मैच खेलने के दौरान। मुझे ऐसा लगता था कि जैसे सारी दुनिया का बोझ मेरे कंधों पर है। उन्होंने कहा, मैं कोर्ट के बाहर चल रही चीजों से खुद को अलग नहीं कर पाई। मैं बेहद उदास थी और मेरे अंदर उथल पुथल चल रही थी। इसका मुझ पर गहरा प्रभाव पड़ा। आंद्रीस्कू इस तरह से उन पेशेवर टेनिस खिलाड़ियों में शामिल हो गई हैं जिन्होंने मानसिक रूप से तैयार होने के लिए कुछ समय तक स्वयं को प्रतियोगिताओं से दूर रखा। इनमें विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी और चार बार की ग्रैंडस्लैम विजेता नाओमी ओसाका भी शामिल है। ओसाका मई में फ्रेंच ओपन से हट गई थी और इसके बाद सितंबर में यूएस ओपन के पहले दौर में बाहर होने के बाद वह सत्र की बाकी प्रतियोगिताओं में नहीं खेली।

साजिद खान के छह विकेट से बांग्लादेश पर फॉलोऑन का खतरा

ढाका। ऑफ स्पिनर साजिद खान (35 रन पर छह विकेट) के कॅरियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी से पाकिस्तान ने दूसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन मंगलवार को बांग्लादेश की पहली पारी में 26 ओवर में 76 रन पर सात विकेट चटकाकर जीत की उम्मीदें कायम कर ली है। मैच का शुरुआती तीन दिनों का खेल का अधिकांश हिस्सा बारिश और खराब रोशनी की भेंट चढ़ गया। इस दौरान महज 63.2 ओवर का खेल संभव हो सका।

पाकिस्तान ने चौथे दिन के दूसरे सत्र में चार विकेट पर 300 बनाकर पारी घोषित कर दी। उस समय लग रहा था कि यह मैच ड्रॉ होगा, लेकिन साजिद के छह विकेट के कारण बांग्लादेश पर फॉलोऑन का खतरा मंडराने लगा है। खराब रोशनी के कारण चौथे दिन का खेल में एक घंटे पहले खत्म करना पड़ा। अभी एक दिन का खेल बचा है और बांग्लादेश को फॉलोऑन बचाने के लिए और 25 रन की जरूरत है जबकि टीम पाकिस्तान से पहली पारी के आधार पर 224 रन पीछे है और उसके तीन विकेट बचे हुए है। स्टंप्स के समय अनुभवी शाकिब अल हसन 23 रन बनाकर खेल रहे थे।